डाक पंजीयन संख्या/643/2016-2018/2016
RNI-MPHIN/2015/62199

नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष : 07 अंक : 05 | जुलाई 2021 | मूल्य: ₹ 30 | पृष्ठ : 44

देश में कहीं सूखा कहीं बाढ़

देश में इन दिनों कहीं सूखा पड़ रहा है तो कहीं भारी बाढ़ ने तांडव मचाया हुआ है देश के कई राज्यों में भारी बारिश के चलते लोग बेघर हो गए हैं तो अन्य राज्यों में सूखा पड़ रहा है जहां अभी तक बारिश नहीं पहुंच सकी है। भारी बारिश के चलते नेपाल के 30 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। यहां अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। कई नदियां उफान पर हैं। इनका असर नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में दिखाई दे रहा है। तीनों राज्यों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। बारिश के कारण उत्तराखंड में अलखनंदा, मंदाकिनी और गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है।हरिद्वार से शनिवार को 4 लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। इसके चलते यूपी के कई जिलों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। पूर्वांचल की 6 नदियां उफान पर आ गई हैं। बाढ़ का असर सबसे ज्यादा यूपी के महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच में है। इन जिलों में हजारों एकड़ फसल डूब गई है। ग्रामीण घरों को छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं बिहार की गंडक, कोसी और घाघरा नदियां भी उफान पर हैं। 19 जून तक 41त्न ज्यादा बारिश देश के उत्तर पश्चिमी हिस्से में इस समय जमीनी सतह से काफी ऊंचाई तक हवाएं चल रही हैं, जो मानसून के आगे बढ़ने में बाधा बन रही है। इसलिए मानसून के दिल्ली, हरियाणा, पंजाब व उत्तरी राजस्थान के हिस्सों में पहुंचने के लिए अभी और इंतजार करना होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून के दस्तक देने के बाद 19 जून तक देश में 41त्न ज्यादा बारिश हुई है। 19 जून तक सामान्य रूप से 88.4 मिमी बारिश होती है। पर अब तक 124.2 मिमी बारिश हो चुकी है राजधानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान भीषण गरमी और लू से तप रहे हैं, जबकि पूर्वोत्तर भारत और बिहार में थोड़ी और बारिश होने पर बाढ़ का खतरा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि उत्तर पश्चिम भारत के शेष हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना नहीं। देश में मानसून की बारिश भी तब तक बेहद कमजोर रहेगी। मानसून की उत्तरी सीमा में 19 जून के बाद प्रगति नहीं हुई है। ऐसे में, वह अभी दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, राजस्थान व पंजाब तक नहीं पहुंच पाया है। आईएमडी ने कहा है कि मध्य अक्षांश की पश्चिमी हवाओं के कारण मानसून कमजोर पड़ गया है। पूर्वी हवाएं आगे नहीं बढ़ पा रही हैं, तो मानसून भी ठहर गया है। अनुमान के अनुसार, पूर्वी हवाओं में 7 जुलाई से पहले जोर नहीं पैदा होगा। इसका अर्थ है, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब को बारिश के लिए करीब दस दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है।

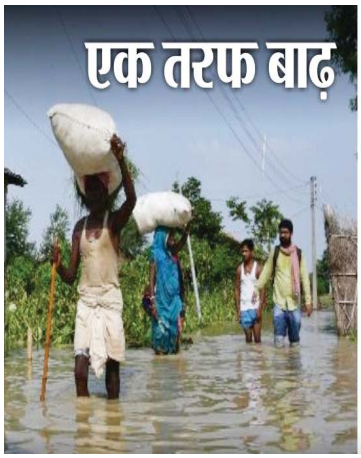

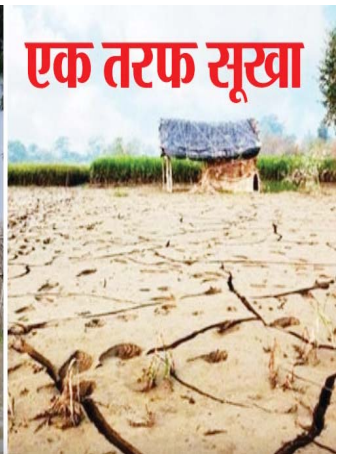

30 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत में 10 प्रतिशत से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मध्य भारत में 17 प्रतिशत अधिक, दक्षिण प्रायद्वीप पर चार प्रतिशत अधिक, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में तीन प्रतिशत अधिक, पर दिल्ली तप रही है। और तो और, मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन व उससे अधिक समय तक लू चलने की संभावना है। विडंबना देखिए, अगले छह-सात दिनों के दौरान बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा की संभावना है। जिन इलाकों में बारिश हुई है, वहां जरूरत से कुछ ज्यादा है। ज्यादातर खेतों में पानी लगा है, तो धान की बुआई के लिए किसानों को इंतजार करना पड़ रहा है। नदी, नाले लबालब हैं। खराब सड़कों पर पानी भरने से चलना मुहाल हुआ है, लेकिन दिल्ली में लोग बारिश और राहत के लिए तरस रहे हैं। कहीं ज्यादा, तो कहीं कम बारिश की वजह से खेती पर भी असर पड़ रहा है। पिछले साल भी असमय बारिश या गैर-आनुपातिक बारिश के चलते फसलों और उत्पादन पर असर पड़ा था। इसमें कोई शक की बात नहीं कि हम मौसम की अतिरेकी या प्रतिकूल स्थितियों से जूझने में बहुत सफल नहीं हैं। जब ज्यादा बारिश की स्थिति बनती है, तब भी हम आर्थिक या व्यावसायिक रूप से काफी प्रभावित होते हैं और जब कम बारिश होती है, तब भी हम जरूरत भर का पानी नहीं जुटा पाते। ऐसे में, अनेक बार नदियों को जोड़ने या नहरों का जाल बिछाने की बात होती है। सामूहिक रूप से किसानों और उनके साथ मिलकर स्थानीय प्रशासन को सोचना चाहिए कि खेतों में जमा होने वाले अतिरिक्त पानी को कैसे किसी सूखे तालाब या नदी तक पहुंचाया जाए। दूसरी ओर, गरमी और लू वाले इलाकों में भी जरूरी इंतजाम होने चाहिए। लोगों को राहत देने के लिए क्या प्रबंध किए जा सकते हैं? जल के अभाव से कैसे बचा जा सकता है? अधिक गरमी और लू की वजह से मौसमी बीमारियों में भी बढ़ोतरी होती है, अत- क्या व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को पर्याप्त जागरूक किया गया है? क्या अस्पताल के स्तर पर तैयारियां पूरी हैं? अतिरेकी मौसम वाले देश भारत में प्राथमिक स्तर पर ही शिक्षण-प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए, ताकि लोग मौसम के साथ बेहतर तालमेल बिठा सकें।

भरत सिंह चौहान
संपादक

खेतों में जमा होने वाले अतिरिक्त पानी को कैसे किसी सूखे तालाब या नदी तक पहुंचाया जाए। दूसरी ओर, गरमी और लू वाले इलाकों में भी जरूरी इंतजाम होने चाहिए। लोगों को राहत देने के लिए क्या प्रबंध किए जा सकते हैं? जल के अभाव से कैसे बचा जा सकता है? अधिक गरमी और लू की वजह से मौसमी बीमारियों में भी बढ़ोतरी होती है, अतः क्या व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को पर्याप्त जागरूक किया गया है? क्या अस्पताल के स्तर पर तैयारियां पूरी हैं? अतिरेकी मौसम वाले देश भारत में प्राथमिक स्तर पर ही शिक्षण-प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए, ताकि लोग मौसम के साथ बेहतर तालमेल बिठा सकें।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 07, अंक 05, जुलाई 2021

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	**बहादुर सिंह चौहान**
संपादक	**भरत सिंह चौहान**
प्रबंध संपादक	**शैलेश सिंह कुशवाह**
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता
	शशिभूषण चौहान (मप्र)
	पुष्पेन्द्र तोमर
	संदीप प्रधान
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
	विपिन तोमर
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर

ब्यूरो प्रमुख

पंकज त्रिपाठी	**मध्य प्रदेश**
राजानल शर्मा	**छत्तीसगढ़**
नरेन्द्र शर्मा	**हरियाणा**
केशव प्रसाद शर्मा	**चंबल संभाग**
ए. के. झा	**बिहार**
अमित कुमार	**जम्मू-कश्मीर (यूटी)**
अमन राय	**बर्दवान पश्चिम बंगाल**
नारायण लाल	**बेंगलुरु**
दीपक रलहन	**पंजाब**
नैनाराम सिरवी	**पाली, राजस्थान**
केवल राम मालवीय	इंदौर
हरिओम चतुर्वेदी	शिवपुरी
राजेश लोधी	रायसेन
रीतेश कटरे	बालाघाट
सुरजीत राजावत	ग्वालियर
नीतेश शर्मा	ग्वालियर
विनोद पाठक	श्योपुर
प्रेमकिशोर शर्मा	आगरा मंडल
शशिकांत खरे	झांसी
सोनू कुमार माथुर	एटा, (उत्तर प्रदेश)
प्रवेन्द्र सिंह	आगरा (उत्तर प्रदेश)
हरिनिवास दुबे	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
रूपसिंह	इटावा, (उत्तर प्रदेश)
किरण राठौर	औरैया, (उत्तर प्रदेश)
अरूण शुक्ला	भिण्ड
मोहन मांझी	गोहद
अमित शर्मा	ग्वालियर

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4901403, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

नेताओं के बदलते रंग

नेताओं के रंग देख लो है गिरगिट से ज्यादा कहीं पर झूठी बातें करते कहीं पर झूठा वादा तन से दिखते हैं सफेद पर मन इनका है काला दिखने में लगते हैं भोले मन नहीं भोला भाला परख परख कर लोगों को अपने रंग में रंग डाला राग द्वेष और जाति भेद के कीचड़ में जनता को डाला अपने मतलब के लिए इन्होंने देश में खूनी संघर्ष करा डाला बनते हैं जनता के हितेषी शोषण जनता का ही कर डालानिज स्वार्थ के कारण इन ने पूरा देश ही भ्रष्ट बना डाला ऊंच-नीच और भेदभाव से जनता को बदरंग कर डाला जाति धर्म और मजहब में पूरे देश को बांट डाला नेताओं के रंग देख लो है गिरगिट से ज्यादा जहां पर देखा इन ने फायदा वहीं पर डाका डाला

शैलेश सिंह कुशवाह वरिष्ठ पत्रकार ग्वालियर

पुष्पांजली टुडे टीम

सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया रिपोर्टर
संतोश सिंह भदौरिया	चम्बल संभाग
गौरव शर्मा	चम्बल संभाग
महेन्द्र शर्मा	चम्बल संभाग
राधा तोमर	अम्बाह
अंकित कुमार	अजीतमल, औरैया
भीमसेन तोमर	अम्बाह
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
ब्रजेश सिंह भदौरिया	फूप
रंजीत बघेल	सेंवढ़ा, दतिया
दीपक कुमार	खेरागढ़, आगरा
छोटे सिंह भदौरिया	मालनपुर
संतोष सिंह भदौरिया	गोरमी
हरिओम परिहार	खनियाधाना
हरिओम चतुर्वेदी	करैरा
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड, क्राइम रिपोर्टर
निर्मला	भिण्ड
राहुल तलरेजा	मऊ, इंदौर
शिवकांत ओझा	रौन
आदित्य सिकरवार	पोरसा
वासुदेव मिश्रा	ग्वालियर
रवीना शर्मा	श्योपुर
अमित पाठक	ललितपुर उप्र
चेतना कारले	खरगोन
उमाकांत शर्मा	भिण्ड
बृजपाल सिंह गुर्जर	मेहगांव

इस अंक में

राजनीति 07

मोदी कैबिनेट विस्तार 08

पर्यटन 37

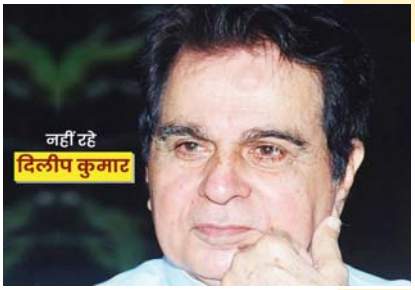

सिने जगत के दिग्गज.... 13

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

देश में टीकाकरण का बना रिकॉर्ड

कोरोना टीकाकरण में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा, बना दुनिया का सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन करने वाला देश

भारत विश्व में कोरोना वैक्सीन की सबसे ज्यादा डोज लगाने वाला देश बन गया है। भारत ने कोरोना टीकाकरण के मामले में अमेरिका को पछाड़ दिया है। अभी तक इस मामले में अमेरिका सबसे आगे था लेकिन भारत ने अमेरिका को भी इस मामले में पीछे छोड़ दिया है। ग्लोबल वैक्सीन ट्रैकर के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में अभी तक कोरोना वैक्सीन की 32 करोड़ 36 लाख 63 हजार 297 डोज लागई जा चुकी हैं जबकि अमेरिका में 32 करोड़ 33 लाख 27 हजार 328 डोज लगी है। इस आधार पर भारत ने अमेरिका को टीकाकरण के मामले में पीछे छोड़ दिया है। भारत में इसी साल 16 जनवरी से टीकाकरण की शुरुआत हुई थी जबकि अमेरिका में पिछले साल 14 दिसंबर से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था। कोरोना टीकाकरण के मामले में तीसरे नंबर पर यूके है। यूके में अब तक 7 करोड़ 67 लाख 74 हजार 990 डोज लगाई जा चुकी हैं। चौथा नंबर आता है जर्मनी का, जहां पर 7 करोड़ 14 लाख 37 हजार 514 डोज लगाई जा चुकी है। फ्रांस में अभी तक कोरोना वैक्सीन की 5 करोड़ 24 लाख 57 हजार 288 डोज लगाई जा चुकी हैं। बात अगर इटली की करें तो यहां पर कोविड वैक्सी न की 4 करोड़ 96 लाख 50 हजार 721 डोज लगाई गई हैं।

सबको वैक्सीन मुफ्त वैक्सीन

वैक्सीन लगवाएं, अफवाहों पर ध्यान न दें: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो पर मन की बात प्रोग्राम के जरिए देश को संबोधित किया। यह कार्यक्रम मोदी सरकार 2.0 का 25वां और ओवरऑल 78वां एपिसोड था। पीएम ने मध्यप्रदेश के बैतूल के एक गांव के लोगों से बात की। लोगों ने उन्हें बताया कि हमारे यहां कोरोना वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि इससे मौत हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा हमें भ्रम नहीं फैलने देना है। मैंने वैक्सीन के दोनों डोज लगवा लिए हैं। मेरी मां ने 100 साल की उम्र में वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए हैं। हमारे देश के 20 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वैक्सीन ली है। ऐसा कुछ भी नहीं है। आप भी वैक्सीन लगवाइए और बाकियों को भी प्रेरित करिए।

वायरस बहरूपिया, वैक्सीन ही बचाएगी

बैतूल के गांव में रहने वाले किशोरी लाल से पीएम मोदी ने पूछा कि आपने भी वैक्सीन पर फैलाए जा रहे भ्रम के बारे में सुना है क्या? किशोरी लाल ने जवाब दिया कि रिश्तेदार बताते हैं कि कोरोना वैक्सीन लगवाने के बाद लोगों की मौत हो जाती है। इस पर मोदी ने कहा कि इन अफवाहों पर ध्यान नहीं देना। हमें जिंदगी बचानी है, लोगों को बचाना है, देश को बचाना है। यह बीमारी बहरूपिए की तरह है। यह रंग रूप बदलकर हमला करती है। उन्होंने आगे कहा कि वैक्सीन हमारा हथियार है। हमारे वैज्ञानिकों ने बड़ी मेहनत करके वैक्सीन बनाई है। इस अभियान में माताओं-बहनों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जोड़ना चहिए।

बारिश के पानी से सुधरता है जलस्तर

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में बारिश के पानी के सरंक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बारिश का पानी जमीन के जलस्तर को सुधारता है। इसलिए मैं जल संरक्षण को देश सेवा का ही एक रूप मानता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है, नास्ति मूलम् अनौषधम्, अर्थात पृथ्वी पर ऐसी कोई वनस्पति ही नहीं है, जिसमें कोई न कोई औषधीय गुण न हो। सतना के रामलोटन कुशवाहा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने अपने खेत में एक देशी म्यूजियम बनाया है। वहां उन्होंने सैकड़ों औषधीय पौधों और बीजों का संग्रह किया है।

डॉक्टरों के योगदान के हम सब आभारी

मोदी ने कहा कि 1 जुलाई को हम नेशनल डॉक्टर्स डे मनाएंगे। यह दिन देश के महान चिकित्सक और स्टेट्समैन, डॉक्टर बीसी राय की जन्म जयंती को समर्पित है। कोरोना-काल में डॉक्टर्स के योगदान के हम सब आभारी हैं। मोदी ने कहा कि श्रीनगर की डल झील में एक बोट एंबुलेंस सर्विस की शुरूआत की गई है। ये अच्छी पहल है। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर उन्होंने कहा कि मैंने कुछ वर्ष पहले देश के चार्टड अकाउंटेंट्स से, ग्लोबल लेवल की भारतीय ऑडिट फर्म्स का उपहार मांगा था। आज मैं उन्हें इसकी याद दिलाना चाहता हूं। मोदी ने सरकार में सचिव रहे गुरु प्रसाद महापात्रा को भी याद किया। पीएम ने कहा कि कभी-ना-कभी ये विश्व के लिए केस स्टडी का विषय बनेगा कि भारत के गांव के लोगों, हमारे वनवासी-आदिवासी भाई-बहनों ने इस कोरोना काल में किस तरह अपने सामर्थ्य और सूझबूझ का परिचय दिया। गांव के लोगों ने क्वारंटीन सेंटर बनाए, स्थानीय जरूरतों को देखते हुए कोविड प्रोटोकॉल बनाए।जल सरंक्षण को लेकर पीएन ने कहा कि हमारे देश में अब मानसून का सीजन भी आ गया है। बादल जब बरसते हैं तो केवल हमारे लिए ही नहीं बरसते बल्कि बादल आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बरसते हैं। बारिश का पानी जमीन में जाकर इकठ्ठा होता है,जमीन के जलस्तर को भी सुधारता है इसलिए मैं जल सरंक्षण को देश सेवा का एक ही रूप मानता हूं। इस बार पीएम ने मन की बात को रोचक अंदाम में शुरू किया । उन्होंने कहा कि अक्सर 'मन की बात' में, आपके प्रश्नों की बौछार रहती है । इस बार मैंने सोचा कि कुछ अलग किया जाए, मैं आपसे प्रश्न करूँ ।÷ उन्होने ओर्कपिक गेम्स को लेकर जनता से प्रश्न किए उसके बाद बताया कि कुछ दिन पहले कोरोना ने प्रसिद्ध एथलीट मिल्खा सिंह को हमसे छीन लिया। जब वे अस्पताल में थे, तो मुझे उनसे बात करने का अवसर मिला था। बात करते हुए मैंने उनसे आग्रह किया था कि आपने तो 1964 में टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था इसलिए इस बार जब हमारे खिलाड़ी ओलंपिक के लिए टोक्यो जा रहे हैं तो आपको हमारे एथलीट का मनोबल बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने मन की बात में कहा कि एक साल पहले सबके समाने सवाल था कि वैक्सीन कब आएगी? आज हम एक दिन में लाखों लोगों को मेड इन इंडिया वैक्सीन मुफ्त में लगा रहे हैं। यही तो नए भारत की नई ताकत है।प्रधानमंत्री ने कहा कि टोक्यो जा रहे हर खिलाड़ी का अपना संघर्ष रहा है, बरसों की मेहनत रही है। वो सिर्फ अपने लिए ही नहीं जा रहे हैं बल्कि देश के लिए जा रहे हैं। इन खिलाडियों को भारत का गौरव भी बढ़ाना है और लोगों का दिल भी जीतना है। पीएम ने डॉक्टरों के साथ सीए पर भी बात कर उन्होने अपने कार्यक्रम में कहा कि अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट बहुत अच्छी और सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं ।

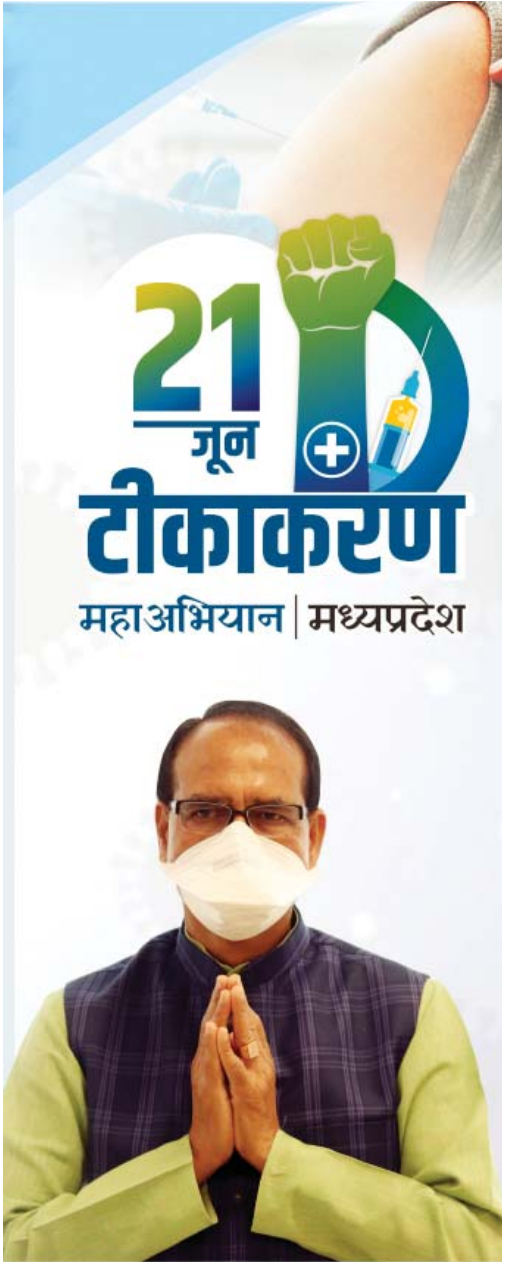

मध्यप्रदेश ने देश में बनाया टीकाकरण का नया रिकार्ड

टीकाकरण महा-अभियान में मध्यप्रदेश में 15 लाख 43 हजार से अधिक लोग कोरोना का टीका लगवा चुके हैं। यह देश में अब तक का एक दिन में लगाये गये टीकों का रिकार्ड है। विभिन्न टीकाकरण केन्द्रों में अभी भी टीकाकरण जारी है। टीकाकरण महा-अभियान में 10 लाख लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। प्रत्येक जिले के लिये लक्ष्य निर्धारित किये गये थे। लगभग सभी जिलों में लक्ष्य से अधिक टीकाकरण किया गया। टीकाकरण का यह रिकार्ड मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई लगातार अपील और विभिन्न वर्ग के लोगों से संवाद और उसमें मिले व्यापक जन-सहयोग के कारण ही संभव हुआ है। मध्यप्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर पर काबू पाने में जन-भागीदारी का जो मॉडल लागू किया गया था, आज का रिकार्ड भी उसी मॉडल की कामयाबी में एक मील का पत्थर है। इस अभियान में मंत्री-मण्डल के सदस्यों के साथ ही सभी जन-प्रतिनिधि, धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, कोरोना वॉलेंटियर्स और गणमान्य नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीकाकरण केन्द्रों में टीका लगवाने के लिये आने वाले लोगों का स्वागत किया गया। उन्हें कोरोना से बचाव के लिये जरूरी उपाय करने का संकल्प दिलाया गया।

अब तक मप्र में लगे 2 करोड़ टीके

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो ग्वालियर

देश के दिल मध्य प्रदेश में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 2 करोड़ पार पहुंच गया है मप्र में 2 करोड़ 1 लाख 6995 वैक्सीन के डोज लग गए थे। इसमें फर्स्ट डोज 1 करोड़ 77 लाख 25 हजार 546 एवं सेकेंड डोज 23 लाख 81 हजार 449 शामिल है। प्रदेश में इंदौर अव्वल है, जबकि दूसरे नंबर पर भोपाल है। मध्य प्रदेश में 16 जनवरी-21 को वैक्सीनेशन शुरू हुआ था। 2 करोड़ का आंकड़ा पार करने में मप्र को 164 दिन लगे। औसतन 1.22 लाख डोज हर रोज लगे। 21 से 28 जून के बीच ही 51 लाख डोज लगाए गए, जो कुल आंकड़े का करीब 25त्न है। मध्य प्रदेश में 18 साल से ऊपर के कुल 5 करोड़ 26 लाख लोगों को वैक्सीन के 2-2 डोज लगने हैं। इस तरह 10 करोड़ 52 लाख डोज लगाए

जाएंगे। इसमें से 2 करोड़ से अधिक डोज लगाए जा चुके हैं। अब भी करीब 8 करोड़ 52 लाख डोज लगना शेष है। मध्य प्रदेश में 21 जून को महा अभियान की शुरुआत की गई थी। पहले दिन 17.42 लाख, 23 जून को 11.59 लाख, 24 जून को 7.33 लाख वैक्सीन लगाई गई थी। इसके चलते स्क्कलगातार तीसरे दिन देश में नंबर-1 रहा था। 21 जून के रिकॉर्ड वैक्सीनेशन को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया गया था। 20 जून तक स्क्कमें 1 करोड़ 49 लाख 46 हजार 587 डोज लगाए गए थे। इसके बाद 28 जून (दोपहर 2.15 बजे तक) आंकड़े में 51 लाख 60 हजार 408 में बढ़ोतरी हो गई।देश् में सबसे ज्यादा टीके महाराष्ट्र में लगे हैं। यहां 3.15 करोड़ डोज लगाए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में भी आंकड़ा 3 करोड़ पार है। इसके बाद राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल है। फिर मध्य प्रदेश का नंबर आता है। डोज खत्म होने से वैक्सीनेशन की रफ्तार भी थम गई है। पिछले दो दिन से प्रदेश में यह स्थिति है। कई सेंटरों पर वैक्सीनेशन बंद करना पड़ा है। वैक्सीनेशन सेंटर कम होने की वजह से लाइनें भी लग रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि को लेकर ट्वीट किया है, उसमें बताया है कि दो करोड़ लोगों को डोज लग चुके हैं ।

कोविड–19 को हराने का एक मात्र शस्त्र टीकाकरण है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

जिले में हुआ है लक्ष्य से ज्यादा टीकाकरण

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो ग्वालियर

ग्वालियर शहर में चिलचिलाती धूम और उमस भरा मौसम के बावजूद वैक्सीन रूपी अमृत कलश की बूंदे लेने के लिए ग्वालियर जिलेवासियों का उत्साह

जरा भी कम नहीं हुआ। जिले में विश्व योग दिवस के लिए कोरोना टीकाकरण महा अभियान का जो लक्ष्य निर्धारित था वह दोपहर 1 बजे तक ही पूरा हो गया। वह उपलब्धि वरिष्ठ जागरूकता के लिए जनप्रतिनिधि गण सहित सभी के साझा प्रयासों और जिला प्रशासन की कुशल रणनीति की बदौलत संभव हुआ है। ग्वालियर वैश्विक महामारी कोविड-19 को हराने का एक मात्र शस्त्र टीकाकरण है। इसे स्वयं भी लगवाएं और अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण कराने हेतु प्रेरित करें। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कोरोना टीकाकरण महाअभियान के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही। सोमवार को ग्वालियर में हजीरा अस्पताल, जिला अस्पताल मुरार तथा प्रसूति गृह लक्ष्मीगंज पहुँचकर टीकाकरण अभियान का श्रीगणेश कराया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि कोविड महामारी हमारे सामने आएगी, ऐसा हमने सोचा भी नहीं था। कोविड संक्रमण की पहली एवं दूसरी लहर में अपनी जान की परवाह किए बिना कोरोना योद्धाओं ने जो अनुकरणीय कार्य किया है, उसके लिये उनकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। चिकित्सक, पैरामेडीकल स्टाफ, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम के अमले ने कोविड के दौरान अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवायें देकर यह सिद्ध किया है कि जब भी कोई विपदा आयेगी तो हम सब एकजुट होकर उसका सामना करेंगे और उसे परास्त भी करेंगे। राज्यसभा सांसद जयोतिरादित्य सिंधिया ने हजीरा अस्पताल, मुरार जिला अस्पताल और लक्ष्मीगंज प्रसूति गृह में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को कोविड से बचाव का संकल्प दिलाया। श्री सिंधिया ने संकल्प का वाचन किया, जिसका सभी लोगों ने अनुसरण किया।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया कलेक्टर, एसपी, एसडीएम को सम्मानित

विश्व योग दिवस पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर आयोजित हुए कोरोना टीकाकरण महा अभियान में जिले को बड़ी सफलता हासिल हुई है। जिले में सोमवार शाम 7 बजे तक लगभग 87 हज़ार लोगों को अमृतमयी कोरोना टीके लगाए गए हैं। इस मंगलमयी सफलता पर जिले के कोविड प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह व पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी को शॉल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमांड सेंटर पहुँचकर एसडीएम श्री एस बी प्रसाद व सभी डाटा एंट्री ऑपरेटर को भी सम्मानित किया और उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए आज रात्रि के भोजन का इंतजाम करने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है ग्वालियर जिले में चुनाव की तर्ज पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा बनाई गई कारगर रणनीति और सभी के साझा प्रयासों से कोरोना टीकाकरण महा अभियान में बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान में जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों सहित वेक्सीनेशन में संलग्न रहे स्वास्थ्य कर्मियों ने अहम भूमिका निभाई है।

जम्मू-कश्मीर में वास्तविक लोकतंत्र लाने के मोदी सरकार के प्रयास रंग लाएंगे

कामयाब रही कश्मीर पर बैठक

प्रधानमंत्री की सर्वदलीय बैठक में वार्ता अच्छे माहौल में हुई। वार्ता में विरोध हुआ, पर कुछ टूटा नहीं, ये केंद्र की बड़ी सफलता है। केंद्र सरकार का जम्मू-कश्मीर पर वार्ता के लिए वहां के 14 नेताओं को जब प्रस्ताव गया था, तो सब आश्चर्यचकित थे। आशंकित थे। अनुमान, अटकलें, अफवाहें खत्म हो गईं। प्रधानमंत्री के साथ जम्मू-कश्मीर के आठ दलों के 14 नेताओं के साथ वार्ता पूरी होते ही जम्मू-कश्मीर में कुछ नया और बड़ा होने की आशंका को विराम मिल गया। प्रधानमंत्री की कश्मीर के 14 नेताओं से बहुत अच्छे वातावरण में बात हुई। नेताओं ने अपनी बात रखी। प्रधानमंत्री ने उनकी बात सुनी। दो साल से बंद बातचीत शुरू हुई। गिले-शिकवे रखे गए। जैसी की उम्मीद थी, ठंडे पड़े रिश्तों से बर्फ पिंघली। सबने साथ-साथ प्रसन्न मुद्रा में फोटो भी खिंचवाई। वार्ता में शामिल अधिकांश नेताओं ने दाव किया कि वार्ता बहुत शानदार रही।

हिन्दुस्तान विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इसमें भाषा, जाति, वर्ण, धर्म, पंथ, रीति-रिवाज, परम्परा, लोक-संस्कृति का वैविध्य भरा पड़ा है, वही इस देश का सबसे बड़ा सौन्दर्य भी है, शक्ति है एवं सशक्त राष्ट्र का आधार भी है। अनेकता में एकता एक राष्ट्रीय ध्वज के नीचे खड़ी रही है, इस संकल्प के साथ कि हम एक हैं, हमारी धरती एक है, धरती के लोग एक हैं, आकाश एक है, हवा, पानी, जीवन एक है। यहीं जनमें हैं, यही मरेंगे। दुर्भाग्य से इसी एकता और अखण्डता को खंडित करने के प्रयास भी होते रहे हैं, ऐसे ही प्रयास जम्मू-कश्मीर की शांति, अमन-चैन एवं विकास को अवरूद्ध करने के भी होते रहे हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से घाटी में अभूतपूर्व शांति एवं सद्भावना का

वातावरण बना है, जो वर्तमान केन्द्र सरकार की सूझबूझ, विवेक एवं दूरगामी सोच का परिणाम है। वार्ता में शामिल सभी नेताओं ने एक सुर में जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग की। पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की। सरकार चाहती भी यहीं थी। सरकार चाहती थी कि वार्ता में आए दल चुनाव कराने की मांग करें। उन्होंने मांग की। सरकार उनके मुख से यही कहलवाना चाहती थी। उनकी चुनाव कराने की मांग आते ही सरकार ने यह कह कर गेंद उनके पाले में डाल दी कि वह भी यही चाहती है। किंतु चुनाव से पहले विधानसभा सीटों का परीसीमन होना है। सरकार इसमें लगी है। सभी दल मिल कर सहयोग करें। इस कार्य को आगे बढ़वाएं ताकि चुनाव जल्दी हो सकें। प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने सभी को आश्वस्त भी किया। कहा कि केंद्र वहां जल्दी से जल्दी चुनाव कराना चाहता है। वहां का विकास चाहता है। उन्होंने सभी दलों से इसमें सहयोग की अपील भी की। परिसीमन कार्य में सहयोग भी मांगा।

मोदी का मेगा कैबिनेट विस्तार

43 मंत्रियों की शपथ; 36 नए चेहरे, इनमें 7 यूपी और 3 गुजरात के जहां अगले साल चुनाव; 7 को प्रमोशन, 12 का इस्तीफा

भारत के इतिहास में पहली बार सबसे बड़ा कैबिनेट विस्तार किया गया सर्वार्थ सिद्धि योग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल के 43 मंत्रियों ने शपथ ली। उस मुहूर्त में, जिसमें किए सभी काम सफल होते हैं। शपथ लेने के लिए 34 ने हिंदी को और 9 ने अंग्रेजी भाषा को चुना। डेढ़ घंटे चले शपथ ग्रहण में 36 नए मंत्रियों ने शपथ ली। नए मंत्रियों में सबसे ज्यादा 7 उत्तर प्रदेश और फिर 3 गुजरात से हैं। दोनों ही राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मौजूदा मंत्रियों में से 7 को प्रमोट किया गया है।

मोदी ने इन्हें प्रमोट किया

अनुराग ठाकुर, जीके रेड्डी, मनसुख मंडाविया, किरन रिजिजू, आरके सिंह, हरदीप सिंह पुरी और पुरषोत्तम रूपाला को प्रमोशन मिला है। ये सभी 7 राज्य मंत्री थे, इन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

36 नए मंत्रियों में से उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 7, गुजरात से 3

उत्तर प्रदेश से 7 मंत्री– अनुप्रिया पटेल, पंकज चौधरी, भानुप्रताप सिंह वर्मा, सत्यपाल सिंह बघेल, कौशल किशोर, बीएल वर्मा और अजय कुमार

गुजरात से 3 मंत्री– दर्शना विक्रम जरदोश, देवसिंह चौहान और महेंद्र भाई मुंजापारा

कर्नाटक से 4 मंत्री– राजीव चंद्रशेखर, शोभा करंदलाजे, ए नारायण स्वामी और भगवंत खुबा

महाराष्ट्र– से 4 मंत्री– नारायण राणे, कपिल पाटिल, भगवत कृष्ण राव कराड़ और भारती प्रवीण पवार

पश्चिम बंगाल से 4 मंत्री– सुभाष सरकार, शांतनु ठाकुर, जॉन बारला और निशीथ प्रामाणिक

बिहार से 2 मंत्री– पशुपति कुमार पारस और आरसीपी सिंह

मध्यप्रदेश से 2 मंत्री– ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीरेंद्र कुमार

ओडिशा से 2 मंत्री– अश्विनी वैष्णव और विश्वेश्वर टुडू

असम से 1 मंत्री– सर्बानंद सोनोवाल

राजस्थान से 1 मंत्री– भूपेंद्र यादव

दिल्ली से 1 मंत्री– मीनाक्षी लेखी

झारखंड से 1 मंत्री– अन्नपूर्णा देवी

उत्तराखंड से 1 मंत्री– अजय भट्ट

मणिपुर से 1 मंत्री– राजकुमार रंजन सिंह

त्रिपुरा से 1 मंत्री– प्रतिमा भौमिक

तमिलनाडु से 1 मंत्री– एल मुरुगन

अब टीम मोदी में 11 महिलाएं, 7 नए मंत्री 7 राज्यों से

मोदी टीम में अब सबसे ज्यादा महिलाएं हैं। उत्तर प्रदेश से अनुप्रिया पटेल, कर्नाटक से शोभा करंदलाजे, गुजरात से दर्शना विक्रम जरदोश, दिल्ली से मीनाक्षी लेखी, झारखंड से अन्नपूर्णा देवी, ओडिशा से प्रतिमा भौमिक, महाराष्ट्र से भारती प्रवीण पवार ने शपथ ली। कैबिनेट में पहले से ही 4 महिला मंत्री हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी, खाद्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और आदिवासी मामलों की राज्य मंत्री रेणुका देवी हैं। नए और पुराने को मिलाकर मंत्रिमंडल में 11 महिलाएं हो गई हैं।

मोदी कैबिनेट विस्तार में दिखी यूपी चुनाव की झलक

दलित और ओबीसी पर फोकस, 7 चेहरों को मिली जगह

मोदी मंत्रिमंडल के विस्तार में अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनावों पर फोकस किया गया है। यूपी से सबसे ज्यादा सात नेताओं का नाम शामिल है। प्रदेश के 7 सांसदों को नए मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। इनमें 6 लोकसभा के सदस्य हैं तो वहीं एक राज्यसभा के भी सदस्य शामिल हैं।ओबीसी और एससी पर भी फोकस किया गया है। नए चेहरों में आगरा से सांसद एसपी सिंह बघेल, लखीमपुर खीरी से सांसद अजय मिश्र

टेनी, राज्यसभा सांसद बीएल वर्मा, मोहनलालगंज से सांसद कौशल किशोर, जालौन से सांसद भानु प्रताप सिंह वर्मा, बीजेपी की सहयोगी अपना दल की मिर्जापुर की सांसद अनुप्रिया पटेल, महाराजगंज से छठी बार सांसद बने पंकज चौधरी का नाम शामिल है। विस्तार में चुनाव से पहले जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। प्रो. एसपी सिंह बघेल चौथी बार लोकसभा के सदस्य 2019 में चुने गए थे, और एक बार राज्यसभा के भी सदस्य रह चुके हैं। 2017 में टूंडला सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बने और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे, लेकिन 2019 में बीजेपी ने उन पर भरोसा जताते हुए आगरा से लोकसभा का टिकट दिया और वह चुनाव जीतकर सांसद बने। बी एल वर्मा बीजेपी के बहुत पुराने कार्यकर्ता हैं और संगठन के माहिर माने जाते हैं। 2017 में जब बीजेपी सत्ता में आई तो उसके बाद उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाते हुए बीएल वर्मा को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया। फिर बीते साल हुए राज्य सभा के चुनाव में बीजेपी के उम्मीदवार के तौर पर वह निर्विरोध राज्य सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। हाल ही में बीजेपी ने उन्हें ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है।

पहली बार केंद्र में एक साथ दो मंत्री का संयोगः जो दायित्व पिता पर था, वही ज्योतिरादित्य को मिला, तोमर पर 'कृषि' बरकरार

ग्वालियर-चंबल संभाग की राजनीति में यह पहला मौका है, जब केंद्र सरकार में एक ही शहर से दो मंत्री हो गए हैं। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद राज्यसभा सदस्य चुने गए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में हुए पहले विस्तार में कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली, जबकि नरेंद्र सिंह तोमर पहले से ही कैबिनेट मंत्री है। एक संयोग यह भी है कि सिंधिया इससे पहले डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में पहले राज्यमंत्री और फिर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रह चुके हैं। सिंधिया परिवार के मुखिया के तौर पर वे पहले ऐसे सदस्य हैं, जो गैर कांग्रेसी सरकार में मंत्री बने हैं। देश को अटलबिहारी वाजपेयी जैसा प्रधानमंत्री देने वाले ग्वालियर-चंबल संभाग के साथ यह संयोग भी जुड़ा है कि केंद्रीय मंत्री तोमर और सिंधिया का गृहक्षेत्र भी ग्वालियर है और वे यहीं के मतदाता है। तोमर का निर्वाचन क्षेत्र भले ही मुरैना है पर उनका गृहक्षेत्र उपनगर मुरार और मतदान केंद्र शासकीय उमावि मुरार क्रमांक-2 हैं। वहीं अब तक गुना-शिवपुरी क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे सिंधिया का मतदान केंद्र फूलबाग जलविहार में स्थित एएमआई शिशु मंदिर है। वहीं मोदी कैबनेट में तोमर का कृषि मंत्रालय उनके पास ही रहा। ग्वालियर-चंबल संभाग से केंद्र सरकार में प्रतिनिधित्व करने का मौका सबसे पहले माधवराव सिंधिया को मिला था। 1984 में ग्वालियर संसदीय सीट से चुनाव जीते सिंधिया को राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकार में पहले राज्यमंत्री और फिर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में कार्य करने का मौका मिला। इसके बाद 1991 में पीवी नरसिंहाराव के नेतृत्व वाली सरकार में वे कैबिनेट मंत्री रहे।

दूसरा मौका ज्योतिरादित्य को मिला

एक विमान हादसे में माधवराव सिंधिया का निधन होने के बाद उनकी राजनीतिक विरासत ज्योतिरादित्य ने संभाली। गुना-शिवपुरी सीट से चुनाव जीतकर 2002 में सांसद बने

ज्योतिरादित्य को डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में पहले राज्यमंत्री और बाद में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की जिम्मेदारी मिली। इस बार उन्हें वही मंत्रालय मिला है, जो कभी उनके पिता ने संभाला था।

मोदी की पहली कैबिनेट में ही मंत्री बने तोमर

भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह तोमर इस मामले में अपवाद रहे। ग्वालियर संसदीय सीट से निर्वाचित होकर संसद में पहुंचे तोमर को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के पहले कार्यकाल 2014 में सीधे कैबिनेट मंत्री बनने का मौका मिला। इसके बाद 2019 में वे मुरैना से चुनाव जीते और दूसरी बार केंद्र में कैबिनेट मंत्री हैं। वहीं तोमर कृषि मंत्री बने रहेंगे, जबकि पंचायतीराज, फूड प्रोसेसिंग और ग्रामीण विकास विभाग उनसे ले लिया गया है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने चिराग और कांग्रेस पर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा है कि केंद्र में कांग्रेस के बिना भाजपा के खिलाफ कोई मजबूत मोर्चा संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को साथ लेकर ही भाजपा के खिलाफ विपक्षी विकल्पों की कल्पना की जा सकती है। देश में करीब 200 लोकसभा सीटें हैं जहां कांग्रेस विपक्ष में हैं। नेता का निर्णय हम मिलकर तय कर लेंगे। इसके साथ ही उन्होने लोजपा को लेकर कहा कि यदि इस नीति पर चला है तो चिराग पासवान को गठबंधन के लिए फैसला लेना होगा।

बिहार में क्या हाथ मिलाएंगे तेजस्वी और चिराग?

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) ने बिहार एनडीए से अलग होकर खुद के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का फैसला किया था, जिससे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) का भारी नुकसान हुआ था। वहीं, चिराग को 143 सीटों पर उतारे गए उम्मीदवारों में से मात्र एक सीट जीत पाएं वो विधायक भी अब नीतीश के पाले में जा चुके हैं हालांकि, भले हीं, चिराग पासवान को मात्र एक सीट नसीब हुई हो। लेकिन, उनके वोट बैंक में बढोतरी ने पार्टी को गदगद कर दिया। फिलहाल चिराग पासवान पार्टी के भीतर सांसद और चाचा पशुपति पारस गुटों द्वारा बगावत की वजह से उपजे हालात को संभालने में लगे हैं लेकिन, रार दिन-पर-दिन बढ़ती जा रही है। इन सब के बीच चिराग पासवान को कलह की शुरूआत के दिन से हीं बिहार की विपक्षी पार्टी आरजेडी का समर्थन मिल रहा है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की अगुवाई वाली महागठबंधन की तरफ से उन्हें साथ आने का खुला न्योता मिल रहा है।

आरजेडी एलजेपी के अध्यक्ष चिराग पासवान को अपने साथ लाने की कोशिश में जुटी हुई है। तेजस्वी ने खुले तौर पर इसका आमंत्रण चिराग को दिया है कि वो महागठबंध का साथ दें। आरजेडी का यह भी दांवा है कि एनडीए की अगुवाई वाली नीतीश सरकार कुछ महीनों की मेहमान है।

बीते दिनों मीडिया से बातचीत में बीते दिनों राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा था कि यदि चिराग तेजस्वी का साथ देते हैं तो उनका खुले दिल से स्वागत है। साथ हीं, आउटलुक के साथ बातचीत में तिवारी ने ये भी दावा किया था कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बस कुछ महीनों की है। घटक दल हम और वीआईपी दोनों- नीतीश के रवैये से नाखुश हैं और मांझी-साहनी तेजस्वी के संपर्क में हैं। दरअसल, तेजस्वी की इस साथ लाने वाली रणनीति के पीछे बिहार की जातिगत राजनीति और उस पर टिके वोट बैंक का खेल है। गत वर्ष हुए बिहार विधानसभा चुनाव में एलजेपी को लगभग 6 फीसदी और संख्या में 26 लाख वोट मिले थे। वहीं, चिराग ने नीतीश का भी वोट जमकर काटा था। जिसका

परिणाम ये हुआ कि नीतीश कुमार बड़े भाई की भूमिका से छोटे भाई की भूमिका में आ गएं। उनकी पार्टी को महज 43 सीटें मिली थी जबकि भाजपा को 74 और तेजस्वी की अगुवाई वाली पार्टी राजद को सबसे अधिक 75 सीटें मिली थी। महागठबंधन को बहुमत 122 के मुकाबले 110 सीटें मिली थी जबकि एनडीए के खाते में 125 सीटें गई थी।

भले ही तेजस्वी चिराग पर डोरे डाल रहे हों लेकिन, चिराग की तरफ से अभी तक ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं। उनका कहना है कि वो एनडीए में बने रहेंगे। साथ ही वो नीतीश के साथ दुबारा जाने को भी राजी नहीं हैं। हालांकि, लगातार वो बीजेपी की चुप्पी को लेकर हमलावर हैं। चिराग का आरोप है कि पशुपति पारस गुटों के बगावत के पीछे नीतीश कुमार का हाथ है और बीजेपी के वरिष्ठ आलाकमानों ने चुप्पी साध रखी है। एक और चाल चलते हुए राजद ने तय किया है कि 5 जुलाई को उनकी पार्टी रामविलास पासवान की जयंती मनाएगी। उल्लेखनीय है कि 5 जुलाई की तारीख राजद के लिए भी खास है। वो इसलिए क्योंकि इस दिन राजद का भी 25वां स्थापना दिवस है और इसी दिन रामविलास पासवान का जन्मदिन भी है। ऐसे में राजद ने फैसला किया है कि स्थापना दिवस के कार्यक्रम से पहले रामविलास पासवान की जयंती मनाई जाएगी। वहीं, चाचा पशुपति कुमार पारस गुट और चिराग पासवान खेमे के बीच कुर्सी को लेकर लोक जनशक्ति पार्टी के भीतर खींचातानी जारी है। चिराग पासवान 5 जुलाई को हाजीपुर से आशीर्वाद यात्रा पर निकलने वाले हैं। हाजीपुर दिवंगत रामविलास पासवान का गढ़ माना जाता रहा है। अब ये लोकसभा क्षेत्र बागी चाचा पशुपति पारस का है। आशीर्वाद यात्रा के दौरान चिराग बिहार के सभी जिलों का दौरा करेंगे और ये संदेश देने की कोशिश होगी कि रामविलास पासवान की राजनीतिक विरासत के असली उत्तराधिकारी वो खुद हैं। माना जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान चिराग अपने दलित वोट बैंक को भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

योगी के नेतृत्व में ही होगें विधानसभा चुनाव

उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी आलाकमान ने बिसात बिछाना शुरू कर दी है। कौन होगा मुख्यमंत्री पद का दावेदार ? इस 'रहस्य' से पर्दा लगभग हट चुका है। 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही बीजेपी की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, लेकिन इसको लेकर कुछ बीजेपी नेता संशय भी बढ़ा रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम बीजेपी के पिछड़ा समाज से आने वाले नेता केशव प्रसाद मौर्य का है जो 2017 चुनाव के समय संगठन की कमान संभाले हुए थे और सीएम पद के सबसे बड़े दावेदार बने हुए थे, लेकिन नतीजे आने के बाद केन्द्र ने योगी के हाथ सत्ता की चाबी सौंप दी।

दिल्ली दौरे पर गए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तब थोड़ा नरम पड़े जब उन्हें इस बात का अहसास करा दिया गया 2022 के विधानसभा चुनाव उनकी अगुवाई में ही होंगे। वह ही स्टार प्रचारक होंगे और वह ही भावी सीएम भी रहेंगे। उधर पार्टी सूत्रों का कहना है कि वह 2014 के लोकसभा व 2017 के विधानसभा चुनाव फॉमूले पर मैदान में उतरेगी। इन दोनों चुनावों में पार्टी ने हिंदुत्व और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर चुनाव लड़ा था। पार्टी सामूहिक नेतृत्व का भी संदेश देगी। इसके तहत क्षेत्र विशेष में जाति विशेष के कद्दावर नेताओं को चुनाव प्रचार में अहमियत दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर के अलावा कई अन्य कारणों से प्रदेश के लोगों में नाराजगी है हालांकि, यह नाराजगी अभी किसी प्रतिद्वंद्वी दल के प्रति प्रेम में नहीं बदली। नाराजगी दूर करने और अपनी पकड़ कायम रखने के लिए पार्टी और सरकार के स्तर पर जल्द ही बड़ा अभियान छेड़ने की तैयारी है।उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी चुनावी मोड में आ गई है। राज्य में हुए पिछले दो लोकसभा और 2017 के विधान सभा चुनाव में बीजेपी को शानदार जीत दिलाने के रणनीतिकार और तब के पार्टी अध्यक्ष अमित शाह के कंधों पर इस बार भी यूपी में भाजपा का बेड़ा पार करने की जिम्मेदारी डाली गई है। इसी लिए चार साल तक जो कुछ यूपी में चलता रहा, उससे आगे बढ़कर पार्टी आलाकमान ने सोचना शुरू कर दिया है। चुनावी साल में वोट बैंक मजबूत करने के लिए पुराने साथियों को मनाया जा रहा है तो पार्टी के नाराज नेताओं/कार्यकर्ताओं को भी उनकी 'हैसियत' के हिसाब से 'ईनाम' देने की तैयारी कर ली गई है। लम्बे समय से खाली पड़े तमाम आयोगों-बोर्डों

आदि के पद भरे जाएंगे तो कुछ नेताओं को पार्टी में पद देकर नवाजा जाएगा। दिल्ली में मोदी, अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ ऐसे कदम उठाने को तैयार हो गए हैं जिससे मिशन-2022 को पूरा करने में कोई अड़चन नहीं आए। कहा यह भी जा रहा है कि कुछ शर्तों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रिमंडल का विस्तार भी करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा जिससे योगी का कद छोटा होता दिखे और विपक्ष को घेरने का मौका मिल जाए। अगर यह कहा जाए कि योगी का दिल्ली दौरा उनके लिए काफी सफल रहा तो इसमें कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली दौरे पर गए योगी तब थोड़ा नरम पड़े जब उन्हें इस बात का अहसास करा दिया गया 2022 के विधानसभा चुनाव उनकी अगुवाई में ही होंगे। वह ही स्टार प्रचारक होंगे और वह ही भावी सीएम भी रहेंगे। आलाकमान से इस तरह के आश्वासन मिलने के बाद ही योगी अपने मंत्रिमंडल में कुछ बदलाव करने पर सहमत हुए। वहीं प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी शान में कसीदे पढ़ते दिखे। योगी और पार्टी आलाकमान के बीच आशंकाओं के बादल छंटे तो पार्टी के भीतर से 'ऑल इस वैल' की गूंज सुनाई पड़ने लगी। करीब आधा दर्जन नये मंत्री बनाए जा सकते हैं।

पंचायत चुनावों: विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को बूस्टर डोज, 75 में से 67 सीटों पर जमाया कब्जा

यूपी जिला पंचायत चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। माना जा रहा है कि यूपी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को बूस्टर डोज मिली है। 2015 में यूपी की आधी से ज्यादा सीटों पर राज करने वाली सपा को करारा झटका लगा है। भाजपा ने कांग्रेस और सपा की गढ़ कहे जाने वाले जिलों भी सेंधमारी की है। सोनिया गांधी की ससंदीय सीट रायबरेली और सपा के मैनपुरी जिले में भी भाजपा ने अपना परचम फहराया है। जिला पंचायत चुनाव परिणाम को 2022 के विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। वेस्ट यूपी में भी एक सीट को छोड़कर 13 जिलों में विपक्ष पूरी तरफ से साफ हो गया। यहां भी भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। बागपत में रालोद ने कब्जा बरकरार रखा। 75 में से 67 भाजपा, पांच सपा, एक-एक लोकदल और जनसत्ता दल ने सीट जीती। वहीं एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई है। बलिया और एटा में सपा उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। आजमगढ़ में सपा की एक तरफा जीत हुई है। वहीं बुंदेलखंड की सात सीटों में से तीन पर चुनाव हुआ। चार पहले ही निर्विरोध जीतकर भाजपा के खाते में चली गईं। शेष तीन पर भी भाजपा ने चुनाव जीतकर बाजी मार ली।

जिला पंचायत चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर सीएम योगी ने बधाई दी है। 75 में से 67 सीटों पर भाजपा की जीत पर सीएम योगी ने कहा कि यह जीत पार्टी की बड़ी उपलब्धि है। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी भाजपा की इस जीत को ऐतिहासिक जीत बताया। उन्होंने कहा कि सपा ने इन चुनावों में जीतने के लिए अपने गुंडों और माफियाओं को सत्ता से हटा दिया है, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। डिप्टी सीएम ने ट्वीट कर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं जिला पंचायत सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी भाजपा की जीत को 2022 की जीत बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 75 जिला पंचायत अध्यक्ष सीटों से 67 सीटों पर जीत हासिल की है। हम 2022 का विधानसभा चुनाव भी जीतेंगे।

पूर्वांचल में भी सपा पर भारी पड़ी भाजपा, आधी से ज्यादा सीटों पर कब्जा

जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में पूर्वांचल में भी सपा पर भाजपा भारी पड़ी है। आधी से ज्यादा सीटों पर उसका कब्जा हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के संसदीय क्षेत्रों वाराणसी और आजमगढ़ समेत दस जिला पंचायत अध्यक्ष की सीटों में से 6 सीटें बीजेपी और उसकी सहयोगी अपना दल के पाले में आ गई हैं। सपा को केवल दो सीटों बलिया और आजमगढ़ में जीत मिली है। दो सीटों पर निर्दल जीते हैं। भदोही में भाजपा विधायक रविंद्र त्रिपाठी के भाई और जौनपुर में जीते निर्दल प्रत्याशियों के भाजपा में धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला को जीत मिली है। इन दोनों के भी भाजपा में शामिल हो जाने की उम्मीद जताई जा रही है। वाराणसी और मऊ में पहले ही भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध चुने जा चुके थे। शनिवार को मिर्ज़ापुर, गाजीपुर, चंदौली और सोनभद्र बीजेपी गठबंधन ने जीत ली।

जिला पंचायत चुनाव में भाजपा ने विपक्षियों को धूल चटा दी है। भाजपा ने ब्रज में भी अपना परचम फहरा दिया है। यहां की 6 सीटों में से 5 पर भाजपा ने जीत दर्ज की। 5 सीटों में से एक जीत निर्विरोध दर्ज हुई थी। वहीं एक सीट सपा के खाते में गई। मथुरा में भाजपा के किशन चौधरी ने रालोद-सपा के संयुक्त प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सिकरवार को 11 मतों से हराया। यहां कुल सदस्यों की संख्या 33 थी। फिरोजाबाद में दिन भर चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद भाजपा की हर्षिता सिंह को जीता घोषित किया गया। उन्होंने सपा की रुचि यादव को 8 वोटों से हराया। यहां कुल सदस्यों की संख्या 33 थी। इनमें से हर्षिता सिंह को 19, रुचि को 11 वोट मिले और 3 वोट निरस्त घोषित किए गए। निरस्त मतों में भाजपा के दो और सपा का एक मत है।

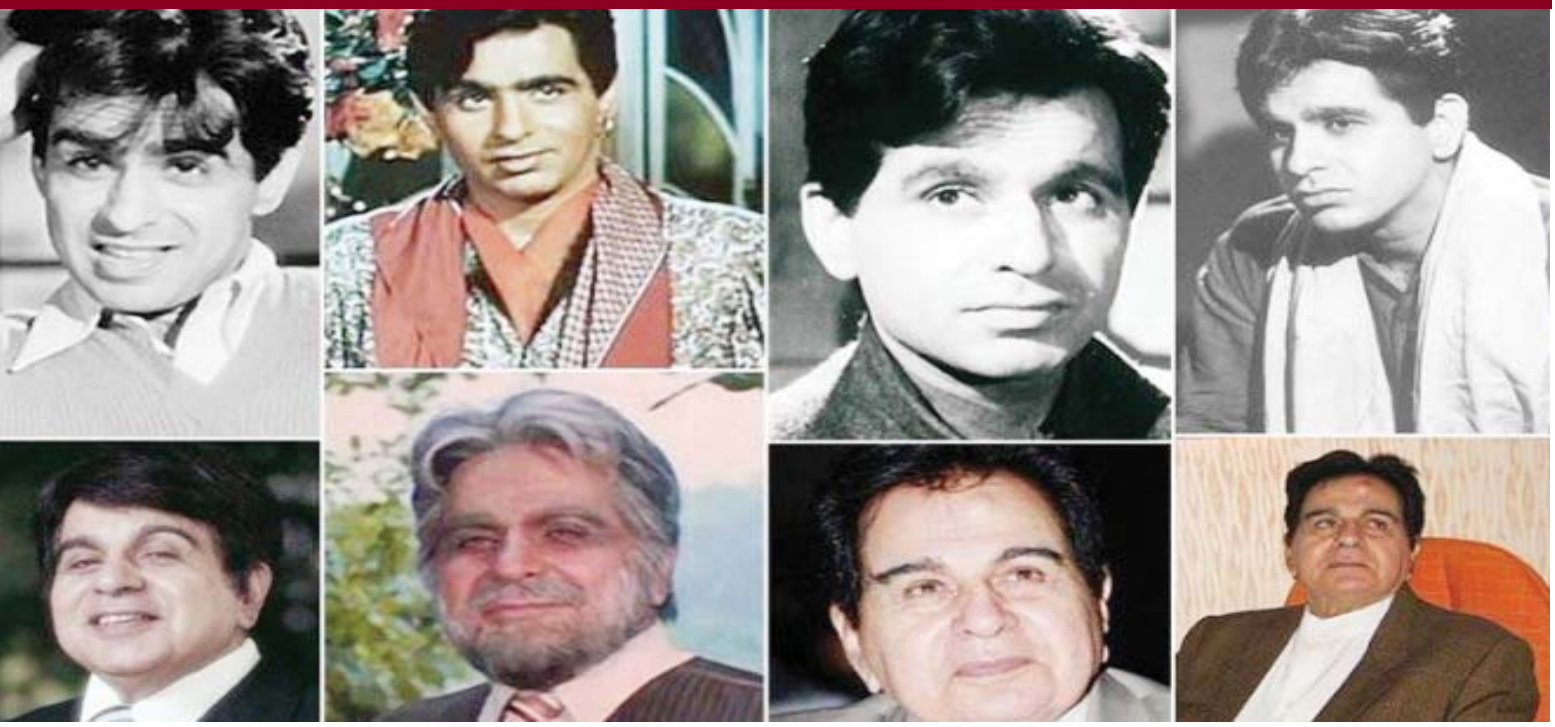

सिनेमा जगत के दिग्गज अभिनेता थे दिलीप कुमार

जाने-माने अभिनेता दिलीप कुमार का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया उनके परिवार के सदस्यों और उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। दिलीप कुमार 98 वर्ष के थे। अभिनेता दिलीप कुमार के निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गयी हैं। खेल, उद्योग, राजनीतिक सहित हर तरफ से अभिनेता के निधन पर अपनी संवेदना दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिलीप कुमार के निधन पर शोक जताया और कहा कि उनका जाना हमारे सांस्कृतिक जगत के लिए नुकसान है। मोदी ने ट्वीट किया, ''दिलीप कुमार जी को सिनेमा जगत के दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। वह एक अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे और इस वजह से सभी पीढ़ियों के दर्शकों के चहेते थे। उनका निधन हमारी सांस्कृतिक दुनिया के लिए नुकसान है। उनके परिवार, मित्रों और असंख्य चाहने वालों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'' राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के निधन पर बुधवार को शोक जताते हुए कहा कि वह भारत के हृदय में हमेशा रहेंगे। दिलीप कुमार का जन्म 11 दिसंबर 1922 को उनके परिवार के घर पेशावर, ब्रिटिश भारत के किस्सा ख्वानी बाजार इलाके में हुआ था, जो लाला गुलाम सरवर खान और उनकी पत्नी आयशा बेगम के बारह बच्चों में से एक थे। उनके पिता एक फल व्यापारी थे, जो उस समय पेशावर में और बाद में नासिक के पास देवलाली में बागों के मालिक थे। दिलीप कुमार की स्कूली शिक्षा बार्न्स स्कूल, देवलाली, नासिक में हुई थी। वह उसी धार्मिक रूप से मिश्रित पड़ोस में पले-बढ़े, जहां राज कपूर, उनके बचपन के दोस्त और बाद में फिल्म उद्योग में उनके सहयोगी थे दिलीप कुमार का असली नाम मोहम्मद यूसुफ खान था। सिनेमा जगत में आने के बाद उन्हें दिलीप कुमार के नाम से जाना जाने लगा। दिलीप कुमार भारतीय अभिनेता, फिल्म निर्माता और

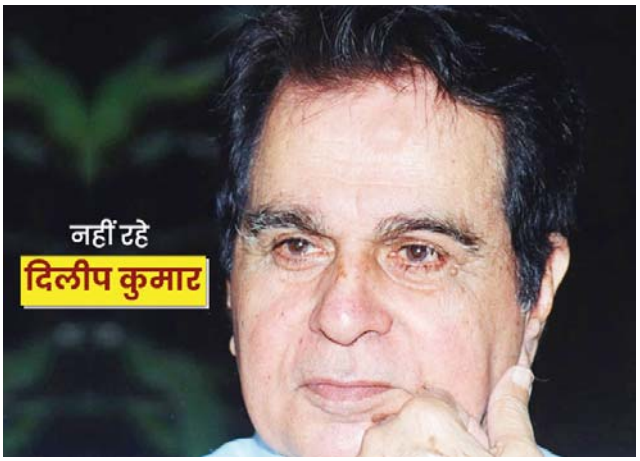

परोपकारी व्यक्ति थे, जो हिंदी सिनेमा में अपने शानकाद अभिनय के लिए जाने जाते है। जिस तरह से बॉलीवुड में खान का बोलबाला है उस कड़ी में दिलीप कुमार सिनेमा के सबसे पहले खान है इस लिए उन्हें ÷द फर्स्ट खान÷ कहा जाता है। सिनेमा में एक अलग तरह की अभिनय तकनीक लाने का श्रेय दिया गया है। कुमार के पास सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए सर्वाधिक जीत का रिकॉर्ड है और वह इस पुरस्कार के उद्घाटन प्राप्तकर्ता भी थे। हिंदी फिल्मों के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में गिने जाने वाले दिलीप कुमार ने 1944 में 'ज्वार भाटा' फिल्म से अपने कॅरियर की शुरुआत की थी और अपने पांच दशक लंबे कॅरियर में 'मुगल-ए-आजम', 'देवदास', 'नया दौर' तथा 'राम और श्याम' जैसी अनेक हिट फिल्में दीं। वह आखिरी बार 1998 में आई फिल्म 'किला' में नजर आए थे 1976 में दिलीप कुमार ने फिल्मों से पांच साल का ब्रेक लिया और ब्रेक के बाद 1981 में फिल्म क्रांतिसे वापसी की। इसके बाद उन्होंने शक्ति, मशाल, कर्मा, सौदागर जैसी फिल्मों में प्रमुख भूमिका निभाते हुए अपना करियर जारी रखा। दिलीप कुमार का अभिनेत्री मधुबाला के साथ एक लंबा रिश्ता था लेकिन उन्होंने कभी उनसे शादी नहीं की। उन्होंने 1966 में अभिनेत्री सायरा बानो से शादी की। वह भारत में महाराष्ट्र राज्य में मुंबई के एक उपनगर बांद्रा में अपनी पत्नी के साथ रहते थे।दिलीप कुमार को व्यापक रूप से हिंदी सिनेमा के इतिहास में सबसे महान अभिनेताओं में से एक माना जाता है। उनके नाम एक भारतीय अभिनेता द्वारा सबसे अधिक पुरस्कार जीतने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने पूरे करियर में कई पुरस्कार प्राप्त किए, जिसमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए आठ फिल्मफेयर पुरस्कार और फिल्मफेयर के लिए एक लाइफटाइम अचीवमेंट और विशेष पहचान फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए उन्हें भारत की कोकिला लता मंगेशकर के साथ फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले प्राप्तकर्ता के रूप में मान्यता दी गई।

उत्तराखंड में 4 महीने में तीसरा सीएम

पुष्कर सिंह धामी राज्य के 11वें मुख्यमंत्री होंगे

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री खटीमा विधायक पुष्कर सिंह धामी होंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधानमंडल की बैठक के बाद धामी के नाम पर मुहर लग गई है। केंद्रीय मंत्री और पर्यवेक्षक नरेंद्र तोमर एवं प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम सहित पूर्व मुख्यमंत्रियों तीरथ सिंह रावत और त्रिवेंद्र सिंह रावत, भाजपा सांसदों और विधायकों की मौजूदगी में धामी के नाम पर मुहर लग गई है। धामी उत्तराखंड में खटीमा विधानसभा से विधायक हैं। उत्तराखंड प्रदेश के अति सीमान्त जनपद पिथौरागढ की ग्राम सभा टुण्डी, तहसील डीडी हाट में उनका जन्म 16 सितंबर 1975 को हुआ।

गरीब परिवार में जन्मे, सरकारी स्कूल में पढ़े

पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड में खटीमा विधानसभा से विधायक हैं। पुष्कर सिंह धामी का जन्म 16 सितंबर 1975 को पिथौरागढ के टुण्डी गांव में हुआ था। उनके पिता सैनिक थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बीच सरकारी स्कूलों से प्राथमिक शिक्षा ली। तीन बहनों के बाद घर का अकेला बेटा होने की वजह से परिवार की जिम्मेदारियां उन पर हमेशा बनी रही।

युवा मोर्चा में काम कर चुके हैं

धामी ने मानव संसाधन प्रबंधन और औद्योगिक संबंध में मास्टर्स किया है। वे 1990 से 1999 तक उत्तर प्रदेश में अलग-अलग पदों पर काम कर चुके हैं। धामी 2002 से 2008 तक युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष भी रहे हैं। राज्य की भाजपा 2010 से 2012 तक शहरी विकास परिषद के उपाध्यक्ष रहे। वे 2012 में पहली बार विधायक चुने गए थे। उनकी अगुवाई में ही प्रदेश सरकार से स्थानीय युवाओं को 70त्न आरक्षण राज्य के उद्योगों में दिलाने में

सफलता प्राप्त की।

कोश्यारी के करीबी हैं धामी

धामी को आरएसएस का करीबी माना जाता है। वे महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के भी नजदीकी हैं। पुष्कर सिंह धामी के बारे में राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह एक ऐसा नाम है जो हमेशा विवादों से दूर रहा है। पुष्कर सिंह धामी भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे पर काफी जोरशोर से आवाज उठाते रहे हैं। युवाओं के बीच पुष्कर सिंह धामी की अच्छी पकड़ मानी जाती है।

जातीय संतुलन भी धामी के पक्ष में गया

राजपूत समुदाय से आने वाले धामी राज्य के तेज तर्रार नेताओं में शुमार हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुष्कर सिंह धामी को सीएम बनाकर जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश की गई है। तीरथ सिंह रावत के मुख्यमंत्री बनने के वक्त भी पुष्कर सिंह धामी का नाम रेस में शामिल रहा था।पुष्कर सिंह धामी राज्य के और मुख्यमंत्रियों के मुकाबले युवा हैं। धामी का युवा होना भी उनके मुख्यमंत्री चुने जाने के पक्ष में गया है।

साढ़े तीन महीने में ही क्यों गई तीरथ सिंह रावत की कुर्सी?

उत्तराखंड में महज साढ़े तीन महीने में ही तीसरे मुख्यमंत्री कामकाज संभाल रहे हैं। त्रिवेंद्र सिंह रावत के बाद हटाए गए तीरथ सिंह रावत अपने कामकाज से खास प्रभावित नहीं कर सके, उलटा अपने बयानों से विवादों में बने रहे। तीरथ सिंह रावत से जुड़ी ये कुछ बातें उनकी विदाई की वजह बनीं..

विवादित बयानों से चर्चा में रहे तीरथ

बतौर मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत का 114 दिन का कार्यकाल उनके विवादित बयानों के लिए ज्यादा जाना जाएगा। फटी जींस से लेकर 20-20 बच्चे वाले उनके बयानों को शायद ही कोई भूला हो। पद संभालते ही भावावेश में तीरथ कुछ का कुछ बोलते रहे।

कुंभ में कोरोना फैलने से छवि खराब हुई

कुंभ के दौरान उन्होंने संतों को खुश करने के लिए जिस तरह से कोरोना के नियमों में छूट देने का अधिकारियों को इशारा किया, उससे हिंदुओं का यह मेला कोरोना का हॉटस्पॉट बन गया।

क्या अमरिंदर पर सिद्धू पड़ गए भारी

राहुल-प्रियंका मिलने पर हुए मजबूर

पंजाब कांग्रेस में सुलह की हर कोशिश के बीच राहुल व प्रियंका गांधी विधायक नवजोत सिंह सिद्धू से मिले। सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह से छत्तीस का आंकड़ा रखने वाले सिद्धू ने आलाकमान पर इतना दबाव बनाया हुआ है कि वह कैप्टन से बात न करके सिद्धू को साधने पर लगा है। पिछले हफ्ते दो दिन तक दिल्ली में आलाकमान से मुलाकात के लिए इंतजार करते रहे कैप्टन को बगैर मिले ही वापस चंडीगढ़ लौटना पड़ा वहीं सिद्धू को दिल्ली बुलाकर राहुल गांधी व प्रियंका ने मुलाकात की।

पंजाब में अगले साल यानी 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के अंदर जारी राजनीतिक गतिरोध खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। पार्टी आलाकमान पंजाब कांग्रेस की कलह यानी कैप्टन बनाम क्रिकेटर की जंग को खत्म करने का हर संभव प्रयास कर रहा है। राज्य में

जारी तनाव के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री और कांग्रेसी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह के समान रूतबा हासिल करने की जुगत में लगे विधायक नवजोत सिंह सिद्धू ने दिल्ली में प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। प्रियंका गांधी का सिद्धू से मिलना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है, कि आखिर क्यों पिछले दिनों दिल्ली आए मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से उन्होंने मुलाकात नहीं की और राजधानी पहुंचे सिद्धू से बुधवार को पार्टी महासचिव ने मुलाकात की। दिल्ली में बैठे आलाकमान को लगता है कि अगर सिद्धू कांग्रेस का साथ छोड़ते हैं तो पार्टी को एक बड़ा झटका लग सकता है। सिद्धू भविष्य के चेहरे के रूप में कांग्रेस के लिए एक मजबूत चेहरा हो सकते हैं। दरअसल, जिस समय नवजोत सिंह सिद्धू ने भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस का हाथ थामा था, तभी से वह पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की पहली पसंद बन गए थे। सिद्धू पंजाब में शुरू से ही कैप्टन अमरिंदर सिंह के मुकाबले खुद को खड़ा करते रहे और यह साबित करते रहे कि मैं भविष्य में पार्टी की ओर से राज्य का मुख्यमंत्री बन सकता हूं। माना जा रहा है कि उसी समय से सिद्धू और अमरिंदर के बीच खींचतान शुरू हो गई। इस बीच यह कहना भी गलत नहीं होगा कि सिद्धू के बड़बोले बयानों के पीछे कहीं न कहीं उन्हें पार्टी के आलाकमानों का साथ मिलता रहा है। अब इस बार प्रियंका ने सिद्धू के साथ मुलाकात करके यह साबित भी कर दिया है कि पार्टी प्रमुख कैप्टन के मुकाबले सिद्धू को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। पार्टी आलाकमान का मानना है कि सिद्धू एक स्टार कैंपेनर हैं, जिससे पार्टी को काफी फायदा मिल सकता है। वहीं, कैप्टन अमरिंदर का मानना है कि पंजाब में अगर पार्टी कुछ कर रही है तो वह सिद्धू की बदौलत कर रही है।

कैप्टन के प्रति खुली बगावत पर उतरे सिद्धू को गांधी परिवार के भाई- बहन अपनी मां सोनिया गांधी से भी आगे बढ़कर सिद्धू के साथ इसलिए खड़े हैं कि कैप्टन के समांतर पंजाब कांग्रेस में एक शक्ति के रुप में सिद्धू को उभारा जा सके। इधर सिद्धू ने भी कैप्टन के समांतर पंजाब कांग्रेस में उभरने के लिए यह दाव चला है जो राहुल,प्रियंका पर काम कर रहा है। सिद्धू ने ही मीडिया में ऐसी खबरे चलवाई कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में वह आम आदमी पार्टी(आप) का मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर आप में शामिल हो सकते हैं। इधर हफ्ता पहले अमृतसर के दौरे पर आए आप के राष्ट्रीय संयोजक एंव दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी संकेत दिया कि पंजाब में आप का मुख्यमंत्री चेहरा कोई सिख ही होगा। केजरीवाल के इस संकेत ने सिद्धू की कांग्रेस पर दबाव की रणनीति को और हवा दी जिससे सिद्धू को जल्द ही पंजाब में कैप्टन अमरिंदर के समांतर कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इधर कैप्टन के समांतर शक्ति प्रदर्शन के लिए सिद्धू अपना निवार्चन क्षेत्र अमृतसर छोड़ पिछले 6 महीने से पटियाला में डटे हुए हैं। निवार्चन क्षेत्र से गायब रहने पर सिद्धू की गुमशुदगी के पोस्टर अमृतसर में लगे हैं पर सिद्धू अपनी तमाम गतिविधियां सीएम के गृह क्षेत्र पटियाला पर केंद्रित किए हुए हैं। हालांकि सिद्धू का घर पर भी पटियाला में हैं पर इससे पहले सियासी तौर पर वह पटियाला में कभी भी सक्रिय नहीं रहे। कैप्टन के प्रति खुली बगावत जगजाहिर करने के लिए सिद्धू ने अपने

समर्थकों से शाही शहर पटियाला में सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के होर्डिंग्स के साथ अपने होर्डिंग लगवा साफ संदेश दिया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में वह कैप्टन के खिलाफ पटियाला से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। सिद्धू की इन हरकतों पर कैप्टन कह चुके हैं कि पंजाब को सीएम बनने सपना पाले बैठे सिद्धू कांग्रेस से बाहर होने के बाद ही पटियाला से उनके खिलाफ चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। कांग्रेस आलाकमान सिद्धू को पंजाब में कैप्टन के समांतर खड़ा करता है तो कैप्टन की अगुवाई में कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा एक अगल पार्टी के तौर पर भी सामने आ सकता है क्योंकि 2017 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के प्रति देशभर में विपरित धारा के प्रति पंजाब में बहुमत से भी आगे रिकॉर्ड जीत कैप्टन के दम पर ही थी। पंजाब में कैप्टन ही कांग्रेस है,कोई बड़ा चेहरा विकल्प के तौर पर अभी तक नहीं उभर पाया है इसलिए गांधी परिवार के भाई बहन की जोड़ी सिद्धू को आगे बढ़ा रही है।

कोविड-19 से बचने के लिए टीकाकरण सबसे बड़ा सुरक्षा कवच : शिवराज

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो दतिया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वैश्विह महामारी कोविड-19 को हराने के लिए और खुद को सुरक्षित करने के लिए कोरोना वैक्सीन लगवाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवाने के बाद या तो कोरोना विलकुल नहीं होगा और यदि हो गया तो इसका अधिक असर नहीं होगा एवं इसके लगने से जीवन को कोई खतरा नहीं होगा। श्री चौहान दतिया जिले के ग्राम परासरी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित टीकाकरण के महाअभियान के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंच पर पांच लोगों को प्रतीक स्वरूप कोरोना वैक्सीन का मंगल टीका लगवाकर महाअभियान का शुभारंभ किया। यह महाअभियान पूरे प्रदेश में एक साथ चलाया जा रहा है। प्रदेश में 21 जून को 10 लाख लोगों के वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा गया है। दतिया जिले में 8 हजार लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, सांसद श्रीमती संध्या राय, विधायक श्रीमती रक्षा संतराम सिरोनिया, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुधौलिया, संभागीय कमिश्नर श्री आशीष सक्सैना, डीआईजी श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर श्री संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर एवं जनप्रतिधिगण, पत्रकार, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वैक्सीन जीवन के लिए संजीवनी का कार्य करती है। इसके लगने से दर्द भी नहीं होता है। किसी-किसी को थोड़ा बहुत बुखार आता है। लेकिन जिंदगी पूरी तरह से सुरक्षित हो जाती है। इसलिए सभी लोग खुद भी वैक्सीन लगवाएं एवं अन्य लोगों को भी लगवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से खुद को भी सुरक्षित करना है एवं अपने बच्चों को भी सुरक्षित करें।

सहकारिता में है पुनर्निर्माण की क्षमता

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सहाकरिता में अपार संभावनाएँ है। मैं के स्थान पर हम का भाव ही सहकारिता है। सब मिलकर काम करें और सबके भले में अपना भला का भाव सहकारिता ही है। कोरोना संक्रमण की चुनौती का प्रबंधन हो या लोगों के रोजगार और व्यापार को स्थापित करना हो, सहकारिता का सिद्धांत उद्धार का रास्ता दिखाता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान अंतर्राष्ट्रीय समन्वय भवन में आयोजित सहकारिता दिवस के अवसर पर %सहकारिता के माध्यम से बेहतर पुनर्निर्माण% कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विपणन सहकारी संघ तथा आवास सहकारी संघ द्वारा स्वीकृत 55 गोदामों का लोकार्पण तथा 114 गोदामों का शिलान्यास डिजिटली किया। इन कार्यों की लागत लगभग 77 करोड़ 75 लाख रुपये है। इस अवसर पर सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री के.के. सिंह, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोल्ड स्टोरेज राऊ इंदौर, पैक्स बोरखेड़ा सीहोर, पैक्स लटेरी विदिशा और पैक्स बोरक्षार अलीराजपुर के सदस्यों से ऑनलाइन संवाद भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना नियंत्रण भी सहकारिता से ही संभव हुआ। प्रदेश में बना जन-भागीदारी मॉडल सहकारिता का ही रूप है। नगर से लेकर ग्राम और वार्ड स्तर तक बनी क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों ने जिम्मेदारी संभाली। किसी भी काम के लिए सबके साथ आने से मिलने वाले परिणामों को पूरी दुनिया ने देखा। प्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी सराहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सहकारिता में एक व्यक्ति की कोशिश कितना विशाल स्वरूप ले लेती है, यह डॉ. कुरियन द्वारा आरंभ-श्वेत क्रांति ने सिद्ध किया। आज अमूल जैसा संगठन पूरी दुनिया को टक्कर दे रहा है। मध्यप्रदेश के सांची ब्रांड ने भी अपनी पहचान बनाई है। संतरों के लिए मालवा फ्रैश ब्रांड के साथ

नीमच के लहसुन, बुरहानपुर के केले, अमरकंटक की गुल बकावली, डिण्डौरी की कोदो-कुटकी सहित प्रदेश की वनोपज और जड़ी-बूटियों में कई संभावनाएँ हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा कि सहकारिता हमारे देश और समाज की रग-रग मे बसी है। समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य क्षेत्र में परिवर्तन आवश्यक है। मंत्री डॉ. भदौरिया ने उद्यानिकी, खनिज, श्रम और सहकारिता क्षेत्र में नवाचार की आवश्यकता बताई। डॉ. श्री भदौरिया ने जानकारी दी की अब सहकारी संस्थाओं का ऑन लाइन पंजीयन 45 दिन के अंदर हो रहा है। सहकारी न्यायालयों में प्रस्तुत होने वालों प्रकरणों की भी ऑन लाइन प्रक्रिया से सुनवाई की जा रही है।

चिकित्सा के क्षेत्र में अंचल की दिल्ली पर निर्भरता कम हुई है

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल अंचल की चिकित्सा के क्षेत्र में दिल्ली और अन्य बड़े शहरों से निर्भरता कम करने के लिये केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग दिया जा रहा है। सभी के साझा प्रयासों से जयारोग्य चिकित्सालय समूह से लेकर दोनों संभागों के जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह बात केन्द्रीय कृषि, किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायतीराज एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कही। तोमर ग्वालियर ङ्क चंबल संभाग के सभी आठों जिलों को चिकित्सा उपकरणों का वितरण कर रहे थे। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह, सांसद ग्वालियर विवेक नारायण शेजवलकर व सांसद गुना के पी एस यादव भी मंचासीन थे। केन्द्रीय मंत्री तोमर के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार को यहाँ जीवाजी विश्वविद्यालय स्थित अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुए कार्यक्रम में ग्वालियर-चंबल संभाग के 8 जिलों को 68 हजार 500 से अधिक चिकित्सा उपकरण वितरित किए गए। इन चिकित्सा उपकरणों में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, सिलेण्डर, नेसल

कैनुला और नॉन रीब्रीथर मास्क इत्यादि उपकरण शामिल हैं। केन्द्रीय मंत्री तोमर सहित अन्य अतिथियों ने दोनों संभागों के सभी जिलों से आए जनप्रतिनिधियों एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को मंच से प्रतीक स्वरूप चिकित्सा उपकरण सौंपे। इसके बाद चिकित्सा उपकरणों से भरे वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर संबंधित जिलों के लिए रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की कड़ी में दोनों संभाग के डेढ़ दर्जन सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने का काम जारी है। साथ ही ग्वालियर-चंबल अंचल के लगभग डेढ़ दर्जन अस्पतालों में पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें दी गई हैं। इसके अलावा जिला चिकित्सालयों की पुरानी मशीनों को डिजिटल एक्स-रे मशीनों में तब्दील कराया गया है। ग्वालियर के आरोग्यधाम, जिला चिकित्सालय श्योपुर व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अम्बाह में सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध कराई गई हैं। मुरैना व श्योपुर जिले को 8 एम्बूलेंस व जिला चिकित्सालय मुरैना में ब्लड सेपरेटर मशीन उपलब्ध कराई गई है। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कोरोना से निपटने के प्रयास किए हैं, जिसके सार्थक परिणाम सामने आए हैं केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कोविड प्रोटोकॉल का पालन और टीकाकरण के जरिए ही हम कोरोना को हरा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस पुनीत अभियान में सभी लोग सहभागी बनें।

डॉ. गोविंद सिंह ने की सिंध नदी की चिंता, गृहमंत्री नरोत्तम को लिखा पत्र

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो भोपाल

प्रदेश के पूर्व मंत्री और लहार से विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने सिंध नदी को रेत माफिया से बचाने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को पत्र लिखकर कहा है कि सिंध नदी भिंड और दतिया जिले की जीवनदायिनी है। सेंवढ़ा के सनकुआं स्थल पर भेड़ाघाट की तरह ही यहां पर भी जल की धारा गिरती थी। लेकिन यह नदी अब रेत माफिया की वजह से सूख रही है। यही नहीं सेंवढ़ा का एसडीएम रेत के ट्रकों का पैसा लेता है। डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि यदि हम और आपने नदी की चिंता नहीं की तो नदी सूख जाएगी और आने वाली पीढ़ी कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने पत्र में भ्रष्ट अफसरों के बारे में लिखा कि ऐसे भ्रष्ट अफसरों को लाइन से लगाना चाहिए। रेत माफिया पनडुब्बी डालकर नदियों का सीना चीर रहे हैं जिससे नदियों का जलस्तर गिर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इसी तरह से सिंध नदी से रेत का दोहन किया

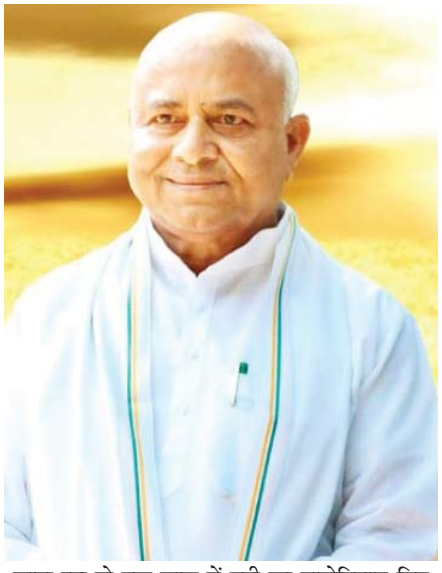

जाता रहा तो एक साल में नदी का नामोनिशान मिट जाएगा।पूर्व मंत्री द्वारा गृह मंत्री को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सेंवढ़ा और भिंड जिले के दस नगरों में पेयजल आपूर्ति की योजनाएं स्वीकृत होकर निर्माणाधीन है। यदि जल्द ही रेत खनन पर रोक नहीं लगाई गई तो नगर वासियों को पेयजल संकट की परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में रेत खनन से दतिया और भिंड जिले में सिंध नदी के दोनों तरफ लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तक करीब 40 फीट जल स्तर गिरा है। यदि यही हाल चलता रहा तो दोनों जिले के कई गांव में कुआं, हैंडपंप तक सूख जाएंगे। बेखौफ माफिया पूर्व मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जिस तरह से नदियों पर रेत माफिया हावी है, इससे शासन और प्रशासन बना हो गया है। यह रेत माफिया के मन में प्रशासन का कोई डर भय नहीं है। यह रेत माफिया लगातार अफसरों पुलिस जवान और वनकर्मियों पर गोलियां चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में तीन दिन पहले सेंवढ़ा के कंधारपुरा गांव में रेत माफिया द्वारा गोलियां चलाई गई थी।

कोराना काल में पुलिस कर्मियों प्रति आम जनता की सोच में बदलाव आया है : डॉ मिश्र

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो दतिया

मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी विभाग के मंत्री नरोत्तम मिश्र ने कहा कि डेढ़ वर्ष के दौरान प्रदेश में पुलिस के प्रति लोगों की राय में बदलाव आया है। कोरोना के पहले लॉक डाउन एवं द्धितीय लहर के तहत् जनता कोरोना कर्फ्यू के दौरान पुलिस के जवान एवं अधिकारियों ने अपनी एवं अपने परिवार की जान की परवाह किया बिना सड़को एवं बाजारों में पूरी मुस्तैदी के साथ कोविड गाईड लाईन का पालन कराने में अहम भूमिका निभाई है। गृह मंत्री डॉ. मिश्र शनिवार को पुलिस लाईन दतिया में पुलिस कर्मियों को कोरोना योद्धा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल में पुलिस जवानों एवं अधिकारियों के प्रति जनता की सोच में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि जनता को अनावश्यक बाहर निकलने पर रोकने एवं कोविड गाईड लाईन का पालन कराने के दौरान पुलिस जवानों को भला बुरा सुनने मिला लेकिन जनता यह भलीभांति समझ चुकी है की पुलिस जवान अपनी एवं अपने परिवार के जीवन की परवाह किए बिना गर्मी के महिनों में 40 से 45 डिग्री तापक्रम में आम जनता के जीवन की सुरक्षा कर कोरोना की चैन तोड़ने का काम किया। जबकि स्वास्थ्य विभाग

गृह मंत्री ने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों का किा सम्मान

के कर्मचारियों ने भी चिकित्सालय में मरीजों के बीच रहकर अपनी जान की परवाह किए बिना निस्वार्थ भाव से सेवायें दी जो सराहनीय है। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने कहा कि पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों को सम्मान कर वह अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। इनका यह सम्मान आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगा। कलेक्टर श्री कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरोन जैसी महामारी का इतिहास में कही उल्लेख नहीं है। इस महमारी के संक्रमण को रोकने में और जनता कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने में पुलिस के अधिकारियों और जवानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना के संकट से निपटने में राज्य सरकार ने प्रदेश में जो व्यवस्थायें की है उन्हें मध्यप्रदेश के मॉडल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर सराहा।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने ग्राम कुरथरा में गरीबों को प्रदाय किया निःशुल्क खाद्यान

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो दतिया

मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र निरंतर जिले में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री एवं दैनिक जरूरत सामग्री की किट निःशुल्क प्रदाय कर रहे है। गृह मंत्री ने ग्राम कुरथरा में आयोजित खाद्यान वितरण कार्यक्रम के दौरान 150 पात्र एवं जरूरतमंदों को खाद्यान सामग्री की किट निःशुल्क प्रदाय की।

प्रदाय की गई खाद्यान किट में गेंहूँ, चावल, दाल, शक्कर, चाय पत्ती, सब्जी, मसाले, मास्क, सेनेटाईज सहित अन्य दैनिक जरूरत की वस्तुएं शामिल है।

गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने इस मौके पर कहा कि किसी भी गरीब को भूखा नहीं रहने दिया जायेगा। गरीब को किसी प्रकार की चिन्ता करने एवं परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस संकट की घड़ी में केन्द्र एवं राज्य सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत् गरीबों को दो माह का प्रत्येक सदस्य के

मान से 5 किलो खाद्यान प्रदाय किया गया ह। गृह मंत्री डॉ. मिश्र ने लोगों से कहा कि कोरोना के संक्रमण से बचाव हेतु टीकाकरण केन्द्रों पर जाकर टीका अवश्य लगवाना है।

हमें मिलकर कोरोना को हराना है, घर में रहें, स्वस्थ रहें

नियमित रूप से साबुन और पानी से 20 सेकण्ड तक हाथ धोएं

खाँसते या छींकते समय नाक और मुँह किसी कपड़े या कोहनी से ढकें

जिस व्यक्ति में खाँसी, जुकाम या बुखार के लक्षण हों उससे दूरी बनाएं

अगर खांसी, बुखार या सांस लेने में कठिनाई हो तो तुरंत डॉक्टर से मिलें

डॉ सतीश कुमार एस
कलेक्टर भिण्ड

अपील

कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
निकाय के सभी कर समय पर जमा करें
नगर को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

हमें मिलकर कोरोना हराना है

COVID-19 (कोरोना वायरस)

घबराएं नहीं, जानकारी ही हमारा सुरक्षा कवच है

कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने हेतु घर में ही रहें। एक बिना लक्षण वाला संक्रमित व्यक्ति दूसरों को संक्रमित कर सकता है। इसलिए पड़ोसी, दोस्त इत्यादि से आपसी संपर्क कम करना आवश्यक है।

सुरेंद्र शर्मा
सी एम ओ भिण्ड

सौजन्य से : नगर पालिका परिषद भिण्ड, मध्य प्रदेश

हमें मिलकर कोरोना हराना है

राजीव समाधिया
प्रशासक नगर पालिका
परिषद अम्बाह

अपील

कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें घर में रहें स्वस्थ रहें।
निकाय के सभी कर समय पर जमा करें
नगर को स्वच्छ बनाए रखें
पानी को बर्बाद न करें

COVID-19 (कोरोना वायरस)

घबराएं नहीं, जानकारी ही हमारा सुरक्षा कवच है

कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने हेतु घर में ही रहें। एक बिना लक्षण वाला संक्रमित व्यक्ति दूसरों को संक्रमित कर सकता है। इसलिए पड़ोसी, दोस्त इत्यादि से आपसी संपर्क कम करना आवश्यक है।

रामनिवास शर्मा
मुख्य नगर पालिका
अधिकारी अम्बाह

सोजन्य से : नगर पालिका परिषद अम्बाह ज़िला मुरैना मध्यप्रदेश

मंत्री डॉ भदौरिया ने करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

टीकाकरण अनिवार्य रूप से करवायें: भदौरिया

● पुष्पांजली टुडे, ब्यूरो भिण्ड

सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने कहाँ की कोरोना के इस भयंकर संक्रमण से स्वयं एवं अपने परिवार की रक्षा हेतु सभी व्यक्ति कोविड वैक्सीन टीकाकरण अनिवार्य रूप से करवायें।उन्होंने कहाँ की कोरोना संक्रमण से बचाव का सबसे महत्वपूर्ण साधन टीकाकरण है,इसके साथ उन्होंने कहाँ की हमेशा घर से वाहर मास्क लगायें,सोशल डिसटेंसिंग का पालन करें एवं हाथों को बार-बार धोते रहें या सेनेटाईज करें ।मंत्री डॉ भदौरिया ने कहाँ की हमें कोविड अनुकूल व्यवहार को आत्मसात् कर उसके अंतर्गत ही अपनी दैनिक गतिविधियों को सम्पन्न करना है।मंत्री डॉ भदौरिया ने कहाँ की प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस कोरोना के भयंकर दौर में प्रदेश की जनता के लिए हर संभव स्वास्थ सुविधा उप्लवध करवाने ओर प्रदेश की जनता को कोरोना संक्रमण से बचाव के साधन जुटाने दिन और रात कार्य कर रहे है ।जिलों में ऑक्सिजन प्लांट लगाये जा रहे है ।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम में कहाँ की प्रदेश सरकार द्वारा इस मुश्किल दौर में जनता को राहत देने कई योजनाएँ जैसे मुख्यमंत्री बाल कल्याण योजना,खाद्यान वितरण ,पथ विक्रेता योजना आदि लायीं गयी,जिससे आम जन को एक संबल मिला है। मंत्री डॉ भदौरिया ने अटेर क्षेत्र के ग्राम जनोरा,बलारपुरा,घिनोची, नावली वृंदावन एवं अटेर में 3 करोड़ 3 लाख से अधिक के 22 कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जिसके अंतर्गत ।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने ग्राम जनोरा अटेर में 1 करोड़ 32 लाख की लागत से निर्मित गौशाला,दो सामुदायिक भवन ,दो आंगनवाड़ी भवन,मुख्यमंत्री हाट बाज़ार का लोकार्पण किया एवं एक सामुदायिक चारगाहा विकास का शिलान्यास किया।सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने ग्राम बलारपुरा अटेर में 62 लाख 28 हज़ार की लागत से निर्मित पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय ,सामुदायिक भवन एवं दो सुदूर सड़कों का लोकार्पण किया। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने ग्राम घिनोची अटेर में 68लाख 8 हज़ार की लागत से निर्मित गौशाला का शिलान्यास ,पंचायत भवन एवं दो आंगनवाड़ी केंद्रो का लोकार्पण किया । सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने ग्राम नावली वृन्दावन अटेर में 20 लाख 65 हज़ार की लागत से निर्मित पंचायत भवन एवं आंगनवाड़ी भवन का शिलान्यास किया। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रवंधन विभाग मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया ने ग्राम अटेर में 20 लाख 49 हज़ार की लागत से निर्मि सामुदायिक शौचालय,चबूतरा निर्माण का लोकार्पण एवं आंगनवाड़ी भवन निर्माण का शिलान्यास किया ।

चिकित्सकों एवं साथी स्टाफ़ की मेहनत एवं कार्यकुशलता से कोरोना हारा

नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया ने कार्यक्रम को संवोधित करते हुए कहाँ की ।जिले में कोरोना संक्रमण की दूसरी लेहर में बेहतर प्रशासनिक प्रवंधन एवं चिकित्सकों के द्वारा बेहतर सेवा प्रदान कर जिले के नागरिकों के जीवन की रक्षा की है। उन्होंने कहाँ जिला अस्पताल के चिकित्सकों एवं साथी स्टाफ़ की मेहनत एवं कार्यकुशलता से कोरोना हारा। मंत्री श्री भदौरिया ने कहाँ की आज जिला अस्पताल में ऑक्सिजन प्लांट के कार्यरत होने से स्वास्थ सुविधा को और मज़बूती मिली है। उन्होंने कहाँ की दूसरी लहर के मुश्किल दौर में प्रदेश सरकार , जिला प्रशासन,क्राइसिस ग्रूप के बेहतर प्रवंधन ने हमें जिले को कोरोना संक्रमण से सुरक्षित रखने में बहुत सहायता की ।उन्होंने कहा आज जिला अस्पताल को 30 ऑक्सिजन कॉन्सेंट्रेटर भी प्राप्त हुए। जिले में कोविड वैक्सीन टीकाकरण कार्यक्रम भी लगातार चल रहा है ,जिले के 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक टीकाकरण करवाने में उत्साह दिखा रहे है ।मंत्री श्री भदौरिया ने कहाँ की कोविड संक्रमण से बचाने टीकाकरण अतिआवश्यक है,सभी टीकाकरण अवश्य करवायें।कार्यक्रम में भिण्ड-दतिया सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहाँ की जिला प्रशासन एवं जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने कोरोना संक्रमण से जिले के नागरिकों को सुरक्षित रखने बेहतर कार्य किया है ।

आप सभी के धैर्य लगन कर्तव्य निष्ठा और समर्पण के समक्ष नतमस्तक हूं . प्रधान मोहनी पुखराज पटेल

● पुष्पांजली टुडे, पाली

सीमावर्ती गांव मनिहारी के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पाली सांसद पीपी चौधरी के निधि वह निजी प्रयास से उच्च गुणवत्ता युक्त विश्व स्तरीय 159 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जिले के विभिन्न पीएससी सीएससी केंद्रों पर आवश्यकताओं के अनुसार प्रदान करने के लिए पाली जिला कलेक्टर अंशदीप व कोराना प्रभारियों को सौंपे गए। आक्सीजन कसटेटर चिकित्सा उपकरण पाली पंचायत समिति प्रधान मोहनी पुखराज पटेल पाली सांसद के निजी सचिव डी आर चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा के आधार पर पाली सांसद पी पी चौधरी सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत की अनुमोदना एवं अनुशंसा पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया पाली भाजपा जिला अध्यक्ष मंसाराम परमार के निर्देशानुसार चिकित्सा उपकरण चिकित्सा प्रभारी एवं चिकित्सा कर्मियों को सौंपी गए। पाली पंचायत समिति प्रधान मोहनी पुखराज ने बताया की कोराना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को रोकने के लिए विषम परिस्थितियों में जिले के चिकित्सकों स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंट लाइन वर्करों ने जनता की सेवा की। इनके साथ साथ जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग के आदेश अनुसार पंचायत प्रशासन के संबंधित विभागीय स्वास्थ्य कर्मी विभिन्न कमेटी के सदस्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम पंचायत के संपूर्ण कार्मिको द्वारा विपरीत परिस्थितियों में दी गई महत्वपूर्ण सेवाएं काफी सराहनीय रही। वैश्विक महामारी की रफ्तार को प्रभावी रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में नियंत्रण करने के लिए जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग पूरी तरह से चेहरे क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ते मामलों को रोकने के लिए प्रयास किया जा रहा है। पाली ब्लॉक में आप सभी की और से संकट की घड़ी में दिया गया सहयोग को लेकर मैं आप सभी के धैर्य लगन कर्तव्य निष्ठा और समर्पण के समक्ष नतमस्तक हूं। और गौरव का अनुभव कर रही हूं। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग डेढ़ बरस से कोराना वैश्विक महामारी से हमारा देश प्रदेश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के देश विश्वव्यापी महामारी से पीड़ित हैं। कोराना महामारी की प्रथम लहर के बाद लगातार दूसरी लहर ने भारत देश के हर राज्यों भयंकर रूप से प्रभावित किया। एक के बाद एक कोराना कहर के बढ़ते प्रकोप से हम सभी के लिए समक्ष चुनौतियां बढ़ गई। आप लोगों के सहयोग से हम सभी ने पूरी दृढ़तापूर्वक तरह से इस संक्रमण का मुकाबला किया। हम सभी इस बात का गर्व महसूस कर रहे हैं कि हमारा सभी का महत्वपूर्ण योगदान से हम100त्न कामयाब होंगे। संसद के निजी सचिव डी आर चौधरी

ने कहा कि कोई भी युद्ध जब लंबा खींच जाता है । तो ऐसे में सैनिकों का उच्च मनोबल ही विजय का मुख्य स्तंभ आश्वासन साबित होता है। ।इसी प्रकार आप सभी ने अपने और अपने परिवारों की चिंता किए बगैर इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बाद भी लोकहित में जो अमूल्य सेवाएं दी। उसके लिए मानवता सदैव आपकी ऋणी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह समय हमारे प्रयासों को सतत रखते हुए और भी ज्यादा सावधानियों का पालन करने का है। जिसमें हम इस महामारी की संभावित तीसरी लहर को आने से रोक सकें। ।उन्होंने कहा कि इस महामारी के आगामी स्वरूप के प्रबंधक के लिए भी पहले से भी कहीं ज्यादा सशक्त ढंग से अपने आपको तैयार करने की आवश्यकता है। विकट परिस्थिति के दौरान जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत के संबंधित संपूर्ण विभागीय कार्मिकों के साथ-साथ सफाई कर्मियों समाजसेवी व भामाशाह ने कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल के अंदर पीपीपी किट पहन कर अपनी सेवाएं देने बहुत ही कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य है ने कहा कि हमारे कुछ नौजवान

साथियों ने इस कोराना काल में बलिदान भी दिया है। इसके बाद भी सभी स्वास्थ्य कर्मी दृढ़ता पूर्वक से जनता के हित में कार्य पर अडिग रहे हैं। चिकित्सकों स्वास्थ्य कर्मी फ्रंटलाइन वर्करों को कर्तव्यनिष्ठा मेहनत और लगन से काम करने और धन्यवाद देती हूं। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने घरों में आइसोलेट मरीजों का भी कोविड कमांड सेंटर के माध्यम से संपर्क कर उनका इलाज किया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रशासन के पंचायत सहायकों ने आशा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ गांव गांव में डोर टू डोर जाकर सर्वे कर संक्रमित लोगों की पहचान की गई। जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग के आदेश अनुसार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कोराना काल को रोकने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर अलग-अलग समितियां बनाई गई। कोराना वॉलिंटियर तैयार कर गांव के लोगों को जागरूक किया। जिसमें जिले के पाली उपखंड स्तर की कई ग्राम पंचायतें ग्रीन जोन में प्रवेश किया। और मैं आशा करती हूं कि आप सभी की मेहनत परिश्रम से हमारी ब्लॉक ग्रीन जोन में प्रवेश करे । कोराना संक्रमण के बचाव के लिए चिकित्सा विभाग की ओर से किए जा रहे टीकाकरण के लिए जिले में अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन कोराना मुक्त भारत अभियान के तहत टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। टीकाकरण में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन के आदेश अनुसार डोर टू डोर सर्वे किया जा रहा हैं।सर्वे के अंतर्गत टीकाकरण शिविर में वंचित बुजुर्गों को टीके लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। टीकाकरण ही संक्रमण के बचाव का एकमात्र मुख्य उपाय हैं। जो इस युद्ध में हमारी जीत की गारंटी हैं। वह सब आपकी मेहनत लगन परिश्रम की गारंटी हैं। विपरीत परिस्थितियों के दौरान राज्य सरकार द्वारा लगाया गया महामारी रेड अलर्ट जन अनुशासन पखवाड़े के दौरान सख्त लॉकडाउन के निर्देशों की पालना में जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन के आदेश के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में सहयोग मिला। उन्होंने कहा अब धीरे-धीरे अनलॉक की प्रक्रिया प्रदेश भर में प्रारंभ हो गई हैं। ऐसे में हम सभी कोराना संक्रमण के प्रचार को रोकने के लिए आवश्यक अनुकूल व्यवहार की पूरी जरूरत है। जैसे हमेशा मास्क पहनना। आपस में 2 गज की दूरी बनाए रखना। हाथों को साबुन से बार-बार धोना। अन्य बचाव संबंधित निर्देशों की पालना आप स्वयं करके दूसरों को भी जागरूक करें। किसान मोर्चा जिला प्रतिनिधि व प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल ने बताया कि कोराना महामारी में आई ए एस अधिकारी आई पी एस अधिकारी साथ में राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी ने भी इस महामारी में महत्वपूर्ण अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि कोराना काल के चलते पाली ब्लॉक के संपूर्ण क्षेत्र में लॉकडाउन से प्रथम चरण से अब तक सभी कोराना योद्धाओं द्वारा लगातार सफलता पूर्वक प्रयास किया गया। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन का शुभारंभ करने के बाद संपूर्ण चिकित्सा कर्मियों के साथ साथ पंचायत कार्मिक पंचायत संबंधित विभागीय कार्मिकों की सराहना करते हुए सीएससी मनिहारी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य कर्मियों को पुष्प हार माला पहनाकर सम्मान किया गया। प्रधान मोहनी पुखराज पटेल ने वर्तमान स्थिति के साथ-साथ संभावनाओं के अनुसार कोराना की तीसरी महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए पूरा सहयोग देने की अपील की गई। इस मौके पर मनिहारी सीएससी मुख्य चिकित्सा प्रभारी एवं चिकित्सा कर्मी गुंदोज भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश राम पटेल मनिहारी सरपंच भैरों सिंह शेखावत पंचायत समिति सदस्य संगीता प्रकाश मीणा पंचायत कार्मिक स्वास्थ्य कर्मी गणमान्य जन प्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

एसडीएम बनना कठिन है पर 'राजीब समाधिया' बनना असम्भव

केशब पंडित जी, अम्बाह

अंततः मुरैना अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया जी राजनीति का शिकार हो ही गए।11 महीने पहले सरकार ने राजीब समाधिया जी को अवैध कब्जा भू माफिया व राजस्व मामलो के प्रति झगडे जैसे प्रकरणो को सामज्स बिठाकर सुलझाने के लिये भेजा, जब अम्बाह राजस्व

मामलो में पूरी तरह फिसड्डी था अम्बाह में सरकार के मुंह पर राजस्व के मामलो व बढते अपराध व लडाई झगडो की कालिख पुत रही थी। एसडीएम राजीव समाधिया ने आते ही इन सभी बातो को बडी ही गहराई से लेकर अहम भूमिका निभाई और उन परेसान किसान भाई को नजदीकी से देखा जो कि बास्तव में बखूबी परेशानी में है और परेशानी को समझा दूसरा अम्बाह जो अपने मामलो के प्रति व खसरा खतौनी नकल अन्य मामलो के लिये महीनो चक्कर लगाते लगाते परेशान होजाते उन्है देखकर एसडीएम राजीव समाधिया ने अपनी एक रण नीति बनाकर टीम बनाई और वो सफल रही किसान भाइयो को इन सभी परेशानियो के प्रति निजात मिली और अम्बाह एसडीएम की इस कार्यप्रणाली की जमकर सराहना हुई दूसरा उन्हौने जनता की परेशानी को देखकर अम्बाह ब्लॉक में प्रत्येक मंगलबार को जनता की समस्यो को देखते हुये जनसुनवाई की मीटिग रखना चालू की जो पहले अम्बाह ब्लॉक में कभी नही हुई जिसमे नगरपालिका से लेकर जनपद पंचायत अधिकारी व समस्त राजस्व पटबारियो को बुलाकर निराकरण करबाने की उनकी पहल नीब का पत्थर साबित हुई और अम्बाह पोरसा की जनता की छोटी छोटी समस्याओ से निजात मिली और राजस्व अपराधो में भी काफी गिराबट आई उसके उपरान्त देखा कि किसान भाई अपनी फसल की सही कीमत नही ले पारहे रोड पर लम्बी लम्बी टैक्टरो लाइन देखकर सस्ती दर पर ब्यापारियो बेच जाते थे तो उसे बडी ही नजदीकी से देखकर शहर में किसानो की समर्थन मूल्य पर बाजरा गेहू बिक्री को जिन ब्यापारी बर्गो ने बपौती समझकर किसानो से मंदी रेट पर खरीद कर मंडिया लगाने वाले ब्यापारी माफियाओं से लेकर बाजरा बिक्री करने वाले माफियाओं के गधे के सिर से सींग की तरह विलुप्त कर छोटे छोटे किसानो को लाभ दिलाया किसानो के बाजरा बिक्री को सुचारू रूप से बिना सिफारिस के स्वम ब्यबस्था बनाकर सोसाइटियों पर खरीदी करबाही सरकारी समर्थन मूल्य खरीद का किसानो को अपनी फसल बिक्री का लाभ दिलबाया जो भी परेशान किसान भाई आया निराश नही गया जो भी आया क्या नेता, क्या पैसे बाले ब्यापारी... सभी को उनके दायरे व कानून का कद बताए रखा और कारबाहियॉ भी की। लेकिन, अम्बाह में गन्धी राजनीति करने बाले लोग जो व उनसे अपना उल्टा सीधा काम कराने मे कभी सफल होते नही दिखे तो उन्हौने बरिष्ट नेताओ से चुगली करना प्रारंम्भ कर दी और उन्हौने खुद को 'किंग' साबित करने के लिए एक ऐसे अफसर को बदलवा दिया, जिसकी अम्बाह को कुछ और समय जरूरत थी अम्बाह का दुर्भाग्य है कि ऐसे अफसर के जाने से अम्बाह की जनता के परेसानी निश्चित है जनता परेशानियो को देखकर पुनः बिचार किया जाबे एसडीएम राजीव समाधिया को अब नहीं तो 5-6 महीने बाद जाना ही था, पर ÷एसडीएम राजीब समाधिया ÷ कोई यूं ही नहीं हो जाता। अम्बाह में कोराना जैसी महामारी के दोरान लॉकडाउन में एक सिपाही जैसी भूमिका निभाकर व अपनी जानकी पर बाह न करते हुऐ चौराहे गली मौहल्लै में घूम घूम कर कोराना जैसी बीमारी से राहत दिलाई चाहे अस्पताल हो

चाहे कौरिटाइन बाली जगह हो अपनी जान की परवाह न करते हुऐ बडी ही नजदीकी से देखा था एसडीएम राजीब समाधिया की खूबी यही है कि वह किसी नेता, विधायक, मंत्री की गैर नियम की बातें मानते नहीं। जनता के लिए सहज-सरल उपलब्धता भी उनकी खूबियों में से एक है। उन्हौने अभी गॉव व शहर में सर्वे कराकर उन माता पिताओं के बारे में सोचा है जिनके लडकी ही लडकी है उनके लिये पैन्सिन योजना का सर्वे जारी है जो बहुत ही सफल कार्य माना जायेगा ...यूं ही नहीं बन जाता कोई 'राजीव कुमार समाधियॉ'।

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

ए.के.झा (बिहार ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे)
बनाये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
खबरे एवं विज्ञापन के लिये संपर्क करें: 9560584744

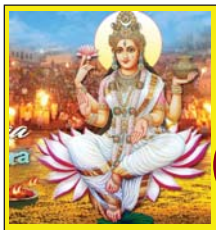

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

हरिओम चतुर्वेदी को शिवपुरी ब्यूरो चीफ बनाये
जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
खबरे एवं विज्ञापन के लिये संपर्क करे
9009279100

भारत की योग शक्ति का लोहा पूरे विश्व ने स्वीकार किया: हुकम सिंह खरोकडा

● पुष्पांजली टुडे नेनाराम सिरवी, पाली

भारतीय जनता पार्टी पाली जिला स्तर शीर्ष नेतृत्व के पदाधिकारी कार्यकर्ता मंडल स्तर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने जोश और उत्साह पूर्वक शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में 7 वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयास से संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक के दौरान 21 दिसंबर 2014 को 193 सदस्यों की सहमति से भारत में भारतीयों के प्रति अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा में सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कदम की घोषणा करवाने में सफल हुए। इसी संदर्भ में पाली भाजपा जिला अध्यक्ष मंसाराम परमार। सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत । पाली विधायक ज्ञानचंद पारख । बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत मारवाड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक केसाराम सिरवी । पाली सांसद पीपी चौधरी । के निर्देशानुसार जिले के अलग-अलग स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तर मंडल स्तर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगासन करके योग दिवस मनाया गया । गुंदोज भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश राम पटेल। हेमावास मंडल अध्यक्ष वोरा राम सिरवी। खोड मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह के नेतृत्व में मंडल स्तर पर अलग-अलग स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। खोड भाजपा मंडल अध्यक्ष हुक्म सिंह खरोकडा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर लगभग भारतवर्ष में आधा सैकड़ा देश की जनता ने

योग दिवस मनाया । ये भारत के लिये गौरव की बात है । किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से भारत में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है । सही अर्थों में अगर इस कोरोना काल मे रोग का सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो वो योग है । जिसकी ताकत से हम सभी रोगों को मात दे सकते है। इस लिये जीवन मे हम लोगो को योग प्रतिदिन कुछ समय निकालकर योग जरूर करना चाहिये। आज योग दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने अपने घरों पर परिवार के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करके योग दिवस मनाया गया । खोड मंडल मंडल स्तर पर चाचोडी किरवा बुसी बालराई। खोड मंडल प्रभारी जयवर्धन रांकावत मंडल अध्यक्ष हुकुम सिंह खरोकडा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के मंडल स्तर के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। चाचोडी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में मंडल महामंत्री धनाराम सिरवी आईटी सेल संयोजक खोड प्रभु सिंह राव भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सोहन सिंह राजपुरोहित भोपाजी किशन सिंह। रंणजीत सिंह वाघेला। महेंद्र सिंह राजपुरोहित नेनाराम सिरवी सहित स्वयंसेवक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पटेल ने किया पुलिस प्रशासन के अधिकारियों सहित कॉन्स्टेबलो का सम्मान

● पुष्पांजली टुडे नेनाराम सिरवी, पाली

पाली सदर थाना के पुलिस प्रशासन ने कोरोना संक्रमण की बढ़ती महामारी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी जान-जोखिम में डालकर सेवा देने वाले पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कांस्टेबलों का कोरोना योद्धाओं के रूप में भाजपा नेता समाजसेवी भामाशाह हरि भाई पटेल ने रूपावास के नेतृत्व में राजस्थानी रीति रिवाज परंपरा के अनुसार कोराना प्रोटोकॉल कि गाइडलाइन पालना के अनुसार डोर टू डोर पुष्प हार की माला साफा पहनाकर मुंह मीठा करके गुलदस्ता भेंट किया गया । पटेल समाज के समाजसेवी हरि भाई पटेल ने कहा कि कोराना योद्धाओं का सम्मान ही हमारी जीत है । कोराना के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के साथ-साथ पत्रकारों की अहम भूमिका रही जिन्होंने हर क्षेत्र में कोराना के प्रति टीकाकरण से बचाव तक आमजन को जागरूक किया। इसलिए पत्रकारों का सम्मान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस निरीक्षक संजना।

बेनीवाल, माँगूसिंह, सत्यनारायण , हेड कांस्टेबल मानसिंह , देशराज, समन्दर सिंह , कानस्टेबल शंकरलाल, नरपतसिंह , रमेश चौधरी, बिज़ाराम, गौतम, अशोक पटेल, भेराराम, मदनसिंह, महिला कानस्टेबल गीता गुज़र का भव्य स्वागत किया गया । इस मोके पर सी.एल.जी. सदस्य पायल पटेल, भूराराम मुकनपुरा, ओमाराम मालवी, देवेन्द्र पटेल, भँवरलाल काँदली , उदाराम भूरिया सहित कई जने मोजूद थे ।

आज की बेटी शिक्षा प्रचार समाज कल्याण समिति ने किये कई सामाजिक कार्य

● पुष्पांजली टुडे, ग्वालियर

आज की बेटी शिक्षा प्रचार समाज कल्याण समिति द्वारा विकास नगर साँई मंदिर ग्वालियर में महिलाओं और बेटियों को सैकड़ों नई साड़ियां वितरित की गई।कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि ग्वालियर नगर निगम की पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता एवं अध्यक्षता पार्षद बलवीर सिंह तोमर,विशिष्ट अतिथि पुलिस आर. आई. श्रीमती रजनी गुर्जर । मुख्य अतिथि श्रीमती समीक्षा गुप्ता ने कहा कि हमारी संस्था विगत कई बर्षों से गरीब लोगों को साड़ियां वितरित कर रही है,संस्था आगे भी निरंतर समाज कल्याण के काम करती रहेगी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, सदस्य श्रीमती अभिलाषा सिंह भदौरिया,समिति अध्यक्ष श्रीमती गुँजन सिंह चौहान, मलखानसिंह चौहान, श्रीमती रजनी चौहान, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

प्रवीन दिवाकर (प्रधान प्रतिनिधि)ग्रा.पोस्ट
नरोरा तहसील जलेसर जिला एटा
मो.7017968311

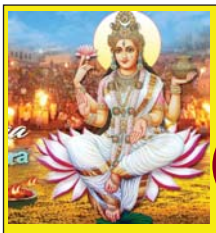

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

जितेन्द्र कुमार सिंह
न्यायिक सदस्य (प्रथम श्रेणी जुडिशियल मजिस्ट्रेट)
किशोर न्याय बोर्ड, जनपद न्यायालय एटा

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

नरेंद्र सिंह उर्फ राजा भइया
प्रोपर्टी डीलर एटा
9457618161

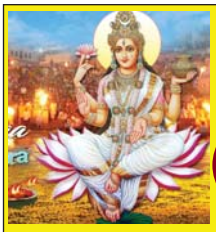

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

उपेंद्र कुमार चौहान
वरिष्ठ लिपिक कलेक्ट्रेट एटा
9627321806

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

छोटे सिंह भदौरिया
लेबर, सप्लायर एण्ड कॉन्ट्रेक्टर
सम्पर्क 9755383340

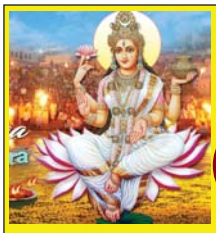

गंगा दशहरा पर्व की

हार्दिक शुभकामनाएं

राजेन्द्र सिंह राजपूत (वरिष्ठ लिपिक)
कलेक्ट्रेट एटा मो.9761901014

जागृति दिवस पर पेटेंट फ्री वैक्सिंग संकल्प कार्यक्रम आयोजित

● महेन्द्र शर्मा

गोहद, भिण्ड (पुष्पांजली टुडे)

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवम सांसद श्रीमती संध्या राय, भाजपा उपाध्यक्ष एवम पूर्व विधायक चौधरी मुकेश चतुर्वेदी एवं मध्य भारत प्रांत को महिला प्रमुख डॉ प्रतिभा चतुर्वेदी एवं भोपाल मेयर आलोक शर्मा द्वारा आज विश्व जागृति दिवस के रूप में पेटेंट फ्री वैक्सीन संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया कोविड-19 को सर्व सुलभ बनाने के लिए इससे पेटेंट मुक्त करने के लिए पोस्टर व बैनर हाथ में लेकर इसमें भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता व अतिथि के रुप में बोलते हुए श्री भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि वैश्विक मानवता आज कोविड-19 के रूप में एक अभूतपूर्व संकट व त्रासदी का सामना कर रही है पिछले लगभग 1 वर्ष में दुनिया भर में 37 लाख से अधिक और भारत में 3.4 लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 लोगों को कोविड-19 से असमय मृत्यु हो गई इजराइल, यूएस, यूके, नार्वे आदि देशों ने अपनी वयस्क आबादी के बहुमत का टीकाकरण करके ताजा संक्रमण और कोरोनावायरस मौतों को नियंत्रित किया है लोगों को कोरोनावायरस आने के लिए दुनिया को करीब 14 अरब वैक्सीन दोस्त की जरूरत है जबकि पिछले लगभग 6 महीनों में सभी 8 फार्मा कंपनी द्वारा कोविड-19 पीकॉक के केवल 200 करोड़ रोज का ही उत्पादन किया जा सका है। वर्तमान दर पर दुनिया की योग्य आवादी को टीका लगने से दो तीन साल और लग सकते हैं जबकि फिर पहले से ही टीका लगाए गए लोगों को पून- नए कोरोनावायरस से संक्रमित होने से बचाने के लिए 10- 12 महीनों में के समय में सभी देशों की योग्य आबादी का टीकाकरण करना जरूरी है इसका अर्थ है कोई भी तब तक सुरक्षित नहीं रहेगा जब तक की सभी सुरक्षित नहीं होते। कोविड-19 के बड़े पैमाने पर उत्पादन में रुकावट विश्व व्यापार संगठन के टिप्स के प्रावधानों के तहत आने वाले पेटेंट कानून और बौद्धिक संपदा अधिकार है जो अन्य फार्मा कंपनियों को इन तीनों के निर्माण की अनुमति नहीं देते दुनिया की 7.87 अरब आबादी को कोरोनावायरस चंगुल से बचाने के लिए वैक्सीन और दवाओं का उत्पादन बढ़ने के लिए पेटेंट कानूनों में ढील देने की जरूरत है। यूनिवर्सल एक्सप्रेस टू वैक्सीन एंड मेडिसिन अभियान सभी के लिए कोविड-19 उपलब्ध कराने हेतु उच्च शिक्षा संस्थानों एवं स्वदेशी जागरण मंच जैसे सामाजिक संगठनों के सदस्यों की एक टीम द्वारा दो ऑनलाइन याचिकाओं के माध्यम से दुनियाभर में शुरू किया गया है एक याचिका कुलपति या समकक्ष जैसे प्रख्यात व्यक्तियों के लिए और दूसरी अन्य लोगों के लिए। पहली याचिका पर देश के 2,000 से अधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किए और दूसरी याचिका पर भारत के विदेशों से 14 लाख से अधिक व्यक्तियों द्वारा 16 जून तक हस्ताक्षर किए गए इन याचिकाओं के माध्यम से अपील की गई है कि विश्व व्यापार संगठन पेटेंट फ्री वैक्सीन के लिए ट्रिप्स के प्रावधानों में छूट दे। वैक्सीन दवा कंपनियों स्वैच्छिक रूप से अन्य फार्मा कंपनियों को कोविड-19 के पीछे बनाने की प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित पेटेंट मुक्त अधिकार दे।सरकारें अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग कर अधिक दवा फार्मो को टीके बनाने का लाइसेंस दे। संबंधित व्यक्ति व संगठन मानवता हेतु अभियान का समर्थन करें।

स्वदेशी जागरण मंच की मांग कोविड वैक्सीन को पेटेंट फी किया जावे

गोहद। स्वदेशी जागरण जिला इकाई गोहद भिंड के तत्वावधान मे मंच के विश्व जागृति दिवस के रुप में 20 जून को कोरोना गाइड लाइन्स का पालन करते हुए पेटेंट मुक्त वैक्सिंग संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदर्शनात्मक पट्टियों पर विश्व व्यापार संगठन से मांग की गई कि मानवता के लिए वैक्सीन पर सभी का अधिकार होना चाहिए और कोविड वैक्सीन को पेटेंट मुक्त की जावे स्वदेशी जागरण मंच की ओर से देश के लगभग चौदह लाख लोगों ने पिटीशन पर अपने हस्ताक्षर कर वेक्सीन को पेटेंट फ्री किए जाने की मांग की है। मंच से जुड़े कार्यकर्ताओं ने कोविड वैक्सीन को सर्व सुलभ बनाने एवं पेटेंट मुक्त करने हेतु पोस्टर्स व बैनर हाथ में लेकर इसमें भाग लिया । इस अवसर पर मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत कार्यकरिणी सदस्य श्री महेंद्र शर्मा ने कहा कि वैश्विक मानवता आज कोविड-19 के रूप में एक अभूतपूर्व संकट व त्रासदी का सामना कर रही है। लोगों को कोरोना से बचाने के लिए दुनिया को लगभग 14 अरब वैक्सीन डोज की जरूरत है, जबकि पिछले लगभग 6 महीनों में सभी आठ फार्मा कंपनी द्वारा कोविड टीकों की केवल 200 करोड़ डोज का ही उत्पादन किया जा सका है। श्री शर्मा ने कहा है कि कोविड टीकों के बड़े पैमाने पर उत्पादन में रुकावट विश्व व्यापार संगठन के ट्रिप्स के प्रावधानों के तहत आने वाले पेटेंट कानून और बौद्धिक संपदा अधिकार है जो अन्य फार्मा कंपनियों को इन टीकों के निर्माण की अनुमति नहीं देते हैं । दुनिया की 7. 87 अरब आबादी को कोरोना के चंगुल से बचाने के लिए वैक्सीन और दवाओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए पेटेंट कानूनों में ढील देने की जरूरत है ।यूनिवर्सल एक्सेस टू वैक्सीन एंड मेडिसिन अभियान सभी के लिए कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराने हेतु उच्च शिक्षा संस्थानों और स्वदेशी जागरण मंच जैसे सामाजिक संगठनों के सदस्यों की एक टीम द्वारा दो ऑनलाइन याचिकाओं के माध्यम से दुनिया भर में शुरू किया गया है। इस दिवस पर पेटेंट मुक्त संकल्प कार्यक्रम में मंच के पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य डॉ संजय सिंह चौहान, अनुराग शर्मा, डॉ रामनिवास जैन, डॉ राजू पाल, विष्णु शुक्ला, धर्मवीर जयंत, अमित श्रीवास, आशिक खान, मोनू भदौरिया, जितेंद्र शर्मा, दिलीप उर्फ भल्ले गुर्जर, संतोष ओझा, सुरेश करोतिया, करू गुर्जर, जनरेल सिंह, रफीक खान, अनुज करोतिया आदि समाजसेवियों ने भाग लिया।

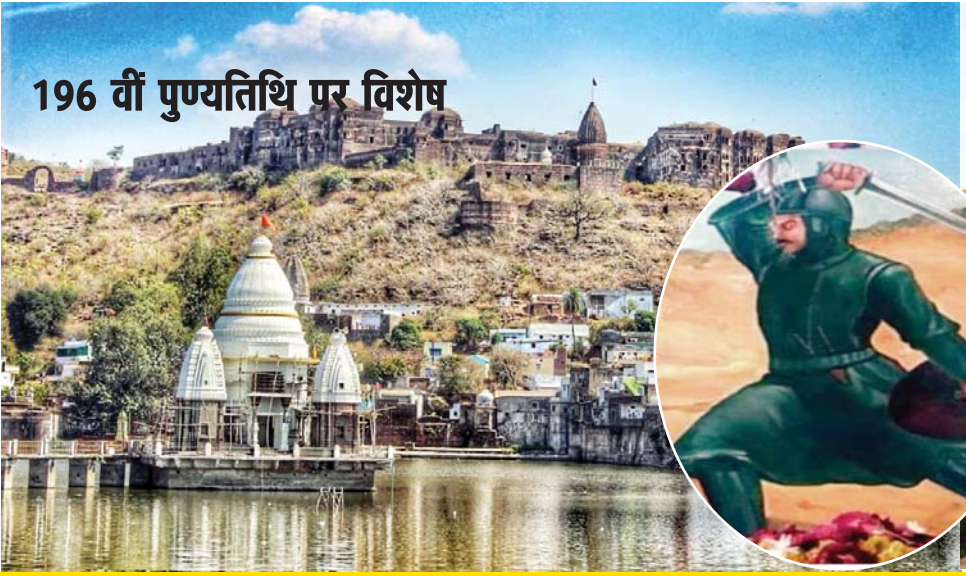

196 वीं पुण्यतिथि पर विशेष

नरसिंहगढ़ रियासत के राजकुंवर चैन सिंह

सीहोर में लड़ी गई थी आजादी की पहली लड़ाई मालवा की हल्दी घाटी भी कहते हैं लोग

● रघुवर दयाल गोहिया
भोपाल/सीहोर (पुष्पांजली टुडे)

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ देशभर में आजादी के मतवालों की जांबाजी और शहादत की कई कहानियां हमें रोमांचित करती हैं। इनमें से एक कहानी मध्यप्रदेश की नरसिंहगढ़ रियासत के राजकुंवर चैन सिंह की भी है। चैन सिंह 24 जुलाई 1824 को अंग्रेजी शासन के अधीन सेना से लड़ते हुए अपने 40 से अधिक जांबाज साथियों के साथ सीहोर के दशहरा वाले मैदान में शहीद हो गए थे। उस दिन दशहरा मैदान की भूमि शहीदों के रक्त से लाल हो गई थी। इस स्थान को लोग मालवा की हल्दी घाटी भी कहते हैं। इतिहास में दर्ज है कि नगर के इंदौर नाका के समीप स्थित दशहरा वाले मैदान में आज से करीब 194 साल पहले सन 1824 में 24 जुलाई को अंग्रेज परस्त सेना के साथ कुंवर चैन सिंह और उनके साथियों का भीषण संघर्ष हुआ था। अपनी अंतिम सांस रहने तक कुंवर चैन सिंह बहादुरी के साथ अंग्रेज सेना के साथ लड़ते लड़ते शहीद हुए थे। उनके साथ उनके जांबाज सैनिक हिम्मत खां और बहादुर खां भी शहीद हुए थे।

अंग्रेज सरकार के कट्टर विरोधी थे

कुंवर चैन सिंह को मध्य भारत में अंग्रेजों की बढती हुई ताकत बिलकुल भी नहीं सुहाती थी। वह हमेशा अंग्रेजों का विरोध करते थे। अंग्रेजों की कुटिल नजर नरसिंहगढ़ रियासत पर भी थी। इस रियासत को अपने कब्जे में करने के लिए उन्होंने लालच देकर रियासत के मंत्री आनंद राव बख्शी तथा दीवान रूपराम बोहरा को अपने साथ मिला लिया था। इसी दौरान इंदौर में होलकरों द्वारा देशी रजवाड़ों की एक गुप्त बैठक ब्रिटिश शासकों के खिलाफ बुलाई गई। इस बैठक में कुंवर चैन सिंह भी शामिल हुए। इसका खुलासा होने पर चैन सिंह ने रियासत के साथ गद्दारी करने वाले दीवान रूपराम बोहरा पर शक किया। इसके अलावा अंग्रेजों के अधीनस्थ आने वाले राज्यों पर लगने वाले टैक्स (खीरणी) से बचने के लिए दीवान रूपराम बोहरा के नाम 40 गांव लिख दिए थे। इस कारण वह इनका

मुख्त्यार बन गया था और जो सनद लिखी गई थी उसे वापस लौटा नहीं रहा था। इसके चलते ही चैन सिंह ने रूपराम बोहरा की हत्या करवा दी। बाद में रूपराम बोहरा के परिजनों ने इसकी ।जानकारी ब्रिटिश सरकार के तत्कालीन पोलिटिकल एजेंट मि. मेडाक को दे दी।

सीहोर छावनी में बुलाया गया था चैन सिंह को

इस मामले पर सफाई देने के लिए चैन सिंह को सीहोर बुलवाया गया था। पोलिटिकल एजेंट मि. मेडाक ने चैन सिंह के सामने तीन शर्त रखी थीं7 इसमें पहली शर्त यह थी कि रियासत का पूरा कार्य ब्रिटिश सरकार की निगरानी में किया जाय, दूसरी शर्त थी कि छेत्र की अफीम की कमाई का राजस्व दिया जाय और तीसरी शर्त थी कि चैन सिंह आगामी तीन साल के लिए काशी वास पर चले जाएं। अन्यथा उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चलाया जाएगा। इन तीनों शर्तों को चैन सिंह ने मानने से इनकार कर दिया।

1817 में भी लड़े थे अंग्रेजों के खिलाफ

21 दिसंबर 1817 को मल्हार राव होलकर द्वितीय और अंग्रेजों के बीच महिदपुर में युद्ध हुआ था। इस युद्ध में नरसिंहगढ़ रियासत के राजकुमार कुंअर चैन सिंह ने भी अपने सिपाहियों के साथ अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध किया था। युद्ध में मल्हार राव की पराजय हुई थी और उन्हें अंग्रेजों से संधि करने को विवश होना पड़ा था। यह संधि 16 दिन बाद 6 जनवरी 1818 को मंदसौर में हुई थी। इतिहास में इसे मंदसौर संधि के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर कुंवर चैन सिंह की भी अंग्रेजों से संधि हुई थी। महिदपुर युद्ध में कुंअर चैन सिंह द्वारा मल्हार राव होलकर द्वितीय का साथ देना और अंग्रेजों के विरुद्ध महिदपुर में युद्ध करना काफी अखर रहा था। इस कारण वह तभी से अंग्रेजों की आंख की किरकिरी बने हुए थे।

नरसिंहगढ़ रियासत छोड़ने को कहा गया था

राजगढ़ गजेटियर, वेस्टर्न स्टेट गजेटियर और चारण बंधु द्वारा लिखी गई पुस्तक के अनुसार 24 जुलाई 1824 को तत्कालीन नरसिंहगढ़ रियासत के शासक महाराजा सौभाग्य सिंह के पुत्र राजकुमार व कार्यकारी प्रमुख कुंवर चैन सिंह सीहोर जिला मुख्यालय पर अपने कैंप में थे7 इसी दिन अंग्रेजी हुकूमत के पोलिटिकल एजेंट मि. मेडाक और कप्तान जानसन से उनकी मुलाक़ात हुई थी7 तब उनसे राज्य की व्यवस्था अंग्रेजी हुकूमत को सौंपने और पेंशन लेकर काशी या दिल्ली में रहने को कहा गया था7 तभी कुंवर

चैन सिंह समझ गए थे कि अंग्रेजों की नियत में खोट है और अब युद्ध करना ही एक मात्र विकल्प है। इस प्रकार कुंवर चैन सिंह ने अपने विश्वस्त साथी हिम्मत खां, बहादुर खां और विभिन्न जाति, धर्मों के करीब 150 देशभक्तों के साथ अंग्रेजों से वीरता पूर्वक सशस्त्र युद्ध करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यह अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के इतिहास की बुनियाद है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। अमर शहीद कुंअर चैन सिंह की पुण्य तिथि 24 जुलाई को हर साल कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। सीहोर के दशहरा वाले बाग स्थित उनके शहादत स्थल पर बनी छत्री प्रांगण में श्रद्धांजलि कार्यक्रम होता है। राज्य सरकार की ओर से शहीद चैन सिंह के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाता है। इसी प्रकार नरसिंहगढ़ में उनके समाधि स्थल पर भी कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

यहां ब्रह्म मुहूर्त में सिद्ध अदृश्य शक्ति करती है महादेव का अभिषेक, कोई नहीं जानता मंदिर का रहस्य

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो

भारत में चमत्कार और रहस्यमयी कई मंदिर है जिनका रहस्य कोई नहीं जानता ना ही कोई इन रहस्यों की जड़ तक पहुंच पाता है। कहा जाता है की इस तरह के सभी मंदिरों में चमत्कार के पीछे इश्वर की शक्ति होती है। वहीं एक ऐसा चमत्कारी व रहस्यमय मंदिर मध्यप्रदेश में भी है। जहां शिवलिंग की पूजा व अभिषेक अदृश्य शक्ति द्वारा किया जाता है। जी हां मुरैना की तहसील कैलारस से 25 कि.मी दूर पहाडग़ढ़ के घने जंगलों में स्थित ईश्वरा महादेव मंदिर पर अदृश्य शक्ति द्वारा पूजा की जाती है। पहाड़गढ़ के इस घने जंगल की कंदरा में स्थित प्राचीन शिविलिंग का अपना विशेष महत्व है। मान्यता है कि मंदिर में चार बजे ब्रह्म मुहूर्त के समय कोई शक्ति स्वयं पूजा-अर्चना करने आती हैं। पुजारी द्वारा मंदिर के पट खोलने पर शिवलिंग 21 मुखी, 11 मुखी 7 मुखी बेलपत्रों, फूलों, चावल से अभीषेक हुआ मिलता है। इस अद्भुत शिवलिंग पर साल के 365 दिन कुदरती तौर पर पानी की बूंदें टपकती रहती हैं प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच बसे ईश्वरा महादेव का रहस्य वर्षों बाद भी नहीं सुलझ सका है। बताया जाता है कि इस रहस्य को जानने के कई प्रयास किए गए लेकिन सभी प्रयास विफल रहे। गुफा नुमा पहाड़ के नीचे शिवलिंग पर प्राकृतिक झरने से शिवलिंग के शीर्ष पर जलाभिषेक हो रहा है और ब्रह्म मुहूर्त में कोई सिद्ध शक्ति उपासाना करती है। पहाडग़ढ़ के जंगलों में पहाड़ों के बीच ईश्वरा महादेव का सिद्ध मंदिर बना हुआ है। बारिश के मौसम में यहां प्राकृतिक छटा देखने लायक होती है। इसलिए यह धार्मिक स्थल के साथ अच्छा पिकनिक स्पॉट है। ग्रामीण बताते हैं की यहाँ सिद्ध बाबा ने इन पहाड़ों के

बीच शिवलिंग स्थापित कर तपस्या की थी। तभी से शिवलिंग के शीर्ष पर प्राकृतिक झरना अविरल जलाभिषेक कर रहा है। यहां पुजारी ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के पट खोलते हैं, लेकिन तब तक कोई शिवलिंग का अभिषेक कर चुका होता है। लोगों का कहना है की इस मंदिर के गर्व गृह में रहस्यमयी पूजा को जानने के लिए किसी ने शिवलिंग के ऊपर हाथ रख लिया था लेकिन तभी अचानक तेज आंधी चली और फिर कुछ देर के लिए हाथ हटाया और अदृश्य भक्त शिव का पूजन कर गई, लेकिन जिस व्यक्ति ने शिवलिंग पर हाथ रखा था वो कोढ़ी हो गया? कई बार संत महात्माओं द्वारा भी इस रहस्य को जनने की कोशिश की गई लेकिन इसके बावजूद पूजा का समय होते ही साधुओं की झपकी लग गई और पलभर में कोई शक्ति Ishwara Mahadev शिवलिंग का अभिषेक कर गई। जब संतों की आंखे खुली तब शिवलिंग की पूजा हुई नज़र आई। लोगों का कहना है की शिवलिंग की स्थापना रावण के भाई विभीषण द्वारा की गई थी और उन्हें सप्त चिरंजीवियों में से एक माना गया है। इसलिए राजा विभीषण ही यहां पूजा करने आते हैं।

राजा ने लगाई फौज फिर भी हो गई गुप्त पूजा

ईशुरा महादेव मंदिर पर गुप्त पूजा-अर्चना के रहस्य को जानने का प्रयास पहाडग़ढ़ रियासत के राजा पंचम सिंह भी कर चुके हैं। उन्होंने रात में हो जाने वाली पूजा का रहस्य जानने के लिए अपनी सेना को मंदिर के इर्द-गिर्द लगा दिया था। चौकसी में लगी सेना सुबह चार बजे से पहले अचेतन अवस्था में चली गई। जब आंख खुली तो वहां पूजा-अर्चना हो चुकी थी। बताया जाता है की यहां ईश्वरा महादेव मंदिर के आसपास अनोखे बेलपत्र के पेड़ हैं। सामान्य तौर पर बेल की पत्तियां तीन-तीन के समूह में होती है, लेकिन यहां पांच, सात तक हैं। बताया तो यह भी जाता है कि कई बार शिवलिंग पर 21 के समूह वाली बेल पत्तियां भी देखी गई हैं।

थाना मारहरा पुलिस को कस्बा मारहरा के व्यापारियों तथा जनता द्वारा कोरोना वॉरियर्स के रूप में किया गया सम्मानित

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, एटा

एटा वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के दूसरे चरण में पुलिस के द्वारा लाकडाउन का पालन कराने, नागरिकों को संक्रमण से सुरक्षा हेतु नैतिकतापूर्वक किए गए कार्यों, कोविड संक्रमण को रोकने रिस्पांस टाइम में एहतियात कदम उठाने पर जिनके द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव और नियंत्रण के अलावा जरूरतमंदों की मदद की, इसके लिए कस्बा मारहरा के व्यापारियों तथा जनता द्वारा उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें कोरोना वारियर्स के रूप में सम्मानित किया। उन्होंने ने कहा कि कोरोना के द्वितीय फेज में जनपद के सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने कठिनाइयों व चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अच्छे कार्य किए हैं तथा पुलिस संक्रमण के दौर में निष्ठा व साहस का परिचय तथा मानवीय स्वरूप दिखाते हुए जिम्मेदारियों के साथ कार्य में डटी रही। संक्रमण के बावजूद भी पुलिस लगातार फील्ड में अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। जिले के सभी अधिकारी व जवानों ने वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के दौरान अच्छा कार्य किया है। सभी ने सामाजिक सरोकार का कार्य करते हुए जरूरतमंद लोगों को कोरोना से बचाव के लिए मास्क, सैनिटाइजर का वितरण किया साथ ही आवश्यकतानुसार लोगों को जरूरी मदद मुहैया कराई।

सेवापथ पर, निरन्तर तत्पर
कार्य अपना अंजाम करते हैं।
कोरोना वारियर्स
हम आपको सलाम करते हैं।।

समाज सेवी डॉ महेन्द्रसिंह नेतृत्व मे गायत्री सिनेमाघर परिसर मे जरंरतमदो को खाद्य सामग्री का वितरण किया

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो,नारायणलाल सैणचा

मैसूरु.गायत्री सिनेमाघर परिसर में संदलवुड कलाकार दर्शन अभिमानी संघ की ओर से सिनेमाघर के कर्मचारियों को राशन सामग्री के किट वितरित किए गए इस दौरान समाज सेवी डॉ महेन्द्रसिंह ने बताया की कोरोना के सक्रमंण को रोकने के लिए सरकार ने लॉकडाऊन का पालन करते हुए सभी सिनेमा घर बंद है ऐसे मे सिनेमाघरों मे काम करने वाले मजदूर के लिए आर्थिक सहयोग देना बहुत जरूरी है इसी क्रम मे आज जरंरतमदो को खाद्य सामग्री व सैनेटाईजर मास्क का वितरण किया इस मोके पर मंडया रमेश,पूर्व पार्षद संदेश स्वामी,बनूर महेंद्र सिंह राजपुरोहित,राजाराम,एसई गिरीश, विक्रम अयंगर आदि मौजूद रहे।

केंमेगौड़ा की तस्वीर पर माला पुष्प अर्पण कर जंयती मनाई

● नारायण लाल ब्यूरो चीफ

मैसूरु.कन्नड़ सेना पड़े संघ के तत्वावधान में लोक देवता व बेंगलूरु नगर निर्माता कैम्पेगौड़ा की जयंती मनाई गई। सर्व प्रथम केंपेगौड़ा की तस्वीर पर माला पहनाकर पुष्प अर्पण किए गए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मैसूरु दशहरा वस्तु प्रदर्शनी मैदान प्राधिकरण के अध्यक्ष हेमंत गौड़ा रहे द्य हेमंत गौड़ा व समाजदसेवी रघुराम वाजपई तथा बनूर महेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने अपने सम्बोधन में लोक देवता केंपेगौड़ा के जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला द्य इस दौरान संघ के अध्यक्ष तेजस लोकेश गौड़ा सदस्य एसई गिरीश सहित अन्य सदस्यगण मौजूद रहे।

बेटी या दुर्भाग्य ....?

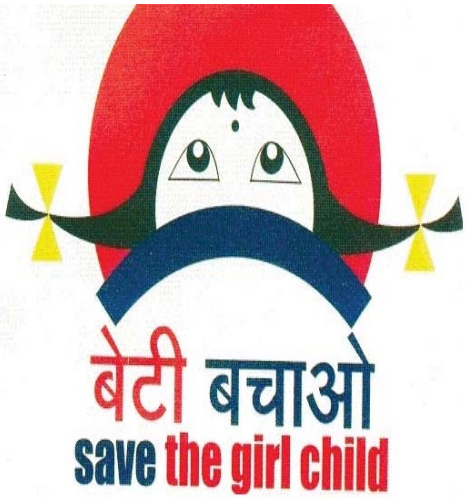

समय की पराकष्ठा का कोई मूल नहीं, जहां स्त्री को बहुत ही इज़्ज़त दी जाती है,वहीं स्त्री को पैरों तले कुचल भी दिया जाता है।

पल्लवी राहुल
(ज़िला–इटावा)

वह कहावत सिद्ध बैठती है ,जिसमें किसी लेखक ने यह कहा था कि इंसान धरती का ऐसा जानवर है जिसपर कभी विश्वास नहीं किया जा सकता उसने हर किसी से धोखा ही किया है और जैसा कि प्राकृतिक नियम है की कर्मा किसी को भी नहीं बख्शाता ,वह सिद्ध होकर ही रहती है ,यदि मानव जाति ने सामाजिक रहने का विकल्प चुन ही लिया था तो उसमें पुरुष ही प्रधान क्यों है ? स्त्रियों पर आये दिन अत्त्याचारों से लगता है जैसे स्त्री जाति में जन्म लेना बहुत ही दुर्भाग्य की बात है,स्त्री पूजन के लिए सब आगे रहते हैं,परंन्तु उनका साथ देने में कोई आगे नहीं आता यदि हक़ की बात आती है तो उनको सिवाय प्रताड़ना के कुछ भी नसीब नहीं होता,सामाजिक व्यक्तियों का सुझाव है कि स्त्रियों को बन्द कमरे में ही रहना चाहिए । क्या ऐसा नहीं हो सकता जिसकी नियत में खोट हो वह बन्द रहे ,स्त्री घूंघट में क्यों ? पुरूष आंख बंद करके क्यों नहीं चल सकते । आये दिन घिनोनी वारदातें होती रहती हैं नेताओं की चापलूसी करने वालो की तो बहारें आ जाती है। उत्तर प्रदेश के ही लाल टोपी वाले नेता जी ने हाथरस कांड में दोषियों से सहानुभूति जताते हुए यह कहा कि गलतियां तो हो जाती हैं,लगता है नेताजी जी कर्मा शब्द से वाकिफ नहीं है ऐसा ही खिलवाड़ प्रकृति के साथ किया जा रहा है जिसके भुगतान में मानव जाति को सिवाय विलुप्त होने के कुछ भी नसीब नहीं होगा । प्रकृति को मां का दर्जा भी दिया हुआ है और प्रताड़ित भी उसी को किया जाता है ।मानवों का यह दुर्व्यवहार प्रकृति और स्त्री के साथ अन्याय दोनों ही उसको ज़हरीली आग में झुलसने के लिए मजबूर कर देंगे ।अब भी सुधरने से मानव जाति खुद को विलुप्त होने से बचा सकती है।

बेटी पढ़ाओ

काजल गुप्ता, करैरा मप्र

यह कहानी है,गाँव के एक छोटे से खुशहाल परिवार की जिसमे कुल चार सदस्य थे उन चार सदस्यो में मुखिया जो गांव के सरपंच भी थे मुखिया सरपंच की पत्नी और उनके दो मासूम से छोटे छोटे बच्चे जिसमे एक लड़का और एक उनकी लाड़ली रानी बिटिया, गांव में सरपंच का परिवार काफी प्रसिद्ध, खुशहाल और अच्छा व्यवहारिक परिवार माना जाता है इस गाँव में किसी को भी कोई भी परेशानी या किसी भी तरह की आवश्यकता होती बहे सीधा सरपंच साहब के घर आता सरपंच साहब से पूरा गांव खुश रहा करता था ऐसी कोई भी समस्या ना थी जिसे सरपंच साहब ना समझ पाये उनके सूझ बूझ और समझदारी से फैसले लेने से पूरा गांव खुश रहेता था यहाँ तक की आस पास के गांव तक में उनके फैसले की चर्चा और प्रसंशा होती थी देखते ही देखते वक्त गुजरता गया अब सरपंच साहब का बेटा जो की उनकी बिटिया से बड़ा था अब स्कूल जाने लगा बड़े भाई को स्कूल जाता देख उसे भी स्कूल किताबे पढ़ाई से लगाव होता गया अब बेटी भी स्कूल जाने लायक हो गई तो उसे यह बोल के स्कूल जाने से रोका गया कि तूझे क्या जरूरत स्कूल और पढ़ाई की तुझे दूसरे घर जाना है और वहाँ पढ़ाई नही घर का काम काज काम आएगा इसलिए अब से रोज माँ का हाथ वटाया कर क्योंकि अब हमारी लाड़ली बिटियां रानी बड़ी हो गई है छोटी सी मासूम सी बिटियां ने अपने बापू की बात मान ली और दूसरे घर जाने के लिए घर का काम काज अपनी माँ से सीखने लगी देखते ही देखते दोनों बच्चे बड़े और समझदार होने लगे भाई को पढ़ता देख स्कूल जाता देख खेलता देख उसके मन में भी पढ़ाई का भूत फिर जाग गया उसने अपने भाई को बोला भाई मुझे भी पढ़ना है तुम मुझे सीखाओगे पढ़ना लिखना उसकी बात सुन कर उसका भाई बोला बापू कहते है कि पढ़ाई लिखाई लड़कियों के लिए नही बनी और तू क्या करेगी पढ़ के तुझे कोन सा बाहर कमाने जाना है यहां बापू कमा रहे ससुराल में तुझे तेरा पति कमा के खिलायेगा फिर तुझे क्या करना पढ़ के तुझे तो अपने ससुराल जाना है बहा जा कर बही सब काम करना है जो माँ तुझे सीखा रही इसलिए तू अपना ध्यान पढ़ाई से हटा कर घर के काम काज में लगा क्योंकि स्कूल नही रसोई ही तेरी असली जगह है और ससुराल में यही सब काम काम आएगा इसलिए बही कर जो माँ बापू तुझे सीखा रहे तेरे लिए बही सही रहेगा इसलिये पढ़ाई कि अब मत सोचना नही तो तेरी शिकायत बापू से करुंगा वह बचपन से ही बहुत डरी-डरी और सहमी-सहमी रहती थी हिम्मत कर के भाई से बोली तो उसने भी बापू से शिकायत करूंगा कहे के उसको और डरा दिया फिर देखते ही देखते दोनों शादी लायक हो गए सरपंच साहब अपनी रानी बिटियां के लिए एक अच्छा कमाऊ लड़के का रिश्ता लाये जिसकी खुद की एक अच्छी दुकान थी ससुराल में सास-ससुर और जेठ जेठानी थे सरपंच साहब ने खुशी खुशी अपनी रानी बिटियां को विदा कर ससुराल भेज दिया कुछ समय बाद सरपंच साहब की रानी बिटियां ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया सब कुछ अच्छा चल रहा था कि एक दिन अचानक बिटियां के पति का दिल का दोहरा पड़ने से उसकी अकाल मृत्यु हो गई चारों तरफ शोक का माहौल पसर गया तभी जेठ ने बोला में इतना नही कमाता की तुम दोनों का खर्च उठा सकू इसलिय अपने पति कि दुकान सम्हाल पाओ तो यहाँ रहना बरना हम तेरा और तेरे बेटे का कोई खर्च न उठायेंगे वही दूसरी तरफ सास ससुर ने भी बोल दिया उनके पास देने को कुछ भी नही है असहाय खड़ी बिटियां को माँ बापू अपने साथ मायके ले आये उसका भाई वहाँ तो कुछ ना बोला लेकिन घर आते ही उसने साफ-साफ शब्दो में बोल दिया कि मेरे पास इसको देने को ना पैसे है और ना घर में इसे यहाँ नही रहने दूंगा बेटे की बात सुन बूढ़े माँ बापू भी कुछ ना बोल पाये बापू ने अपनी बिटियां से बोला बेटी में और तेरी माँ हम दोनों लावारिस है तेरे भाई के टुकड़ो पर पल रहे इसलिए में चाहा कर भी तेरे लिए कुछ ना कर सकता अब तेरे लिए यहाँ भी कोई जगह नही इतना सुनते ही बेटी कि आँखे भर आई उसने बापू को ठीक वैसी ही नजरो से देखा जैसे वो बचपन में भाई को स्कूल जाते देखती थी वही

डरी-डरी,सहमी-सहमी लड़की आज अपने जीवन में पहली बार अपने हक के लिए बोली बापू मुझे भी स्कूल जाने दिया होता मुझे भी पढ़ाया लिखाया होता तो में आज अनपढ़ ना होती अपने पति की दुकान सम्हाल कर में अपना और अपने बेटे का जीवन सम्हाल पाती क्यों बापू तुमने मुझे पढ़ाई लिखाई से दूर क्यों रखा इतना सुनते ही बापू फुट-फूट के रोने लगे अपनी रानी बिटियां से अपनी गलती की माफ़ी मांगने लगे उसके साथ जो हो रहा उसमे खुद को अपराधी मानने लगे और चाहा कर भी वो अपनी औलाद के लिए कुछ ना कर सके जो इंसान सरपंच बन के हमेशा सच और न्याय के लिए लड़े लोगो को न्याय दिलाने में सबसे आगे रहे वही सरपंच साहब अपनी ही बेटी के लिए न्याय ना दिला सके..!! यह मात्र एक लेख नही है यह है हमारे समाज और मानवता के लिए एक पाठ है एक संकेत है कि भविष्य में क्या होगा ये हमारे हाथ में नही है लेकिन आज क्या होना चाहिए या क्या हो सकता है ये हमारे हाथ में है इसलिए कल की सोच के कभी भी अपना और अपनों का आज बर्बाद मत होने दो..!!

आज सरपंच साहब की बेटी पढ़ी लिखी होती तो उसे किसी के सामने हाथ ना फैलाने पढ़ते आज सरपंच साहब की बेटी है कल आपकी भी बेटी हो सकती है इसलिए अपनी बेटी को उच्च स्तर कि शिक्षा दिलाओ उसे इतना काविल बनाओ कि वो किसी का सर दर्द और किसी के सर का बोझ ना बने..!!और कुछ लाइने उन माँ-बाप के लिए, कि राजा बेटा है तो उसे राजा बेटा ही रहने दो उसे घर का मालिक ना बनाओ बरना जो हाल सरपंच साहब का हुआ वही हाल कल आपका भी हो सकता है इसलिए बेटी को पढ़ाओ और घर का मालिक अपने राजा बेटे को मत बनाओ..!!

बीजेपी विधायक के 15 सालों के राज में ऐसा हाल, नाव और खाट के भरोसे मरीजों की जान

कटनी-आज पूरी दुनिया आसमान में उड़ान भर रही है। लेकिन भारत में आज भी कई ऐसे गांव और कस्बे हैं, जहां जमीन पर चलने के लिए सड़क तक नहीं है। प्रदेश की सरकार लगातार यह दावा करती है कि विकास की गंगा हर गांव, गली और कूचे-कस्बे तक बह रही है। लेकिन धरातल स्तर पर प्रदेश के कई शहरों से ऐसी तस्वीरें निकल कर हमारे सामने आ जाती हैं, जो मुख्यमंत्री के दावों पर सवाल खड़ी करती नजर आती है। कुछ ऐसी ही तस्वीर मध्यप्रदेश के कटनी जिले से निकलकर सामने आई है, जो विकास के तमाम दावों को सिरे से खारिज कर रही है। हम बात कर रहे हैं कटनी जिले के विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र की। सड़क नहीं होने की वजह से एंबुलेंस या गाड़ियां गांव तक नहीं पहुंच पाती जिसकी वजह से किसी की तबियत खराब होने पर उसे कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। पिछले 15 साल से संजय सत्येन्द्र पाठक यहां के विधायक हैं वे शिवराज कैबिनेट में लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री भी रह चुके हैं। सत्तारुढ़ दल का विधायक होने के बावजूद यहां अब भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में गुजारा करना पड़ रहा है।

अर्पित गुप्ता
पत्रकार/लेखक

15 सालों में कहां हुआ विकास?

खास बात तो यह है कि इसी विधानसभा सीट से विधायक के पिता सत्येन्द्र पाठक भी विधायक और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं, लेकिन विकास के नाम पर अपने विधानसभा क्षेत्र में वे भी सड़कें तक नहीं बनवा पाए। जिसकी वजह से इलाके के लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कई ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जो इस बात का सबूत है कि क्षेत्र के विधायक ने पिछले पंद्रह साल में अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए कितना कुछ किया है।

खाट के सहारे मरीजों की जिंदगी

गांव में सड़क ना होने के चलते मरीजों को खाट के सहारे कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाया जाता है। हैरत तो इस बात की है कि इसकी जानकारी विधायक और जिला प्रशासन को भी है, लेकिन फिर भी वे हाथ पर हाथ धरकर बैठे हुए हैं। कई ऐसे मरीजों को भी इसी तरह से खाट के सहारे लेकर जाया जाता है, जो रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। गांववालों के लिए अब यह आम बात हो चुकी है। अपनी बेबसी को उन्होंने अपनी किस्मत समझ लिया है।

किसी से छिपे नहीं हैं हालात

ग्रामीणों से जब हमने बात की तो उन्होंने बताया कि इसके लिए वे विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनकी किसी ने नहीं सुनी। चुनाव आते हैं, मंत्री जी वादा करते हैं और चुनाव खत्म होते ही भूल जाते हैं।

सड़क नहीं तो नाव के सहारे चल रहा जीवन

वहीं इस गांव से एक और तस्वीर निकलकर सामने आई है। जहां सड़क ना होने की वजह से ग्रामीणों को नाव की मदद से नदी पार करनी पड़ती है। यहां तक की अगर किसी की गांव में मौत भी हो जाती है तो शव को नदी पार पहुंचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। मामला बिजरावगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बरही नगर के खेरवा गांव का है।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही कई तोड़ चुके हैं दम

ग्रामीणों ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार चंदन नाम के युवक को सांप ने काट लिया। जिसके बाद आनन-फानन में चंदन को नाव के जरिए बरही अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो गई और युवक के शरीर में जहर पूरी तरह से फैल गया, जिसके बाद उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि इस गांव के लोग दो बार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार भी कर चुके हैं। मांग की गई थी कि सड़क नहीं तो वोट नहीं। लेकिन फिर भी इनकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया और अब भी जीवन नाव के सहारे ही चल रहा है। इन तमाम तस्वीरों से इस गांव की स्थिति पूरी तरह से साफ है कि 20 सालों से इस इलाके में विकास के नाम पर कुछ खास नहीं हुआ है। सरकार कितने ही दावे क्यों ना करती हो, लेकिन धरातल स्तर पर विकास की कहानी कुछ और ही है।

एटा- रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित हुआ भव्य दीक्षांत समारोह

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा ने परेड का निरीक्षण कर ली सलामी, रिक्रूट आरक्षियों को दिलाई कर्तव्य एवं सत्यनिष्ठा की शपथ

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, एटा

पुलिस लाईन एटा स्थित परेड ग्राउण्ड पर 169 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ । इस परेड में मुख्य अतिथि का मान प्रणाम श्री उदय शंकर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा प्राप्त किया गया तथा श्री ओमप्रकाश सिंह , अपर पुलिस अधीक्षक/प्रभारी राजपत्रित अधिकारी आर0टी0सी0 व्दारा परेड की सलामी ली गयी।

जनपद एटा के रिक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र को 170 रिक्रूट, प्रशिक्षण हेतु आंवटित हुए जिनका 6 माह का गहन प्रशिक्षण अपर पुलिस अधीक्षक एटा के निर्देशन तथा श्री इरफान नासिर खान, क्षेत्राधिकारी लाइन के पर्यवेक्षण में दिनांक 03.11.2020 में आरम्भ हुआ। रिक्रुट आरक्षियों में अनुशासन कायम रखने, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ व्दारा निर्धारित पाठयक्रम का निर्धारित समयानुसार क्रियान्वयन करने के उत्तरदायित्व का निवर्हन श्री हरपाल सिंह, प्रतिसार निरीक्षक एवं श्री गया सिंह चैहान उ0नि0स0पु0/प्रभारी आर0टी0सी0 एवं आर0टी0सी0 मेजर सीताराम व्दारा किया गया। प्रशिक्षण निदेशालय व्दारा निर्धारित पाठयक्रम के अन्तः विषयों का प्रशिक्षण देने आर0टी0सी0 में प्राध्यापक के रूप में *1-निरीक्षक/ प्राध्यापक श्री केंद्र कुमार बालियान, 2- निरीक्षक/ प्राध्यापक श्री जनवेद सिंह 3- निरीक्षक श्री रूप किशोर निगम 4- उपनिरीक्षक श्री सुरेंद्र पाल शर्मा 5- उपनिरीक्षक श्री रोहिताश सिंह व 6- आरक्षी अध्यापक राहुल कुमार बाहय विषयों के प्रशिक्षण हेतु 8 आईटीआई तथा 4 पीटीआई भी आर0टी0सी0 में नियुक्त रहे। इस समस्त स्टाफ व्दारा दिन रात अथक परिश्रम कर रिक्रुट आरक्षियों को आन्तरिक एवं बाहय विषयों का प्रशिक्षण निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया गया। 169 रिक्रुट आरक्षियों की अन्तिम परीक्षा दिनॉक 21.05.21 को सम्पन्न हुयी। उत्तीर्ण 169 रिक्रुट आरक्षियों की दीक्षांत परेड के प्रथम परेड कमाण्डर रिक्रूट आरक्षी 152 अक्षय मलिक द्वितीय परेड कमाण्डर रि0आ0 03 चिराग शर्मा तथा तृतीय परेड कमाण्डर रि0आ0 46 अभिषेक पंवार रहे जिन्हें परेड की उत्कृष्ट कमाण्ड के फलस्वरूप मुख्य अतिथि व्दारा पुरस्कृत किया गया।

अन्तः विषयों में प्रथम स्थान पाने वाले रिक्रूट आरक्षी-49 मो0 जावेद, 92 अंकित कुमार, 31 अनिकेत, 159 निकेश मावी, 167 सुमित कुमार, 157 हेमंत भारद्वाज, 108 मोनू सिंह, 123 मोहित कुमार रहे। बाह्य कक्षीय विषयों में प्रथम स्थान पाने वाले रिक्रूट आरक्षी- 159 निकेश मावी, 114 अंकित, 127 गजेंद्र कुमार, 167 सुमित कुमार, 86 मनीष कुमार, 14 प्रदीप कुमार, 02 गौरव चौधरी, 14 प्रदीप कुमार, 70 नितिन कुमार, 30 ऋषभ देशवाल, 46 अभिषेक पंवार रहे। आरटीसी परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ केडिट रि0आ0 30 ऋषभ देशवाल घोषित हुआ। इन सभी रिक्रूट आरक्षियों को मुख्य अतिथि द्वारा परेड के दौरान पुरस्कृत किया गया। सर्वोत्तम प्रशिक्षक के रुप में उप निरीक्षक/प्राध्यापक, श्री रोहिताश सिंह, आई.टी.आई श्री जागेश्वर यादव तथा श्री यशवीर सिंह आरक्षी/पी.टी.आई. रहे जिन्हें भी मुख्य अतिथि द्वारा पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने अभिभाषण में रिक्रूट आरक्षियों को अपने कर्तव्य एंव उत्तरदायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक व ईमानदारी के साथ करते हुए पुलिस विभाग एंव जनता के मध्य अपनी जगह/छवि बनाने का सुझाव दिया गया। इसके अतिरिक्त पीड़ित व्यक्तियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उसका सम्यक निराकरण करने तथा अपना व्यवहार शालीनता का रखने की भी अपेक्षा की गयी। परेड के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा द्वारा दीक्षांत परेड में सम्मिलित सभी 169 रिक्रूट आरक्षियों को प्रशिक्षण निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जारी शपथ के अनुसार निम्न शपथ ग्रहण करायी गयी।

मैं शपथ लेता हूँ, और सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं भारत के विधि द्वारा स्थापित, भारत के संविधान के प्रति, श्रद्धा और सच्ची निष्ठा रखूँगा और मैं भारत की समप्रभुता और अखण्डता, अक्षुण रखूँगा तथा अपने पद के कर्तव्यों का राजभक्ति और निष्पक्षता से पालन करुँगा।

ईश्वर मेरी सहायता करे। समारोह के अन्त में मुख्य अतिथि व्दारा अल्प समयावधि में दीक्षान्त परेड का भव्य आयोजन कराने के लिए श्री इरफान नासिर खान-क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षण, श्री हरपाल सिंह-प्रतिसार निरीक्षक, पीटीआई नरवीर सिंह व अन्य सहायोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए उनके व्दारा किए गए अथम परिश्रम की प्रशंसा की गयी तथा दीक्षान्त परेड में आए सभी अधिकारियों/कर्मचारियों, पत्रकार बन्धुओं, जनता के सम्भ्रान्त व्यक्तियों व रिक्रुट आरक्षियों के उपस्थित परिवारीजन का भी आभार व्यक्त किया गया।

1810 में जब ग्वालियर बनीं राजधानी

दौलतराव सिंधिया का विवाह कोल्हापुर क्षेत्र के एक जागीदार सरकार सर्जेराव घाटवों की 14 वर्षीय पुत्री बैजाबाई से पुणे में हुआ। इस विवाह में पेशवा भी शामिल हुआ। उस समय जब दौलतराव अंग्रेजों से उलझा हुआ था सरदार सजैराव घाटगे ने दौलतराव और उसकी विभाताओं (महादजी सिंधिया की विधवा बाइयों) के बीच मतभेद पैदा कर दिये। बात इतनी बढ़ गई कि विभाताएं दौलतराव के विरुद्ध हो गईं। महादजी के विश्वस्त रहे सरदार लखवा दादा ने जब विभामाओं का पक्ष लिया तो दौलतराव ने उसे अपनी सेना से हटा दिया। तब लखवा दादा अपनी सेना के साथ विभाताओं को लेकर दतिया नरेश शत्रुजीत के यहां पहुंचे शत्रुजीत ने सहानुभूति दिखाते हुए लखवा दादा और विभाताओं को सुरक्षा के साथ सेवढ़ा के किले में ठहरा दिया। इससे दौलतराव आग बबूला हो उठा और उसने अपने मंत्री अम्बाजी इंग्ले को लखवा दादा से निपटने सेवढ़ा भेजा। उस समय लखवा दादा की अपनी सेना के साथ झांसी के सूबेदार शिवराम भाऊ का सहयोग और दतिया नरेश शत्रुजीत की सेना का बल भी शामिल था। स्वयं दतिया नरेश शत्रुजीत भी अम्बाही इंग्ले की यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित सेना से भिड़ने सेवढ़ा जा पहुंचा। लखवा दादा का पक्ष हर तरफ से मजबूत होने के बावजूद वह यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित सिंधिया की सेना के आगे टिक नहीं सका। घायलावस्था में लखवा दादा विभाताओं को लेकर दतिया निकल गया। लेकिन इस लड़ाई में दतिया राज्य को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। रणभूमि में गंभीर रूप से घायल दतिया नरेश शत्रुजीत को प्राण गंवाने पड़े। लेकिन दौलतराव सिंधिया की सेना को भी यह संघर्ष इतना भारी पड़ा कि फिर उसकी सेना की दतिया की तरफ जाने की हिम्मत नहीं हुई। बाद में अम्बाजी इंगले ने दौलतराव की ओर से लखवा दादा और विभाताओं से चर्चा की और एक समाधान संधि से इस विवाद को खत्म किया। सरदार सुर्जेराव घाटगे द्वारा लगाई गई इस पारिवारिक आग से दौलतराव तो जैसे-तैसे बच निकला। लेकिन उसकी मृत्यु के बाद यही घटनाक्रम उसकी पत्नी और सरदार सुर्जेराव घाटगे की पुत्री महारानी बैजाबाई तथा जनकोजी राव के बीच रिपीट हुआ, जिसकी चर्चा हम आगे करेंगे।

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

सन् 1974 से 1827 तक ग्वालियर के शासक रहे दौलतराव सिंधिया ने मराठों के हर संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया। लगभग 19 वर्ष की आयु में महादजी सिंधिया के उत्तराधिकारी के रूप में जिस पराक्रमी मराठा सरदार के उभरने की उम्मीद लगाई जा रही थी, दौलतराव सिंधिया ने उससे कहीं

बढ़कर पराक्रम दिखाने की कोशिश की परन्तु मराठा सरदारों के बीच आपसी कलह और कमजोर पेशवा के कारण मराठों का पतन शुरू हो चुका था। अंग्रेजों के साथ द्वितीय मराठा युद्ध (1803-05) में मराठों की हार और महादजी के जमाने से चला आ रहा होल्कर सिंधिया वैमनस्य दोनों ही मराठा सरदारों के लिए आत्मघाती सिद्ध हुआ। सन् 1817-19 में हुए तीसरे अंग्रेज-मराठा युद्ध ने तो मराठों के पराक्रम पर विराम ही लगा दिया।

अपने इस संघर्ष की यात्रा में दौलतराव सिंधिया ने होल्कर के इंदौर से दूर 1810 में ग्वालियर को अपना नया ठिकाना बनाया। ग्वालियर किले के दक्षिण में नए नगर लश्कर की बसावट शुरू हुई और धीरे-धीरे उज्जैन की जगह ग्वालियर ने सिंधिया रियासत की राजधानी का रूप ले लिया। दौलतराव ने जिस भवन को अपना आवास बनाया, उसमें वर्तमान में कमलाराजा महाविद्यालय संचालित है। इंदौर से दूर चले आने के बाद भी दौलतराव की परेशानियां दूर नहीं हुईं। सन् 1813 में गवर्नर जनरल बनतेही लार्ड हैस्टिगन ने पिण्डारियों का साथ देने के नाम पर दौलतराव पर शिकंजा कसा। इससे दौलतराव पहले तो क्रोधित हुआ किन्तु स्थिति भांपकर 5 नवंबर 1817 को उसने अंग्रेजों से एक नई संधि कर ली। इस संधि में उसने पिंडारियों के खिलाफ पूर्ण सहयोग का वचन दिया। इसके बाद 1818 में अंग्रेजों के साथ दौलतराव ने दूसरी संधि की जिसमें अंग्रेजों ने दौलतराव के क्षेत्र की सीमाओं का फिर से समायोजन किया। इस समायोजन में ग्वालियर क्षेत्र से दूर दराज के भूभाग, जिसमें अजमेर भी शामिल थे ले लिए गए और उनके स्थान पर नरवर, शिवपुरी, और मालवा क्षेत्र के कुछ भू-भाग पर ग्वालियर क्षेत्र में शामिल कर दिए गए। इस समायोजन से ग्वालियर रियासत का जो स्वरूप बना, लगभग वहीं आगे भी जारी रहा। लगभग यही स्थिति होल्कर और अंग्रेजों के बीच रही। लेकिन 1818 में ग्वालियर रियासत की जो संरचना हुई उस पर सिंधिया स्टेट के शासक के रूप में दौलतराव सिंधिया ने मृत्युपर्यन्त अंग्रेजों के आश्रित के रूप में राज्य किया। मालवा में होल्कर और देवास में पंवार भी अंग्रेजों के आश्रित के रूप में शासक बने। इस तरह होल्कर और सिंधिया के वमनस, अंग्रेजों का आश्रित बनने पर ही खत्म हुई और इंदौर और ग्वालियर रियासत के एक नए युग की शुरूआत भी यही से हुई।

जल की महिमा

पानी के बगैर जीवन सम्भव नहीं है इसी समस्या से जूझता हुआ मेरा गांव जसोला पानी की कमी से पुरा गांव दुखी और परेशान था मेरे गांव के हर नागरिक के मन मै पानी की बजह सेअशाति ओर निराशा थी पानी की कमी से जमीन फटने लगी जमीन की उर्वरता नष्ट होने लगी जानवर बेहाल होकर मर रहे थे पीने के लिए पानी क ई मील चलकर लाना पड़ता था मेरे गांव के सभी कुंआ ,तालाब सूख चुके थे दुषित पानी का उपयोग भी गांव बाले करने लगे थे इस बजह से बीमारी भी बढ़ने लगी हर तरह से गांव के हालात बदसे बत्तर होने लगें जसोला गांव मैं राधा काकी का परिवार भी रहता था राधा काकी के तीन बेटे और एक बेटी थी बेटे बड़े थे शादी योग्य उनकी उम्र हो गई थी पर उस गांव मैं कोई भी दुसरे गांव के लोग अपनी लड़की की शादी उस गांव मैं नहीं करना चाहते थे वजह गांव मैं जल समस्या काफी वन होना जसोला गांव की महिलाओं को क ई मील से पानी लाने जाना पड़ता था आधा दिन तो पानी लाने मैं ही निकल जाता था पुरा गांव पानी की समस्या से जूझ रहा था राधा काकी की बेटी समझदार थी उसने घर के बाहर एक गड्ढा खोदा और घर का जो भी अन उपयोगी पानी निकलता था वह उस गड्ढे मैं एकत्र होने लगा उस पानी को साफ करके उसे उन लोगों ने पेड़,पोधो मैं डालने लगे इससे गांव मैं थोड़ी सी हरियाली भी दिखने लगीं पर पानी की समस्या अभी भी बनी हुई थी इस के लिए महिलाओं ने एक योजना बनाई कि क्यो न हम बारिश के पहले ऐसा कुछ करें जिससे हम पानी को सहेज सके इस के लिए उन्होंने गांव के मर्दों से कहां तो उन्होंने सभी महिलाओं को मुर्ख कह कर उनका साथ देने से मना कर दिया राधा काकी ओर उनकी बेटी ने मिलकर गांव की ओर महिलाओं से बात की तो कुछ महिलाएं साथ हुई दिन के कुछ घंटे महिलाएं इसी काम मैं देने लगी गांव का जितना भी बारिश का पानी बहता था उसे उन लोगों ने नल्लियां बनाकर कुंओ से मिला दिया दुसरा गांव के बाहर खुद ही श्रमदान से एक तालाब बनाया जहां पर सारे गांव का ढलान था तो गांव का सारा पानी वहां एकत्र होने लगा रद्द ये सब देख कर उस गांव के पुरुष महिलाओं की वाह वाह करने लगें और फिर बो लोग भी महिलाओं का साथ जल समाधान के लिए देने लगे जब कुछ समय बाद बारिश हुई तो तालाब मैं पानी भरने लगा और कुंओ मैं भी घरों की छतों का पानी पहुंचने लगा तो गांव मैं कुछ जल की समस्या हल होने लगी फिर गांव के सभी बहनों के प्रयास से ओर परचितो कीकुछ सहायता से गांव मैं एक बोरबेल भी हो गयी थी और तालाब की बजह से जमीन का जल स्तर भी ठीक हो गया गांव मैं खुशहाली का माहोल हो गया सभी ने मिलकर राधाकाकी ओर उसकी बेटी को? सम्मानित किया अब सभी लोग पानी को सहेजने ओर प्रर्यावरण को सुधारने के लिए तैयार रहने लगे सभी गांव बालों के लिए एक कहावत सही बैठती है मुश्किलो से हारना मंजूर नहीं हमको हालात को अपने हक मैं करना आता हे हमें वर्षा के जल को सहेजना होगा ये दायित्व निभाना होगा।

आशा त्रिपाठी, ग्वालियर
पुष्पांजली टुडे

मैं गुमनाम सी : कविता संग्रह

आपका मन अगर आज भी स्पंदित होता है भावों के साथ, एक सोता कल्पनाओं का बह रहा है तो किसी जगह तो ठहरा होगा पानी.... भाव बनकर लहर तरंगित हो रहे होंगे। निगाहें तलाशती रहती होंगी एक कंकरी यादों की उछालने को उस शांत पानी में जिससे लहरें बे-काबू होकर ऐसा कुछ गुनगुनानें लगें जिससे दिल की बे-क़रारी को कुछ आराम आये।

प्रस्तुत काव्य-संग्रह मैं गुमनाम सी जिसकी रचियता हैं पूजा बहार एक बेहतर विकल्प हो सकता है उन लम्हों को जीने के लिए जिन्हें वक़्त ने गुमा दिया था उस मोड़ पर जो अब बहुत दूर रह गया था।

संग्रह की 75 कविताएँ सनद हैं कवयित्री की उस कल्पना की जो ठोस वैचारिक धरातल पर नंगे पाँव चल रही हैं। बे-पर परवाज़ आसमान में नहीं उड़ रही हैं महज़ सपनों की.....

शीर्षक में गुमनामी का ज़िक्र है जो भ्रमित करता है। दरअसल यह उस उदासी का द्योतक है जो दिल के किसी वीरान कोनें में ठहरी है अपने आस-पास के हालात को देखकर। व्याकुल हो जाती है जो शब्द बनकर बिखरने को काग़ज़ पर शब्दों को ढाल भावों में, उस माला में पिरोने के लिए फूलों सा जिसकी महक देर तक रहे आस-पास।

यह इतना आसान नहीं है जितना लगता है, इतने फूलों को गूंथने के लिए समय चाहिए और हर दिन एक नई सुबह लेकर आता है। बदलते मूड की स्पष्ट झलक मिलती है पूजा की रचनाओं में। आशा, तर्क, उम्मीद मौजूद है पूजा की रचनाओं में। हौसला और स्त्री विमर्श भी है लेकिन शैली बहुत अलग है।

आनंद एक दिए की लौ सा थरथराता है जिसमें उत्साह की ज्योति में दूर कहीं उदासी का तिमिर भी गले मिलता प्रतीत होता है प्रकाश पुंज से।

मानवता की भावना को चरितार्थ करती पंक्तियाँ प्रस्तुत करना चाहूँगा ङ्क

मंदिर-मस्ज़िद और गुरुद्वारा
तेरा हर घर लगे मुझे है प्यारा
पहन चोला इंसानियत का
मानवता के पथ पर चलती जाऊँ
तेरी दया दृष्टि मुझ पर पड़ जाए तो
मैं गिरतों को उठाती जाऊँ।

पूजा सामयिक दृश्यों को कैद करती है अपनी लेखनी में। क्रोध भी चिंगारी नहीं पारिजात के फूल सा अनुरोध करता प्रतीत होता है।

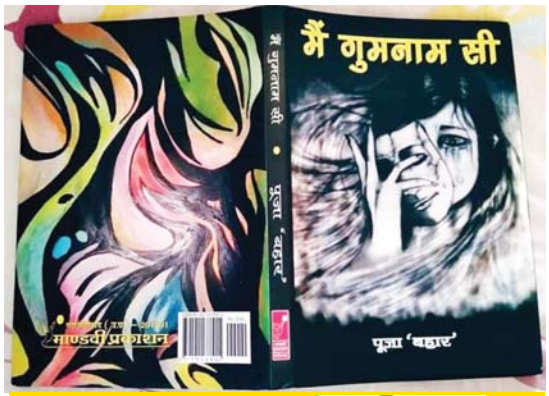

मैं गुमनाम सी : कविता संग्रह
कवयित्री : पूजा बहार
संस्करण : प्रथम (सितम्बर 2019)
प्रकाशक : माण्डवी प्रकाशन, ग़ाज़ियाबाद
मूल्य : 200/- रूपये (भारत में)
पृष्ठ संख्या : 128

कोई मर गया है मेरे भीतर
ऐ ज़मानों वालों ज़रा इसको तो दफना दो
मेरे भीतर एक लाश पड़ी है
ज़रा इसको तो आग लगा दो।

एक और बानगी जिसमें बेटी की आह घुट रही है उसके ही अन्दर, कितनी खूबसूरती से बयां किया है पूजा ने अपने शब्दों में।

अम्मा ! मुझे मत छुओ मैं मैली हो गयी हूँ
न उठाना चादर मेरे लहूलुहान नंगे जिस्म से
देखकर तेरी नज़र भी शर्मसार हो जायेगी
दर्द मुझे हो रहा है कलेजा तेरा करहायेगा
कल तक सखी-सहेली पूरे मोहल्ले की चहेती थी मैं
आज मैं अकेली हो गयी हूँ।

वर्तमान परिस्थितियों में नैतिक मूल्यों व इंसानियत की बात करना बहुत मुश्किल हो गया है। ऐसे समय में पूजा बात करती है भावनाओं की, आत्मसम्मान की, स्वाभिमान की और परहित की..... यकीनन भावभूमि में रोपित बीज से जो प्रांकुर प्रस्फुटित हुए हैं वे इस काल के नहीं हैं, यह भी पूजा ने अपने समर्पण में स्पष्ट कर दिया है। दादा-दादी को समर्पित यह संग्रह पठनीय होने के साथ संग्रहणीय भी है।

हृदय से बधाई पूजा.... आगे भी आपकी सुलेखनी से काव्य रस यूँ ही बरसता रहे, अशेष मंगलकामनाएं।

मुकेश दुबे

सेहत से जुड़े 10 सवाल

इम्युनिटी आप सोचिए संभव कैसे है?

1. 2से 3दिन पुरानी ब्रेड पर 3से 6 महीने पुराना जैम लगाकर और दो से तीन दिन पुराना थैली वाला दूध पीकर अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है? एक बार सोच कर देखिए घर की ठंडी रोटी ओर दही छाछ राबड़ी के महत्व को।

डॉ. रमाकांत शर्मा
(मुख्य चिकित्सा अधिकारी)
नवनीत चिकित्सा केन्द्र
बस्सी राजस्थान

2. कई महीने पुराना केमिकल युक्त प्लास्टिक की बोतल में बंद mineral water जिसमें कोई मिनरल्स नहीं है अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है? एक बार सोचकर देखिए मिट्टी की सुराही या मटके का शीतल जल का महत्व।

3 . 85प्रश पानी मिला पैकेटबन्द फ्रूट जूस जिसमे तरह तरह के केमिकल और प्रिजर्वेटिव मिला हुआ है अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है? सोचकर देखिए अपनी बघारी छाछ, गन्ने का रस,चंदन खस गुलाब व मोगरे के शर्बत का महत्व।

4 .ऐसी अनेक चीजे है जो आपके आस है उनको देखिए समझिए और अपने बच्चो को समझाए की चीज़/ बटर /पीजा/ पास्ता / बेकरी / मेयोनीज/ पैकेट में बंद नाइट्रोजन युक्त प्रिजर्वेटिव मिला पाम ऑयल और कई तरह के कोड वर्ड में लिखे हुए ingredients जिनको बिना समझे आप खाकर खुद को शाकाहारी समझते हैं। अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है?

5 .योग और प्राणायाम और बिना खुली हवा के air condition जिम में कसरत करके दिनभर में एसी और सिर्फ एसी में रहने वाले आपके फेफड़े किसी वायरस का झटका शायद ही झेल पाएं ।

6 .ज्वार बाजरा रागी और भी कई सारे धान छोड़ कर सिर्फ और सिर्फ केमिकल युक्त गेंहू के भरोसे ओर अपने कोयलों पर सिके भुट्टे को छोड़कर फ़रोज़ेन अमेरिकन कॉर्न खाकर आप अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है?

7 .नन्हे नन्हे बच्चों को दादी और नानी के नुस्खे छोड़ कर आप डब्बा बंद प्रोटीन देकर सोचते है की ये स्ट्रॉन्ग बन रहा है और स्ट्रॉन्ग immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है? कहाँ है दादी नानी के हाथ की बनी सतनजिया मठरी सुहाली और नमक पारे ।जिन्हें replace कर दिया है सस्ते margarine की कुकीज़ ने।

8 .नहाने से लेकर संवारने तक खुद भी और बच्चे भी कितने केमिकल से गुजरते हैं ओर सोचते हो की शरीर के पोने तीन करोड़ रोम छिद्रों का कोई महत्व नहीं है अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है? कहाँ खो गयी बेसन मलाई की उबटन,मुलतानी मिट्टी ओर रीठे शिकाकाई के झाग।

9 . मौसम के ताजा फल और उनका रस, मौसम की सब्जियाँ, तुलसी जी कड़ी पत्ता ताजा नींबू और तरह तरह के घर में बने मुरब्बे और नाश्ते की जगह पैकेट वाला नाश्ता और भोजन खाकर अगर immunity की इच्छा रखतें हैं तो आप सोचिए संभव कैसे है?

10 .आइये अपनी जड़ों को खोजें और उन्हें पोषित करें लौटें back to basics पर क्यों की जो पेड़ अपनी जड़ से कट जातें है वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकते ।

कोरोना बैक्सीन अभेद्य सुरक्षा कवच है: एसडीएम राजीव समाधिया

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... एसडीएम राजीव समाधिया ने कहां की कोरोना वैक्सीन देश के लिए अभेद्य सुरक्षा कवच है उन्होंने कोरोना वैक्सीनेशन कराने के बाद कहा कि वैक्सीन स्वयं के और परिवार के लिए संजीवनी है श्री समाधिया का अम्बाह के सिबिल अस्पताल में डा. यादव के देखरेख में वैक्सीनेशन किया गया है उन्होंने अस्पताल के सभी डॉ और समस्त स्टाफ को साधुवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

चम्बल के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल

मुरैना भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त का एक नगर है। यह मुरैना जिला मुख्यालय भी है। उत्तरी मध्य प्रदेश में स्थित मुरैना चंबल घाटी का प्रमुख जिला है। 5000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैले इस जिले से चंबल, कुंवारी, आसन और सांक नदियां बहती हैं। पर्यटन के लिए आने वालों के देखने के लिए यहां अनेक दर्शनीय स्थल हैं।

मुरैना भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त का एक नगर है। यह मुरैना जिला मुख्यालय भी है। उत्तरी मध्य प्रदेश में स्थित मुरैना चंबल घाटी का प्रमुख जिला है। 5000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैले इस जिले से चंबल, कुंवारी, आसन और सांक नदियां बहती हैं। पर्यटन के लिए आने वालों के देखने के लिए यहां अनेक दर्शनीय स्थल हैं। इन दर्शनीय स्थलों में सिहोनिया, पहाडग़ढ़, मीतावली, नूराबाद, सबलगढ़ का किला और राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य प्रमुख हैं। यहां एक पुरातात्विक संग्रहालय और गैलरी भी देखी जा सकती है। यह जिला ग्वालियर नगर से लगभग 46 कि.मी. की दूरी पर है।

सबलगढ़ किला

मुरैना के सबलगढ़ नगर में स्थित यह किला मुरैना से लगभग 60 कि.मी. की दूरी पर है। मध्यकाल में बना यह किला एक पहाड़ी के शिखर बना हुआ है। इस किले की नींव सबल सिंह गुर्जर ने डाली थी जबकि करौली के महाराजा गोपाल सिंह ने 18वीं शताब्दी में इसे पूरा करवाया था। कुछ समय बाद सिकंदर लोदी ने इस किले को अपने नियंत्रण में ले लिया था लेकिन बाद में करौली के राजा ने मराठों की मदद से इस पर पुन- अधिकार कर लिया। किले के पीछे सिंधिया काल में बना एक

बांध है, जहां की सुंदरता देखते ही बनती है।

सिहोनिया

सास-बहू अभिलेखों से ज्ञात होता है कि सिहोनिया या सिहुनिया कुशवाहों की राजधानी थी। इस साम्राज्य की स्थापना 11वीं शताब्दी में 1015 से 1035 के मध्य हुई थी। कछवाह राजा ने यहां एक शिवमंदिर बनवाया था, जिसे काकनमठ नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि मंदिर का निर्माण राजा कीर्तिराज ने रानी काकनवटी की इच्छा पूरी करने के लिए करवाया था। खजुराहो मंदिर की शैली में बना यह मंदिर 115 फीट ऊंचा है। सिहोनिया जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भी काफी प्रसिद्ध है। यहां 11वीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिरों के अवशेष देखे जा सकते हैं। इस मंदिरों में शांतिनाथ, कुंथनाथ, अराहनाथ, आदिनाथ, पार्श्वनाथ आदि जैन तीर्थकरों की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

पड़ावली

नाग काल के बाद इसी क्षेत्र में गुप्त साम्राज्य की स्थापना हुई थी। पदावली के घरोंन गांव के आसपास अनेक मंदिरों, घरों और बस्तियों के अवशेष देखे जा सकते हैं। यहां एक प्राचीन और विशाल विष्णु मंदिर था जिसे बाद में गढ़ी में परिवर्तित कर दिया गया। इस मंदिर का चबूतरा, आंगन और असेम्बली हॉल प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं। यहां का क्षतिग्रस्त दरवाजा और सिंह की मूर्ति प्राचीन वैभव की याद दिलाती हैं। पदावली से भूतेश्वर के बीच पचास से भी अधिक इमारतें देखी जा सकती हैं।

मितावली

नरसर के उत्तर में एक चौसठ योगिनी मंदिर है जो 100 फीट ऊंची पहाड़ी पर बना है। यह गोलाकार मंदिर दिल्ली के संसद भवन की शैली में निर्मित है। इसकी त्रिज्या 170 फीट है। मंदिर में 64 कक्ष और एक विशाल आंगन बना हुआ है। मंदिर के बीचोंबीच भगवान शिव का मंदिर है।

पहाडग़ढ़

पहाडग़ढ़ से 12 मील की दूरी पर 86 गुफाओं की शृंखला देखी जा सकती है। इन गुफाओं को भोपाल की भीमबेटका गुफाओं का समकालीन माना जाता है। सभ्यता के प्रारंभ में लोग इन गुफाओं में आश्रय लेते थे। गुफाओं में पुरुष-महिला, चिडिय़ा, पशु, शिकार और नृत्य से संबंधित अनेक चित्र देखे जा सकते हैं। यह चित्र बताते हैं कि प्रागैतिहासिक काल में भी मनुष्य की कला चंबल घाटी में जीवंत थी।

ऑनलाइन ट्यूशन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर, संभावनाएं अपार हैं

आनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है।पिछले कुछ समय में देश में बच्चों के पढ़ने का तरीका काफी बदल गया है। वैसे तो भारत में ऑनलाइन टीचिंग काफी समय से पॉपुलर है, लेकिन कोरोना काल ने इसे काफी बढ़ावा दिया है। लंबे समय से स्कूल बंद है और बच्चे घर पर ही ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अब ट्यूशन भी आस-पड़ोस में ना रहकर ऑनलाइन अधिक होने लगी है। कुछ समय पहले तक ऑनलाइन ट्यूटर दूसरे राज्य या दूसरे देश के बच्चों को कंप्यूटर की मदद से पढ़ाया करते थे। लेकिन अब तो अधिकतर घरों में अभिभावक ऑनलाइन ट्यूटर को ही हायर करते हैं। जिसके कारण इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाएं काफी बढ़ गई हैं। अगर आप भी इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो पढ़िए यह लेख-

क्या होता है काम

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व

टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपको उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट,आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात् ना सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए। मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम् हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।

ऐसे बनें ऑनलाइन ट्यूटर

ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा कॅरियर बना सकते हैं।

आंखों की देखभाल करने के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

पीसीएम, यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ अथवा बायोलॉजी एवं इंग्लिश के साथ आप 50त्न मार्क्स के साथ पास होने चाहिए, और तत्पश्चात, आप ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। सामान्यतः डिप्लोमा 2 साल का एवं बैचलर डिग्री कोर्स 4 साल का होता है।जी हां! ऑप्टोमेट्रिस्ट आजकल काफी ट्रेंड में है, और एक बेहतर कॅरियर के तौर पर उभर कर सामने आ रहा है।चूंकि दिन पर दिन आंखों की समस्याएं लोगों में बढ़ती ही जा रही है, और ऐसे में इससे जुड़ी कॅरियर की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। आज कई कॉलेज आंखों की देखभाल से जुड़े स्पेशलाइजेशन कोर्स करा रहे हैं, तो इस कोर्स को करने के उपरांत कई लोग, अच्छे खासे पैसे कमाने के साथ में लोगों की आंखें भी ठीक कर रहे हैं। वास्तव में देखा जाए तो शरीर का प्रत्येक अंग बेहद जरूरी है, किन्तु आँख की तो अपनी विशेष महत्ता है। साइंस के अनुसार, हमारा मस्तिष्क, हमारे शरीर के जिस अंग से सर्वाधिक प्रभावित होकर कोई निर्णय लेता है, वह आँख ही है। पहले आंख से संबंधित किसी समस्या के लिए कोई नार्मल फिजीशियन दवा दे देता था, किंतु अब स्पेशलिस्ट की डिमांड इस क्षेत्र में बढ़ती जा रही

है। कल्पना कीजिए कि आज के समय आज मार्केट में आंखों की जांच करके, चश्मा देने वाला व्यक्ति आपको हर जगह मिल जाएगा। इसे ही ऑप्टोमेट्रिस्ट कहते हैं।जाहिर तौर पर इसकी डिमांड दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अगर आप भी इस तरह के कोर्स में एडमिशन लेना चाहते हैं, तो आपको 12वीं पास करना होगा। फिर उसके बाद आप आप बैचलर डिग्री अथवा डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। बीएससी करने वालों को भी इसमें वरीयता मिलती है। पीसीएम, यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ अथवा बायोलॉजी एवं इंग्लिश के साथ आप 50त्न मार्क्स के साथ पास होने चाहिए, और तत्पश्चात, आप ऑप्टोमेट्री में डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। सामान्यतः डिप्लोमा 2 साल का एवं बैचलर डिग्री कोर्स 4 साल का होता है। ज्योंही आप यह कोर्स पूरा करते हैं, तो आपको किसी क्लीनिक में या फिर हॉस्पिटल में किसी डॉक्टर के साथ असिस्टेंट के तौर पर काम करना होता है, और यहीं पर आप सीखे गये मेथड का प्रैक्टिकल करते हैं। आंखों की देखभाल से संबंधित तमाम सब्जेक्ट यहां पर कवर होते हैं। इसके अलावा उसे कांटेक्ट लेंस के अलावा चश्मा पहनने की सलाह किस प्रकार से दी जाए, और लो विजन डिवाइसेज के साथ विजन थेरेपी, आई एक्सरसाइज इत्यादि की ट्रेनिंग देना भी इन कोर्सेज में शामिल किया जाता है।सच कहा जाए तो आंखों की देखभाल एवं उसकी जांच के लिए आपको ऑप्टोमेट्रिस्ट स्पेशलाइज होते हैं, और यह बेहद आधुनिक उपकरणों एवं मॉडर्न डिवाइस के साथ आंखों की देखभाल करते हैं, जो इन्हें काफी इंपोर्टेंट बनाता है।

टमाटर और दूध की मदद से बनाएं फेस पैक, मिलेगी निखरी-निखरी त्वचा

स्किन की केयर करने के लिए नेचुरल चीजों से बेहतर चीज कोई हो ही नहीं सकतीं। इसका लाभ यह होता है कि नेचुरल चीजों का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। इन्हें हर स्किन टाइप पर इस्तेमाल किया जा सकता है और यह काफी सस्ते भी पड़ते हैं। आप भी अपनी स्किन के लिए कई तरह के फेस पैक का इस्तेमाल अब तक करती आ रही होंगी। लेकिन अब एक बार आप टमाटर और दूध की मदद से बनने वाले फेस पैक को अप्लाई करके देखें। इससे आपकी स्किन को कई बेहतरीन लाभ होंगे। तो चलिए इस लेख में जानते हैं टमाटर और दूध से बनने वाले फेस पैक की खूबियों और इसे अप्लाई करने के तरीके के बारे में-

यूं बनाएं फेस पैक

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि यह फेस पैक आपकी स्किन की क्लींजिंग में मददगार है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको एक टमाटर और आधा कप दूध की जरूरत होगी। एक बाउल में टमाटर को मैश करके उसमें दो टेबलस्पून दूध मिक्स करें। अब चेहरे को साफ करें और इस फेस मास्क को चेहरे पर इवन अप्लाई करें। अब इसे करीबन पांच मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

आखिरी में साफ पानी की मदद से इसे क्लीन करें।

होते हैं यह लाभ

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, दूध आपके ब्यूटी रूटीन का एक अहम् हिस्सा होना चाहिए। साथ ही यह मुंहासे के उपचार में भी सहायक है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड एक्ने के कारण स्किन पर होने वाली इंचिंग सेंसेशन को कम करने में सहायक है। साथ ही यह आपकी स्किन को मॉइश्चराइज भी करता है। वहीं दूसरी ओर टमाटर में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी टेरोसिनेस एक्टिवटीज स्किन की कॉम्पलेक्शन को लाइटन करने के साथ-साथ स्किन डैमेज को भी कम करता है। इसके अलावा टमाटर एंटी-एंजिंग की तरह भी काम करता है, जिससे फाइन लाइन्स, रिंकल्स और एज-स्पॉट्स आदि भी कम होते हैं। इसमें मौजूद विटामिन सी त्वचा में कोलेजन और इलास्टिन उत्पादन में सुधार करता है, जिससे स्किन ब्यूटीफुल हो जाती है। वहीं, यह त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करता है। डेड स्किन सेल्स को हटाता है

गर्मियों में इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का करें इस्तेमाल, मिलेगा बेहद फायदा

स्किन व मेकअप एक्सपर्ट कहते हैं कि समर्स में आप हमेशा ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को चुनें, जो ऑयल फ्री हो। भले ही आपकी स्किन ऑयली हो या रूखी, समर्स में स्किन से अतिरिक्त ऑयल निकलता है, जिससे त्वचा चिपचिपी नजर आती है। जब मौसम बदलता है तो आपकी स्किन की जरूरतें भी बदल जाती हैं। इतना ही नहीं, इस मौसम में अगर आप सच में अपनी स्किन की केयर करना चाहते हैं तो यह जरूरी है कि आप सही प्रॉडक्ट्स का भी चयन करें। आपकी स्किन अधिकतर इसी बात पर निर्भर करती है कि आप किन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को चुनते हैं। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो समर्स में आपकी स्किन के लिए बेहद लाभदायक होते हैं-

ऑयल फ्री हो प्रॉडक्ट

स्किन व मेकअप एक्सपर्ट कहते हैं कि समर्स में आप हमेशा ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को चुनें, जो ऑयल फ्री हो। भले ही आपकी स्किन ऑयली हो या रूखी, समर्स में स्किन से अतिरिक्त ऑयल निकलता है, जिससे त्वचा चिपचिपी नजर आती है। वहीं अगर ब्यूटी प्रॉडक्ट भी ऑयल बेस्ड होंगे तो इससे आपकी स्किन हमेशा ग्रीसी नजर आएगी।

जरूरी है सनस्क्रीन

आमतौर पर सांवली स्किन की लड़कियां यह मानती हैं कि उन्हें सनस्क्रीन की कोई जरूरत नहीं है। जबकि यह सच नहीं है। वैसे तो आपको हमेशा ही घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन अप्लाई करना चाहिए। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी स्किन टोन क्या है, सूरज की हानिकारक किरणें आपकी स्किन को बेहद नुकसान पहुंचा सकती हैं। सूरज की किरणों से आपको सनटैन के अलावा स्किन रैशेज व अन्य स्किन प्रॉब्लम्स होने का खतरा भी रहता है।

एसपीएफ युक्त हो लिप बाम

चूंकि समर्स में आप लिप्स पर सनस्क्रीन नहीं लगा सकती हैं, इसलिए अपनी लिप्स की अतिरिक्त केयर करने व उसे सूरज की किरणों से प्रोटेक्ट करने के लिए आप समर्स में ऐसे लिप बाम को अप्लाई करें, जो एसपीएफ युक्त हो। इस तरह के लिप बाम समर्स में आपके होंठों को नमी प्रदान करने के साथ-साथ सूरज से भी प्रोटेक्ट करते हैं।

बीबी क्रीम आएगी काम

समर्स में जब मेकअप की बात होती है तो आपको खुद को लाइट रखना चाहिए। इसके लिए हैवी फाउंडेशन या मेकअप प्रॉडक्ट अप्लाई करने की जगह बीबी क्रीम लगाएं। यह एक हल्का मेकअप प्रभाव देता है और एक मॉइस्चराइज़र के रूप में कार्य करता है, जो आपकी त्वचा को यूवी क्षति से बचाता है। यह आपके चेहरे पर एक चमक प्रदान करता है और आपकी स्किन को इवन टोन लुक देता है।

गैंग्स ऑफ़ वासेपुर फेम हुमा कुरैशी का बोल्ड लुक

हुमा कुरैशी हमें नई तस्वीरों में ट्रेंडी स्विमवियर के साथ अपने वार्डरोब को आकर्षक बनाने के लिए बड़ी प्रेरणा दे रही हैं। फोटोशूट से अपना लुक साझा करने के लिए एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया है। उन्होंने एक ही ड्रेस में तीन तस्वीरें अलग-अलग अंदाज में शेयर की हैं। अपने प्रयोगात्मक सार्टोरियल विकल्पों के लिए जाने जाने वाले एक्ट्रेस ने ग्लैमरस लुक को अपनाया और स्टाइलिंग टिप्स दिए।हुमा ने ऑलिव-ग्रीन स्विमसूट पहने अपनी कई तस्वीरें साझा कीं । खूबसूरत तस्वीरों में दीवा को एक बॉडीकॉन मोनोकिनी में गर्मियों और फॉल वाइब्स को मिलाते हुए दिखाया गया है। उन्होंने हाल्टर नेक बिकिनी पहनी है जिसमें कमर तक लटकती हुई नेकलाइन है। बैकलेस स्विमसूट में एक बॉडीकॉन कमरबंद था जिसने हुमा के कर्व्स को उभारा है जो उनकी फीगर की खूबसूरती को दिखा रहा है। काम की बात करें तो हुमा कुरैशी आने वाले समय में फिल्म बेल बॉटम में दिखाई देंगी। फिल्म में अक्षय कुमार और वाणी कपूर भी अहम भूमिका में हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में करण शर्मा द्वारा निर्देशित एक भारतीय वेब श्रृंखला महारानी और ज़ैक स्नाइडर की थ्रिलर फिल्म आर्मी ऑफ़ द डेड में देखा गया था।

शाहरुख के साथ काम करेंगी आलिया

अदाकारा आलिया भट्ट ने शाहरुख खान की अगली होम प्रोडक्शन फिल्म 'डार्लिंग' की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें शेफाली शाह भी नजर आएंगी। मां और बेटी की कहानी पर आधारित 'डार्लिंग' में मुंबई के रूढिवादी निम्न मध्यवर्गीय परिवेश को दिखाया जाएगा, जहां दोनों असाधारण परिस्थितियों में साहस दिखाते हुए अपने-अपने प्यार को पाती हैं। आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर पटकथा की एक तस्वीर भी साझा की है और इस पोस्ट को शीर्षक दिया है ''तैयारी'। जसमीत के. रीन के निर्देशन में यह फिल्म बनेगी और आलिया इससे फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। इस फिल्म में विजय वर्मा और रोशन मैथ्यू भी दिखेंगे। 'डार्लिंग' के अलावा आलिया, अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र', संजय लीला भंसाली निर्देशित 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और एसएस राजामौली की 'आरआरआर' में भी नजर आएंगी।

हॉलीवुड फिल्म में दिखेंगी कृति सेनन

एक्ट्रेस कृति सेनन के पास इन दिनों कई सारी फिल्में हैं, जिसमें वह अलग-अलग अवतार में दिखने वाली हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट की मानें तो उनकी झोली में एक फिल्म गिरने वाली है, जिसे अनुराग कश्यप डायरेक्ट करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, हॉलीवुड की मशहूर एक्शन थ्रिलर फिल्म किल बिल के हिंदी रीमेक के लिए अनुराग कृति को लेकर इस फिल्म पर काम करने वाले हैं। पिंकविला के मुताबिक, निखिल द्विवेदी फिल्म के निर्माता हैं, वहीं, अनुराग पर फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी है और इस फिल्म को करने के लिए निखिल द्विवेदी ने काफी समय पहले हिंदी रीमेक के राइट्स खरीद लिए थे। दोनों लॉकडाउन के दौरान फिल्म की कहानी पर काम कर रहे थे और अब उन्होंने फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। फिल्म में लीड हीरोइन की भूमिका के लिए कृति सेनन से संपर्क किया गया है। कृति ने इसके लिए हां कर दी है। वह जल्द ही फिल्म साइन करेंगी। बता दें कि मशहूर निर्देशक क्वेंटिन टैरेंटिनो की फिल्म सीरीज किल बिल 2003 में आई थी। इसमें उमा थुर्मन ने एक घातक महिला फाइटर का किरदार निभाया है।

DECENT WAY
TRADE WORLD
COME ONCE CHANGE YOUR WORLD

देश में आज दो गंभीर समस्या तेजी से बढ़ रही हैं बीमारी और बेरोजगारी

इन दोनों समस्याओं का एक ही समाधान

DECENT WAY TRADEWORLD PVT. LTD.

हिंदुस्तान की आयुर्वेदिक प्रॉडक्ट के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती कंपनी के साथ अपना खुद का व्यापार शुरू करें और लाखों कमाएं

Arvind Purohit
Founder CMD

Rupendra Chauhan
MD

Abhishek Chauhan
Director
Managing head

ब्रांच ऑफिसः 104 रजनीगंधा अपार्टमेंट, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश
Email.decentwaytradeworld@gmail.com web-Www.dwtw. In, cont- 9522502121

नगरवासियों को गंगा दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

वी. डी. शुक्ला
(संजय)
वरिष्ठ अधिवक्ता

जिला न्यायालय औरेया एवं सिविल कोर्ट विधूना, उत्तर प्रदेश) मो.9411868614

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा
(महाराणा प्रताप)

धर्मवीर सिंह भदौरिया को भिण्ड जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर

एड. रविन्द्र सिंह भदौरिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष

मलखान सिंह चौहान
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

युवराज सिंह भदौरिया

प्रबुद्ध प्रताप सिंह भदौरिया

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत
(बंटी), संचालक

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, वाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबंधित सीी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

महावीर सिंह भदौरिया
ब्राह्माणी सिविल टेक प्राइवेट लिमिटेड

अपील: कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, घर में रहें स्वस्थ रहें।

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर मध्य प्रदेश

7354900036, 8889437489

पुष्पांजली

जनकल्याण फाउंडेशन

बेटी आगे बढ़ेगी, तो देश आगे बढ़ेगा

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, समाज को प्रगति के रास्ते ले जाओ

जिस घर में होता है बेटी का सम्मान
वह घर होता है स्वर्ग समान

कार्यालय :- जी एस प्लाजा गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

हेल्पलाइन: 0751-4901403, वाट्सएप: 9425665944

Website :- www.pushpanjalijkfoundation.comEmail :- pushpanjalijkfoundation@gmail.com

सौम्या तोमर को जन्मदिन की

हार्दिक शुभकामनाएं

Happy Birthday